ELITE IAS

समसामयिकी

मई–2018

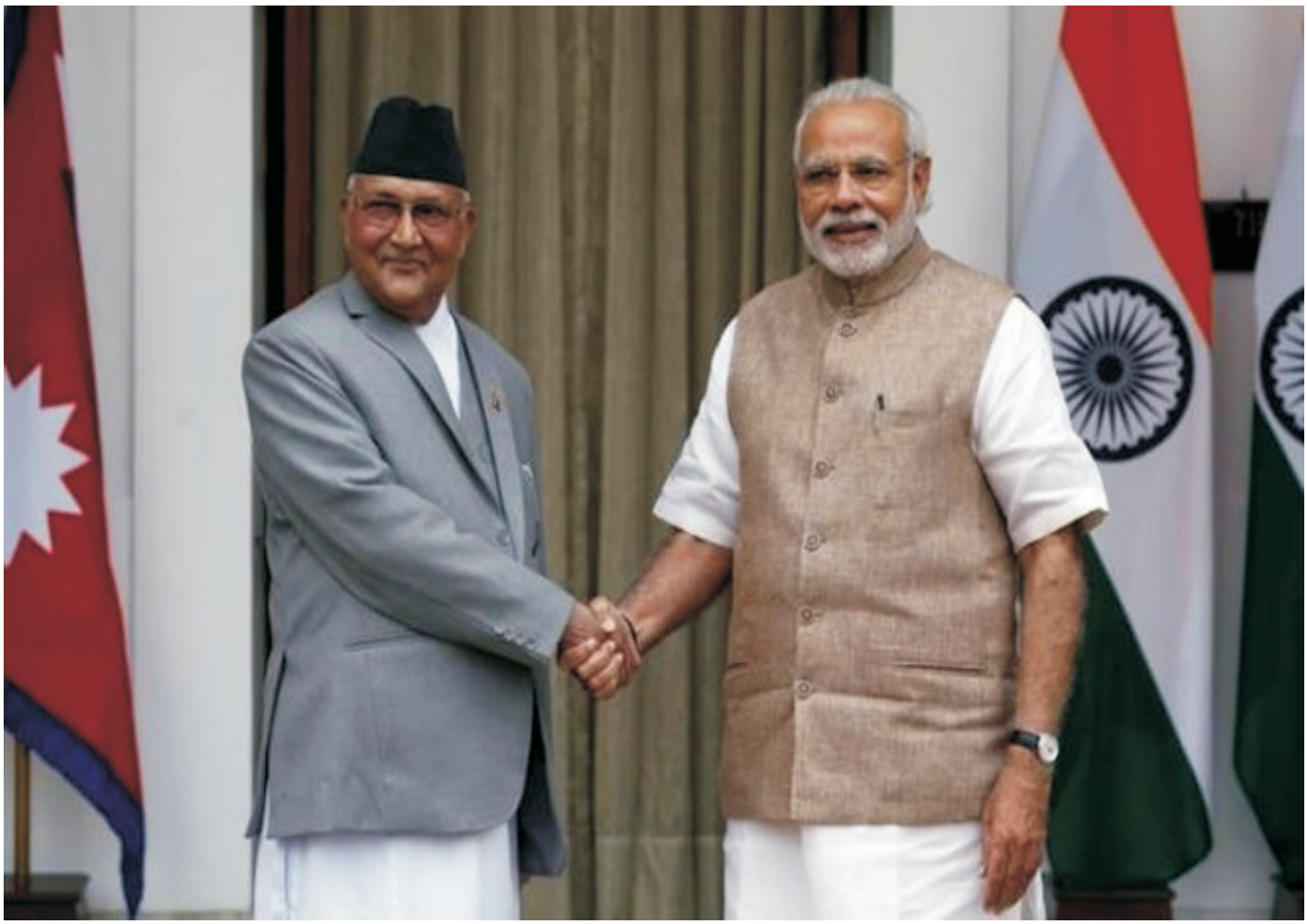

8899999931/34

A-1 Chandra House, Top Floor, (Opp. ICICI Bank), Mukherjee Nagar, Delhi-09

ELITE IAS

Our Courses

For Civil Services Preparation

CLASSROOM PROGRAM

Hindi / English

Upgraded Foundation Course
General Studies

ONLINE COURSES

General Studies Video Classes
(Interactive)

ALL INDIA TEST SERIES

Hindi / English

General Studies
Prelims + Mains + Essay

CORRESPONDENCE COURSES

General Studies Pre. & Mains
(Interactive)

Index

आलेख

1.	नेपाल से सहयोग की उम्मीद	1-2

कला, संस्कृति, समाज एवं सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दे

2.	अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, 2018	3-3
3.	न्यायमूर्ति राजेश बिंदल समिति	3-4
4.	दसवीं और बारहवीं कक्षाओं की परीक्षा कराने की प्रणाली पर गौर करने के लिए समिति	4-4
5.	'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ-बेटी खेलाओ' अंतरराष्ट्रीय अभियान	5-5
6.	रूपश्री योजना	5-6
7.	मुख्यमंत्री कल्याणी सहायता योजना	6-6
8.	उन्नत भारत अभियान का दूसरा संस्करण	6-7
9.	ग्राम स्वराज अभियान	7-8
10.	11वां विश्व हिन्दी सम्मेलन मीडिया लांच कार्यक्रम	8-9
11.	विश्व विरासत दिवस	9-10
12.	पूर्वोत्तर के लिए नीति आयोग फोरम ने पांच सूत्रीय विकास मिशन तय किया	10-11

राजव्यवस्था एवं शासन, सामाजिक न्याय एवं सामाजिक विकास

13.	केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राजस्थान के संबंध में अनुसूचित क्षेत्रों की घोषणा को स्वीकृति	12-12
14.	ऑनलाइन खबरों के लिए नियम बनाये जाने हेतु 10 सदस्यीय समिति गठित	12-13
15.	राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज अभियान	13-14
16.	राष्ट्रपति द्वारा आपराधिक कानून (संशोधन) अध्यादेश 2018 को मंजूरी	14-15

17.	12वां सिविल सेवा दिवस	15–16
18.	मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2018	16–16
19.	मेघालय से 27 वर्ष बाद हटाया गया AFSPA, अरुणाचल में आंशिक रूप से जारी	17–18
20.	केंद्र सरकार ने रक्षा योजना समिति बनाने की घोषणा की	18–19

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, भारत और विश्व एवं वैश्विक परिदृश्य

21.	गुटनिरपेक्ष आंदोलन का मध्यावधि मंत्रिस्तरीय सम्मेलन, 2018	20–20
22.	प्रिंस चार्ल्स राष्ट्रमंडल के अगले प्रमुख	20–21
23.	इंडिया-विस्बाडेन सम्मेलन, 2018	21–22
24.	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश विश्वास सूचकांक, 2018	22–22
25.	भारत-चीन अनौपचारिक शिखर सम्मेलन, 2018	22–23
26.	चोगम-2018	23–24
27.	विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक, 2018	24–25
28.	मृत्युदंड पर एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट, 2017	25–26
29.	क्वालिटी ऑफ नेशनेलिटी इंडेक्स, 2017	26–27
30.	टाइम मैगजीन की वर्ष 2018 के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची	27–28
31.	फॉर्च्यून की विश्व के 50 महानतम नेताओं की सूची, 2018	28–29
32.	आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक, 2018	29–30
33.	सैन्य अभ्यास में पहली बार एक साथ हिस्सा लेंगे भारत-पाकिस्तान	30–31

भारतीय अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक विकास

34.	प्रथम द्विमासिक मौद्रिक नीति, 2018-19	32-32
35.	India Post पेमेंट बैंक देश का सबसे बड़ा भुगतान बैंक बना	32–33

36.	वैश्विक धन प्रेषण से संबंधित रिपोर्ट	33-34
37.	दीन दयाल ग्राम ज्योति योजना: देश के हर गांव में पहुंची बिजली	34-35
38.	फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों के लिए पोषण तत्व आधारित सब्सिडी दर निर्धारण को मंजूरी	35-36
39.	नीति आयोग ने अटल न्यू इंडिया चैलेंज लांच करने की घोषणा की	36-38
40.	पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन को स्वीकृति	38-39
41.	केरल में सामुदायिक रेडियो	39-39
42.	'बंदरगाह एवं तटीय बुनियादी ढांचे की क्षमता वृद्धि' विषय पर दूसरा प्रारंभिक सम्मेलन	40-41
43.	ई-ट्राइब्स इंडिया	41-42

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, प्रतिरक्षा एवं स्वास्थ्य

44.	नौवहन उपग्रह आईआरएनएसएस-1 आई का सफल प्रक्षेपण	43-43
45.	सैन्य अभ्यास हरिमऊ शक्ति-2018	44-44
46.	झारखंड में रोटा वायरस वैक्सीन का शुभारंभ	44-45
47.	नासा का आवाजरहित भावी सुपरसोनिक विमान	45-45
48.	प्रोजेक्ट धूप: बच्चों में टपजंउपद - क की कमी पूरी करने हेतु FSSAI की पहल	46-46
49.	अदिलाबाद डोकरा और वारंगल की दरियों को जीआई टैग हासिल हुआ	47-48
50.	भारत में जीआई टैग की स्थिति	48-48
51.	आरएच-300 ध्वनि रॉकेट का सफल प्रक्षेपण किया गया	49-49
52.	मिसाइल 'सरमत'	49-49
53.	स्वास्थ्य कल्याण केंद्र	50-50
54.	फास्ट ट्रैकिंग मानवरहित एरियल वेहिकल (UAV) प्रौद्योगिकी के लिए टास्क फोर्स का गठन	50-51
55.	'याओगन-31' उपग्रह का प्रक्षेपण	51-51

56.	विश्व स्वास्थ्य दिवस	52-52
57.	विश्व स्वलीनता (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस	52-53
58.	विश्व टीकाकरण सप्ताह	53-53
59.	विश्व मलेरिया दिवस	54-54
60.	पाकिस्तान द्वारा अन्तरिक्ष कार्यक्रम आरंभ किये जाने की घोषणा	54-55
61.	विश्व हीमोफीलिया दिवस	55-55
62.	टीबी रोगियों के लिए विशेष लाभ की घोषणा	56-56
63.	भारत ने विश्व बैंक के साथ नेशनल बायोफार्मा मिशन हेतु कानूनी समझौते पर हस्ताक्षर किया	56-57
64.	'गगन शक्ति-2018' युद्धाभ्यास	57-58
65.	नासा ने मंगल ग्रह के अध्ययन हेतु 'इनसाइट मिशन' लॉन्च किया	58-58

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण

66.	विश्व के 20 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल भारतीय शहर	59-59
67.	संयुक्त राष्ट्र मरूस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन के तहत एशिया प्रशांत क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला	59-60
68.	कोल बेड मीथेन की खोज और दोहन को मंजूरी	60-60
69.	ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) संशोधन नियम, 2018	61-61
70.	'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु' कार्यक्रम का मसौदा जारी	62-62
71.	एनडीएमए द्वारा पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में भूकंप के मॉक अभ्यास	63-63
72.	गंगा हरीतिमा अभियान-2018	63-63
73.	दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन	64-64
74.	विश्व पृथ्वी दिवस	64-64
75.	पश्चिमी घाट पर पौधे की नई प्रजाति खोजी गई	65-65

76.	असम बसंत महोत्सव	65-66

अन्य खबरें

77.	कॉमनवेल्थ गेम्स 2018: पदक तालिका में भारत	67-73
78.	कॉमनवेल्थ गेम्स-2018	73-74
79.	65वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 2017	74-75
80.	विजडन, 2018 संस्करण	75-76
81.	स्पीडटेस्ट वैश्विक सूचकांक, 2018	76-77
82.	फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया: 2018	77-77
83.	बैडमिंटन रैंकिंग: किदांबी श्रीकांत बने दुनिया के नंबर वन बैडमिंटन खिलाड़ी	78-78
84.	नोबेल पुरस्कार विजेता जर्मन भौतिकविद पीटर ग्रुएनबर्ग का निधन	78-78
85.	पुस्तक-'सी.यू. टूमॉरो एट नाइन'	78-78
86.	अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस	78-79
87.	विश्व बौद्धिक संपदा दिवस	79-79
88.	राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस	79-80
89.	दादा साहेब फाल्के फिल्म फाउंडेशन पुरस्कार, 2018	80-80
90.	27वां सरस्वती सम्मान, 2017	80-81
91.	संतोष ट्रॉफी 2018: केरल ने बंगाल को हराकर खिताब जीता	81-81
92.	मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति पुरस्कार, 2018	81-81
93.	कायाकल्प पुरस्कार-2018	81-82
94.	डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार	82-82
95.	शॉर्नस्टेन पत्रकारिता पुरस्कार, 2017	82-83

96.	'सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य पुरस्कार', 2017	83-83
97.	पुलित्जर पुरस्कार, 2018	83-84
98.	दादा साहेब फाल्के एक्सीलेंस अवॉर्ड, 2018	85-85
99.	49वां दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, 2017	85-86
100.	बेगम अख्तर पुरस्कार, 2017-18	86-86
101.	इंदु मल्होत्रा सुप्रीम कोर्ट में जज बनने वाली देश की पहली महिला वकील	87-87
102.	विराट कोहली खेल रत्न, द्रविड़ द्रोणाचार्य और गावस्कर ध्यानचंद पुरस्कार के लिये नामित	87-87
103.	जुलियस माडा बिओ सियरा लियोन के नए राष्ट्रपति निर्वाचित	87-87

ELITE IAS

आलेख

नेपाल से सहयोग की उम्मीद

नेपाल के प्रधानमंत्री खड्ग प्रसाद (केपी) शर्मा ओली की हालिया भारत यात्रा ने दोनों अभिन्न मित्र देशों के बीच आपसी संबंधों की नई नींव रखी है। ओली ने इस बार प्रधानमंत्री बनने के बाद सबसे पहले भारत का रुख करके जो सद्भाव दिखाया उसे भारत ने भी हाथों-हाथ लिया है। भारत ने दरअसल ओली के वाममोर्चा की ओर से प्रधानमंत्री बनते ही विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के जरिये उन्हें न्योता भेजकर संबंध सामान्य करने के प्रति अपनी गंभीरता का अहसास पहले ही करा दिया था। ओली के करीब साठ घंटे लंबे भारत प्रवास के दौरान दर्जन भर घोषणाएं की गईं, जबकि फरवरी 2016 में उनका दौरा सूखा ही गया था। इन घोषणाओं में सबसे महत्वपूर्ण भारत की बिहार स्थित रक्सौल सीमा से नेपाल की राजधानी काठमांडू तक रेलवे लाइन बिछाए जाने की संभावना तलाशने की पेशकश है। इससे भारत ने चीन द्वारा ल्हासा से काठमांडू होते हुए भगवान बुद्ध की नगरी लुंबिनी तक रेलवे लाइन बनाने की पेशकश को पछाड़ने की कोशिश की है।

भारत-नेपाल के बीच रेलवे परियोजना सिरे चढ़ने से जहां नेपालियों को और बड़ी तादाद में भारत आकर काम-धंधा करने में सुविधा होगी वहीं नेपाल के लिए भारतीय बंदरगाहों से माल की ढुलाई और लदाई भी आसान हो जाएगी। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे परियोजना को समुद्र से जोड़ने की बात कही है। इसके अलावा नेपाल में पर्यटन का भी रेलवे के माध्यम से नया आयाम खुलेगा। अभी तक दोनों देशों के बीच बस अथवा विमान सेवा से ही आना-जाना संभव है। गौरतलब है कि नेपाल में कोई समुद्र तट नहीं है इसलिए उसे तेल से लेकर तमाम आयात-निर्यात के लिए भारतीय बंदरगाहों पर ही निर्भर रहना पड़ता है। ओली ने हालांकि अपने पिछले कार्यकाल में सितंबर 2015 में मधेसियों के मुद्दे पर सीमाबंदी से आजिज आकर चीन से वैकल्पिक रास्ता खोलने का करार कर लिया था। उसी के तहत चीन और नेपाल के बीच रेलवे लाइन बिछाने का प्रस्ताव चीन ने किया था। अलबत्ता अब भारत-नेपाल रिश्ते सामान्य होने से यथास्थिति बरकरार रहने के आसार हैं। ओली की इस यात्रा ने पिछले ढाई साल में दोनों पड़ोसियों के बीच पैदा हुई गलतफहमियों को बहुत हद तक दूर किया है। उम्मीद है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी काठमांडू दौरा करके आपसी संबंधों को और मजबूती देंगे।

ओली का इस बार का भारत दौरा इसलिए और भी अहम है कि उनका वाममोर्चा नेपाल में प्रचंड बहुमत से सत्तारूढ़ हुआ है। उसे संघीय सरकार सहित छह राज्यों और संसद के ऊपरी सदन में भी भारी बहुमत मिला है। ओली को यह सफलता माओवादियों के नेता रहे पुष्पकमल दहल यानी प्रचंड की पार्टी नेकपा-माओवादी से अपनी पार्टी एमाले के गठजोड़ के बूते हासिल हुई है। हालांकि दोनों ही दलों ने भविष्य में अपने झंडे-डंडे मिलाकर संयुक्त वामपंथी दल बनाने का संकल्प जताकर जनादेश हासिल किया है। वाम गठबंधन ने नेपाल की संसद यानी प्रतिनिधि सभा की 165 प्रत्यक्ष चुनाव वाली सीटों में दो-तिहाई से अधिक यानी 113 सीट जीती हैं। भंग सदन में सबसे अधिक सदस्यों वाली नेपाली कांग्रेस 21 प्रत्यक्ष सीट ही जीत पाई है। संसदीय चुनाव में दो मधेसी दल 19 सीट जीते हैं। वाम गठबंधन की जीत के पीछे इन दोनों दलों

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

के गठबंधन से मतदाताओं के मन में 11 साल पुरानी राजनीतिक अनिश्चितता खत्म होने की उम्मीद जगने का बड़ा हाथ है। वाम मोर्चे का नारा भी था, 'समृद्धि के लिए स्थिरता'। पिछले 11 साल में नेपाल ने 10 प्रधानमंत्री देखे हैं।

वाम मोर्चा को संसद यानी प्रतिनिधि सभा के साथ ही साथ सात में से छह प्रांतीय विधानसभाओं में भी बहुमत मिला है। इसीलिए ओली की सरकार को अब कम से कम बाहर से कोई खतरा नहीं है। साल 1999 के 18 साल बाद पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनने से इस गरीब पहाड़ी देश में आर्थिक तरक्की के आसार बनेंगे। इस जनादेश की खासियत यह भी है कि यह भारत विरोधी प्रचार के जरिये पाया गया है। इसके बावजूद ओली ने अपने वैचारिक हमदम चीन के बजाये पहले भारत का दौरा करके भारत से संबंध मजबूत करने की ठोस मंशा जताई है। ओली ने काठमांडू लौट कर कहा कि भारत और नेपाल के संबंध फिर से गाढ़े होंगे । ओली प्रशासन ने साफ किया कि दोनों देश एक-दूसरे के अंदरूनी मामलों में दखल न दें और बराबरी तथा संप्रभुता की रक्षा करते हुए आपसी संबंधों का निर्वाह करें तो भाईचारा और बढ़ेगा।

ओली के रुख से उत्साहित होकर ही भारत ने रेल परियोजना के अलावा जलमार्ग खोलने का प्रस्ताव भी नेपाल को दिया है। जलमार्ग बिहार में कुरसला से नेपाल में चतरा के बीच चालू किया जा सकता है। भारत की यह कोशिश इस तथ्य के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण है कि नेपाल में राजनीतिक परिवर्तन के पिछले बारह साल के दौरान चीन ने वहां निवेश से लेकर वैचारिक अगुआई तक हरेक क्षेत्र में अपना दखल बढ़ाया है। ऐसे में यदि ल्हासा से लुंबिनी के बीच रेलवे लाइन बन गई तो अरुणाचल की तरह नेपाल की सीमा पर भी चीन अपनी धौंसपट्टी से बाज नहीं आएगा। इसलिए काठमांडू को भारत से रेलवे लाइन से जोड़ने की भारत की पेशकश रणनीतिक लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

रेलवे और जलमार्ग खोलने के अलावा भारत ने नेपाल के कृषि क्षेत्र को भी सुधारने की पेशकश की है। हालांकि चीन भी कुछ ऐसी ही मंशा जता चुका है और इस बारे में नेपाल की प्राथमिकता का अंदाजा ओली की प्रस्तावित चीन यात्रा के बाद ही लगेगा। नेपाल में हुए राजनीतिक परिवर्तन में भारत ने यूरोपीय संघ आदि अंतरराष्ट्रीय एजंसियों के साथ मिलकर बहुत रचनात्मक भूमिका निभाई है। साथ ही नेपाली कांग्रेस, एमाले, माओवादियों और मधेसी दलों जैसे नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ भी भरपूर सहयोग किया है। ऐसा माना जाता है कि भारत को भी अब नेपाल से कूटनीतिक रिश्तों को संस्थागत स्तर पर निभाना ज्यादा उपयोगी लग रहा है। इसीलिए ओली की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाकर संबंध सामान्य बनाने की पहल की गई है।

❐❐❐

कला, संस्कृति, समाज , तथा सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दे

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, 2018

चर्चा में क्यों?

☛ 28-29 अप्रैल, 2018 के मध्य 'अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन (International Buddhist Conference), 2018 लुम्बिनी, नेपाल में संपन्न हुआ।

मुख्य तथ्य

➲ भगवान बुद्ध के 2,562वीं जन्म शताब्दी के अवसर पर इस सम्मेलन का आयोजन किया गया।

➲ इस सम्मेलन का उद्घाटन नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली द्वारा किया गया।

➲ इस सम्मेलन का मुख्य विषय (Theme)-''लुम्बिनी नेपाल: भगवान बुद्ध की जन्मस्थली तथा विश्व शांति एवं बौद्ध धर्म का उत्पत्ति स्थान' (Lumbani Nepal The Brith Place of Lord Buddha and the Fountain of Buddhism & World Peace)।

➲ भारत सहित 20 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने इस दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य

➲ सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का प्रसार करना और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अहिंसा, भाईचारे, सह-अस्तित्व प्रेम और शांति का संदेश फैलाना था।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

न्यायमूर्ति राजेश बिंदल समिति

☛ **चर्चा में क्यों?**

➲ 23 अप्रैल, 2018 को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अध्यक्षता में गठित समिति ने बच्चों के अंतर-देश निष्कासन और प्रतिधारण से संबंधित कानूनी मुद्दों पर अपनी रिपोर्ट केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री मेनका गांधी को सौंपा।

मुख्य तथ्य

➲ ज्ञातव्य है कि इस समिति का गठन फरवरी, 2017 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बच्चों के अंतर-देश निष्कासन और प्रतिधारण से संबंधित कानूनी मुद्दों का मूल्यांकन करने और विधि आयोग द्वारा तैयार अंतरराष्ट्रीय बाल अपहरण विधेयक के मसौदे का अध्ययन करने के लिए की थी।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- इस समिति की सबसे महत्वपूर्ण सिफारिश यह है कि सरकार को 'अंतर देश अभिभावक बाल निष्कासन विवाद समाधान प्राधिकरण' स्थापित करनी चाहिए, जो बच्चों के अंतर-देश निष्कासन और प्रतिधारण के मामलों में एक समाधान के रूप में कार्य करेगी।
- इसके अलावा समिति ने यह सिफारिश की है कि प्राधिकरण की अध्यक्षता एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा होनी चाहिए और महत्वपूर्ण मंत्रालयों के प्रतिनिधियों के साथ कानूनी और सामाजिक क्षेत्र की पृष्ठभूमि के सदस्य भी इसमें शामिल होना चाहिए।

स्रोत: पीआईबी

दसवीं और बारहवीं कक्षाओं की परीक्षा कराने की प्रणाली पर गौर करने के लिए समिति

चर्चा में क्यों?

4 अप्रैल, 2018 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने पेपर लीक के मामलों की रोकथाम करने के उद्देश्य से बारहवीं कक्षाओं की परीक्षा कराने की प्रणाली पर गौर करने के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की।

मुख्य तथ्य

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अवकाश प्राप्त सचिव (उच्च शिक्षा) विनय शील ओबेरॉय इस सात सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अध्यक्ष होंगे।
- समिति के अन्य सदस्यों में पवनेश कुमार, प्रो. जे.एस. राजपूत, प्रो. वसुधा कामत, प्रो. कृष्ण मोहन त्रिपाठी, एनआईसी के डीजी के वरिष्ठ प्रतिनिधि और संयुक्त सचिव (माध्यमिक शिक्षा-II) शामिल हैं।
- समिति के विचारार्थ विषय निम्नलिखित हैं-

(i) इस प्रणाली में अंतर्निहित सुरक्षा जांच से संबंधित समस्त पहलुओं पर नए सिरे से गौर करना, ताकि बिना किसी गड़बड़ी के प्रश्न पत्रों को परीक्षार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित हो सके।

(ii) प्रिंटिंग प्रेस से परीक्षार्थियों तक प्रश्न पत्रों को पहुंचाने की वर्तमान प्रणाली में अंतर्निहित संभावित खामियों के समस्त पहलुओं पर नए सिरे से गौर तथा आकलन करना।

(iii) ऐसे उपाय सुझाना जिससे की प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर तथा किसी भी व्यक्ति को प्रश्न पत्र सौंपने की आवश्यकता को न्यूनतम कर इस प्रणाली को और ज्यादा सुरक्षित बनाया जा सके।

- समिति 31 मई, 2018 को अथवा उससे पहले अपनी रिपोर्ट पेश कर देगी।

स्रोत: पीआईबी

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ-बेटी खेलाओ' अंतरराष्ट्रीय अभियान

चर्चा में क्यों?

☛ 10 अप्रैल, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के सफल क्रियान्वयन के बाद हरियाणा सरकार ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ-बेटी खेलाओ' नामक अंतरराष्ट्रीय अभियान की शुरूआत करने की घोषणा की।

मुख्य तथ्य

➲ इसका आयोजन 21-24 मई, 2018 तक पंचकूला के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल परिसर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली फर्स्ट गर्ल्स (सीनियर) इंटरनेशनल ट्वेंटी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के माध्यम से किया जाएगा।

➲ इस अनूठे अभियान की शुरूआत क्रिकेट फेडरेशन ऑफ हरियाणा के महासचिव अमरजीत कुमार द्वारा की गई है।

➲ भगत सिंह फर्स्ट गर्ल्स (सीनियर) इंटरनेशनल ट्वेंटी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में भारत सहित नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात की टीमें भाग लेंगी।

➲ इस प्रतियोगिता का आयोजन क्रिकेट फेडरेशन ऑफ हरियाणा द्वारा किया जाएगा।

स्रोतः टाइम्स आफ इंडिया

रूपश्री योजना

चर्चा में क्यों?

☛ 1 अप्रैल, 2018 को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा रूपश्री योजना (मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की महत्वाकांक्षी परियोजना) का शुभारंभ किया गया।

मुख्य तथ्य

➲ इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की लड़कियों को विवाह हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

➲ योजनान्तर्गत सरकार 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी लड़कियों की शादी हेतु एक बार में एकमुश्त 25,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

➲ यह वित्तीय सहायता शादी के पूर्व लड़की के बैंक खाते में भेज दी जाएगी।

➲ इस योजना का लाभ उन लड़कियों को मिलेगा जो पश्चिम बंगाल राज्य की मूल निवासी हों और जिनके परिवार की वार्षिक आय डेढ़ लाख रुपये से कम हो।

- इस योजना हेतु सरकार द्वारा 1500 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।
- योजना के तहत राज्य की लगभग 6 लाख लड़कियों को प्रतिवर्ष वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।
- ज्ञातव्य है कि इस योजना की घोषणा सरकार के वित्त वर्ष 2018-19 के बजट में की गई थी।
- इससे पूर्व 8 मार्च, 2013 को पश्चिम बंगाल सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लड़कियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के उद्देश्य से कन्याश्री योजना शुरू की थी।
- इस योजना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई जिसके लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सम्मानित भी किया गया।

स्रोतः द हिंदू

मुख्यमंत्री कल्याणी सहायता योजना

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल की हुई बैठक में प्रदेश की विधवाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने तथा उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु शासकीय शब्दावली में विधवा की जगह कल्याणी कहे जाने का निर्णय किया गया।

मुख्य तथ्य

- इसी बैठक में कल्याणी विवाह को प्रोत्साहित करने तथा प्रदेश की सभी विधावाओं की आर्थिक सुरक्षा हेतु पेंशन देने की मुख्यमंत्री कल्याणी सहायता योजना को शुरू करने की मंजूरी प्रदान की गई।
- इस योजना के तहत कल्याणी विवाह प्रोत्साहन हेतु 2 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।
- कल्याणी की आर्थिक सुरक्षा हेतु 18 वर्ष से 79 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह 300 रुपए तथा 80 वर्ष से अधिक आयु होने पर 500 रुपए (प्रतिमाह) पेंशन देने की भी स्वीकृति प्रदान की गई।
- इस बैठक में प्रदेश के 30 नगरीय क्षेत्रों में 43 नवीन तहसीलों के गठन की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

स्रोतः टाइम्स ऑफ इंडिया

उन्नत भारत अभियान का दूसरा संस्करण

चर्चा में क्यों?

- मानव संसाधन मंत्रालय ने 25 अप्रैल 2018 को उन्नत भारत अभियान के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया। इसके तहत देश भर के 750 उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र गांवों को गोद लेंगे।

उद्देश्य:

☛ इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उचित तकनीक का उपयोग करके स्थानीय समुदायों के विकास चुनौतियों का समाधान करने के लिए उच्च शिक्षा के प्रमुख संस्थानों को शामिल करके एक समावेशी भारत की वास्तुकला का निर्माण करना है।

उन्नत भारत अभियान:

➲ उन्नत भारत अभियान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक कार्यक्रम है, जिसे ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बनाया गया है। इस कार्यक्रम को आईआईटी, एनआईटी आदि के साथ मिल कर बनाया गया है।

➲ उन्नत भारत अभियान (यूबीए) ग्रामीण उत्थान के लिए राष्ट्रीय मिशन है जो ग्रामीण विकास प्रक्रियाओं में परिवर्तनकारी परिवर्तनों के दृष्टिकोण से प्रेरित है।

➲ उन्नत भारत अभियान एक मिशन की पहल है जिसे 11 नवंबर 2014 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली द्वारा समन्वित किया गया है।

उन्नत भारत अभियान से क्या लाभ हैं?

उन्नत भारत अभियान के तहत, पेशेवर संस्थान, गांवों में दिक्कतों और विकास की जरूरतों को पहचानेंगे। गांवों के विकास में तेजी लाने के लिए आर्थिक रूप से व्यवहार्य समाधान (workable scheme) विकसित किए जाएंगे।

ये मिशन तकनीकी समुदायों को तकनीकी रूप से और स्थानीय रूप से व्यावहारिक विकास समाधान में सशक्तिकरण करेगा जो स्वयं-निर्भरता को बढ़ावा देते हैं।

भारत में, 70% आबादी कृषि क्षेत्र में जुड़ी ग्रामीण इलाकों में रहती है. भारत कृषि प्रधान देश हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य, शिक्षा, आय और सार्वजनिक सेवाओं और परिसंपत्तियों की उपलब्धता में भारी अंतर होता है। इसलिए उन्नत भारत अभियान को इस समझ से शुरू किया गया था कि ग्रामीण विकास के बिना, भारत अपनी विकास क्षमता को बेहतर ढंग से नहीं हासिल कर सकता है और न ही दुनिया में अपनी जगह का दावा कर सकता है।

स्रोत: पीआईबी

ग्राम स्वराज अभियान

चर्चा में क्यों?

☛ 12 अप्रैल, 2018 को केंद्र सरकार ने 14 अप्रैल, 2018 (डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से) से 5 मई, 2018 तक 'ग्राम स्वराज अभियान' मनाने की घोषणा की।

मुख्य तथ्य

- ग्राम स्वराज अभियान के दौरान जिनमें 7 योजनाओं जिनमें उज्ज्वला योजना, उजाला कार्यक्रम, मिशन इंद्रधनुष, हर घर बिजली पहुंचाने जुड़ी सौभाग्य योजना, जन-धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना शामिल है, को सार्वभौमिक कवरेज प्रदान किया जाएगा।
- जन-कल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों से वंचित रह गए सभी लोगों को इनके दायरे में लाकर लाभांवित करने हेतु 21058 गांवों के लिए विशेष पहल शुरू की जा रही है।
- इस अभियान के दौरान सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने, ग्रमीण गरीब जनता तक पहुंच बनाने, योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने, नवाचार, किसानों की आय को दोगुना करने, आजीविका के अवसरों को बढ़ाने एवं राष्ट्रीय प्राथमिकताओं जैसे स्वच्छता एवं पंचायती राज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया जाएगा।
- अभियान के दौरान 14 अप्रैल को सामाजिक न्याय दिवस, 18 अप्रैल को स्वच्छ भारत पर्व, 20 अप्रैल को उज्ज्वला दिवस, 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस (राष्ट्रीय एवं ग्राम सभा स्तरीय), 28 अप्रैल को ग्राम शक्ति अभियान, 30 अप्रैल को आयुष्मान भारत अभियान, 2 मई को किसान कल्याण कार्यशाला और 5 मई को आजीविका कौशल विकास मेले का आयोजन किया जाएगा।

स्रोतः इंडियन एक्सप्रेस

11वां विश्व हिन्दी सम्मेलन मीडिया लांच कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- 10 अप्रैल, 2018 को विदेश मंत्रालय के जवाहरलाल नेहरू भवन में 11वें विश्व हिन्दी सम्मेलन का मीडिया लांच कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य तथ्य

- इसके अनुसार 18-20 अगस्त, 2018 के मध्य 11वें विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन मॉरीशस में किया जाएगा।
- इस सम्मेलन का मुख्य विषय ''वैश्विक हिंदी और भारतीय संस्कृति'' निर्धारित किया गया है।
- 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में एक विषय ''भोपाल से मॉरिशस'' रखा गया है।
- इसके अंतर्गत भोपाल में आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में गठित समितियां अपने कार्य का लेखा-जोखा प्रस्तुत करेंगी।
- इसका आयोजन विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मॉरीशस सरकार के सहयोग से किया जाएगा।
- इस अवसर पर सम्मेलन की वेबसाइट एवं लोगो (Logo) का लोकार्पण भी किया गया।

- भारत के अलावा मॉरीशस ही विश्व का एकमात्र देश है जो 11वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के आयोजन द्वारा तीसरी बार विश्व हिन्दी सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।
- इससे पूर्व अगस्त, 1976 में द्वितीय विश्व हिन्दी सम्मेलन तथा दिसंबर, 1993 में चतुर्थ विश्व हिन्दी सम्मेलन पार्टे लुई, मॉरीशस में आयोजित हुआ था।
- गौरतलब है कि दसवें विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन 10-12 सितंबर, 2015 को भोपाल (म.प्र.) में आयोजित हुआ था।
- ज्ञातव्य है कि प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन नागपुर (महाराष्ट्र) में आयोजित किया गया था।

स्रोतः टाइम्स ऑफ इंडिया

विश्व विरासत दिवस

चर्चा में क्यों?

- 18 अप्रैल, 2018 को दुनिया भर में 'विश्व विरासत दिवस' (World Heritage Day) अथवा स्मारकों एवं पुरास्थलों के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस (International Day for Monuments and Sites) मनाया जा रहा है।

मुख्य तथ्य

- वर्ष 2018 में इस दिवस का मुख्य विषय 'पीढ़ियों के लिए विरासत' (Heritage for Generations) निर्धारित किया गया है।
- विरासत से जुड़े ज्ञान एवं कहानियों को अपनी भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना जिससे वे इसके महत्व को समझते हुए इनका संरक्षण कर इन्हें बचा सकें।
- 18 अप्रैल, 1982 को ट्यूनीशिया में 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ मोनुमेंट्स एंड साइट्स' (प्ब्व्डै) संस्था द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्मारक और पुरास्थल दिवस का आयोजन किया गया था।
- इस दौरान 'विश्व विरासत दिवस' मनाने का प्रस्ताव भी रखा गया।
- नवंबर, 1983 में यूनेस्को ने अपने 22वें सत्र के सम्मेलन में प्रत्येक 18 अप्रैल को 'विश्व विरासत दिवस' मानने की घोषणा की।
- यह दिवस संरक्षित स्थलों पर जागरूकता, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासतों की विविधता और रक्षा के प्रति आम लोगों को जागरूक करने हेतु मनाया जाता है।
- गत वर्ष यूनेस्को ने भारत के पहले शहर के रूप में 'अहमदाबाद' को 'विश्व विरासत शहर' की सूची में शामिल किया था।
- 16 नवंबर, 1945 को स्थापित 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (United Nations Educational Scientific and Cultural Organisation) द्वारा भारत के कुल 36 स्थल विश्व विरासत की सूची में शामिल हैं।
- इनमें 28 को सांस्कृतिक, 7 को प्राकृतिक स्थल तथा 1 स्थल को मिश्रित श्रेणी में स्थान दिया गया है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- सर्वप्रथम वर्ष 1983 में भारत की ओर से अजंता एलोरा की गुफाएं तथा आगरा का किला विश्व विरासत की सूची में शामिल किया गया था।
- भारतीय उपमहाद्वीप में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु आगा खां फाउंडेशन उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।
- इन विरासतों के संरक्षण हेतु औद्योगिक पहल करते हुए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने कन्हेरी की गुफाओं एवं कोणार्क मंदिर आदि के नवीनीकरण हेतु 25 करोड़ रु. तथा सेल ने दिल्ली के लोदी गार्डन के भवनों की मरम्मत तथा रख–रखाव हेतु 1 करोड़ रु. खर्च करने की घोषणा की थी।
- 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ मोनुमेंट्स एंड साइट्स' (ICOMOS) संस्था की स्थापना वर्ष 1964 के स्मारकों एवं पुरास्थलों के संरक्षण तथा नवीनीकरण के अंतरर्राष्ट्रीय चॉर्टर द्वारा की गई थी।

स्रोत: द हिंदू

पूर्वोत्तर के लिए नीति आयोग फोरम ने पांच सूत्रीय विकास मिशन तय किया

चर्चा में क्यों?

- त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में 10 अप्रैल 2018 को श्पूर्वोत्तर के लिए नीति फोरमश की पहली बैठक हुई। बैठक में त्रिपुरा, नागालैण्ड और मेघालय के मुख्यमंत्रियों के अलावा नीति आयोग और केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।
- नीति फोरम शुरू करने का उद्देश्य नियमित गतिविधियों से अलग इस क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए नए विचार और दृष्टिकोण को देखना है।
- पांच सूत्रीय विकास मिशन एवं अन्य तथ्य
- नीति फोरम की पहली बैठक में बागवानी, पर्यटन और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए पांच विकास मिशनों को रेखांकित किया गया।
- इस क्षेत्र के लिए विकास परियोजनाएं "एचआईआरए" (HIRA) पर आधारित होगी जिसका अर्थ है, हाइवेज, इंटरनेटवेज, रेलवेज और एयरवेज।
- इस क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर भी ध्यान दिया जाएगा।
- इस क्षेत्र में उड़ान योजना भी लागू की जा रही है जिसके माध्यम से राज्य की राजधानियां एक–दूसरे जुड़ी रहेंगी।
- त्रिपुरा की राजधानी अगरतला को बांग्लादेश की राजधानी ढाका और चिटगांव से हवाई सेवा से जोड़ने के लिए सरकार ने एक निजी एयरलाइन के साथ बातचीत शुरू की है।
- बांग्लादेश और त्रिपुरा को जोड़ने वाली प्रस्तावित रेल लाइन पर भी चर्चा की गई. यह रेल लिंक अगरतला से बांग्लादेश के गंगासागर तक बनाया जा रहा है।

पूर्वोत्तर के लिए नीति फोरम

☛ केन्द्र सरकार ने फरवरी 2018 में पूर्वोत्तर के लिए नीति फोरम की स्थापना की थी. इसकी सह-अध्यक्षता नीति आयोग के उपाध्यक्ष और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को सौंपी गई. फोरम का सचिवालय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय में घोषित किया गया।

➲ फोरम का कार्य विकास कार्यों में आने वाली अड़चनों की पहचान करना तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र में तेज एवं सतत विकास के लिए आवश्यक कदमों की सिफारिश करना है।

➲ फोरम के सदस्यों में सड़क यातायात एवं राजमार्ग मंत्रालय, रेल मंत्रालय, बिजली मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव शामिल हैं।

➲ इनके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों असम, सिक्किम, नगालैंड, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, अरूणाचल प्रदेश और मिजोरम के मुख्य सचिव भी फोरम के सदस्य निर्धारित किये गये हैं।

स्रोतः द हिंदू

❑❑❑

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राजस्थान के संबंध में अनुसूचित क्षेत्रों की घोषणा को स्वीकृति

चर्चा में क्यों?

☛ 25 अप्रैल, 2018 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के संविधान की 5वीं अनुसूची के अंतर्गत राजस्थान के संबंध में अनुसूचित क्षेत्रों की घोषणा को अपनी मंजूरी दी।

मुख्य तथ्य

➲ नया आदेश लागू होने से राजस्थान के अनुसूचित जनजाति के लोगों को भारत के संविधान की 5वीं अनुसूची के अंतर्गत उपलब्ध सुरक्षात्मक उपायों का लाभ मिलना सुनिश्चित होगा।

➲ राजस्थान सरकार ने भारत के संविधान की 5वीं अनुसूची के अंतर्गत राजस्थान राज्य में अनुसूचित क्षेत्रों के विस्तार के लिए अनुरोध किया है।

➲ राजस्थान के बांसवाडा, डुंगरपुर, प्रतापगढ़ तथा उदयपुर के आंशिक क्षेत्रों, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, पाली तथा सिरोही जिलों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति के लोग भारत के संविधान की 5वीं अनुसूची के अंतर्गत उपलब्ध सुरक्षात्मक उपायों का लाभ प्रापत करेंगे।

➲ राजस्थान राज्य में अनुसूचित क्षेत्रों में संपूर्ण रूप से बांसवाड़ा, डुंगरपुर और प्रतापगढ़ जिले, नौ संपूर्ण तहसीलें, एक संपूर्ण ब्लाक तथा उदयपुर राजसमंद, चित्तौडगढ़, पाली और सिरोही जिलों के 227 गांवों को कवर करने वाली 46 ग्राम पंचायतें शामिल की जाएगी।

➲ भारतीय संविधान की धारा 244 (1) की 5वीं अनुसूची के पैराग्राफ 6 (1) के अनुसार, 'अनुसूचित क्षेत्र' अभिव्यक्ति का अर्थ ऐसे क्षेत्रों से है जिसे राष्ट्रपति अपने आदेश से अनुसूचित क्षेत्र घोषित कर सकते हैं।

स्रोत: पीआईबी

ऑनलाइन खबरों के लिए नियम बनाये जाने हेतु 10 सदस्यीय समिति गठित

चर्चा में क्यों?

☛ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा न्यूज पोर्टल और मीडिया वेबसाइटों के नियमन हेतु नियम बनाने को लेकर एक समिति गठित की है। इस संदर्भ में एक आधिकारिक आदेश जारी किया गया है।

☛ मंत्रालय द्वारा यह आदेश 'फेक न्यूज' पर विवादास्पद दिशा-निर्देशों को वापस लिए जाने के एक दिन बाद जारी किया गया है. इस समिति में 10 सदस्यों को रखे जाने की बात कही गई है।

मुख्य तथ्य

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के आदेश के अनुसार इस 10 सदस्यीय समिति में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और गृह मंत्रालय के सचिव शामिल होंगे।
- इनके अलावा, इसमें विधि विभाग और औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन विभाग के सचिव भी रहेंगे।
- कमेटी में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई), न्यूज ब्रॉडकॉस्टर एसोसिएशन और इंडियन ब्रॉडकॉस्टर फेडरेशन के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।
- आदेश में कहा गया है कि निजी टीवी चौनलों पर विषय वस्तु का नियमन 'कार्यक्रम एवं विज्ञापन संहिता' करता है, जबकि प्रिंट मीडिया का नियमन के लिए पीसीआई के पास अपने नियम कायदे हैं।

समिति गठित किये जाने का कारण

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि ऑनलाइन मीडिया वेबसाइटों और न्यूज पोर्टल के नियमन के लिए कोई नियम या दिशा-निर्देश नहीं है। इसलिए, डिजिटल प्रसारण एवं मनोरंजन, इंफोटेनमेंट साइटों और न्यूज, मीडिया एग्रेगेटर सहित ऑनलाइन मीडिया, न्यूज पोर्टल के लिए एक नियामक ढांचे का सुझाव देने तथा उसे बनाने के लिए एक कमेटी गठित करने का फैसला किया गया है।

क्या होंगे के समिति के कार्य?

- यह समिति ऑनलाइन मीडिया, न्यूज पोर्टल और ऑनलाइन विषय वस्तु मंचों के लिए उपयुक्त नीति बनाने की सिफारिश करेगी. ऐसा करने में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), टीवी चौनलों के कार्यक्रम एवं विज्ञापन संहिता सहित पीसीआई के नियमों को भी ध्यान में रखा जाएगा। यह समिति ऑनलाइन मीडिया और न्यूज पोर्टल के विषयों की सीमा के संदर्भ में भी नियमावली बनाएगी।

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज अभियान

चर्चा में क्यों?

- 24 अप्रैल, 2018 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज अभियान का शुभारंभ मध्य प्रदेश के मंडला जिले में किया।

मुख्य तथ्य

- इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा आगामी पांच वर्षों में जनजातीय लोगों के समग्र विकास के लिए रोड मैप प्रस्तुत किया गया।
- प्रधानमंत्री ने मंडला जिले के मनेरी में इंडियन ऑयल कारपोरेशन के एलपीजी बाटलिंग संयंत्र की आधारशिला रखने हेतु पट्टिका का अनावरण किया।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- इस अवसर पर ही प्रधानमंत्री ने स्थानीय सरकार की निर्देशिका भी लांच की।
- प्रधानमंत्री ने इस दौरान उन गांवों के सरपंचों का अभिनंदन भी किया जिन गांवों ने शत-प्रतिशत धुंआरहित रसोईघर, मिशन इन्द्रधनुष के अंतर्गत शत-प्रतिशत टीकाकरण और सौभाग्य योजनांतर्गत 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल किया है।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सर्वश्रेष्ठ पंचायत योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय ई-पंचायत पुरस्कार और ग्राम पंचायत विकास पुरस्कार योजना के विजेताओं को सम्मानित भी किया।
- बाद में प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के आकांक्षी जिलों के जिला कलेक्टरों के साथ संवाद किया।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

- ज्ञातव्य है कि 73वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के तहत पंचायती राज को ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तरीय पंचायतों के माध्यम से संस्थागत स्वरूप प्रदान किया गया।
- यह अधिनियम 24 अप्रैल, 1993 से लागू हुआ।
- अत: इसी दिन की वर्षगांठ के रूप में प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया जाता है।
- पहला राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस वर्ष 2010 में मनाया गया था।
- गौरतलब है कि 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में एक नया अध्याय 9 और 11वीं अनुसूची जोड़ी गई।

स्रोत : पीआईबी, द हिंदू

राष्ट्रपति द्वारा आपराधिक कानून (संशोधन) अध्यादेश 2018 को मंजूरी

चर्चा में क्यों?

- 22 अप्रैल, 2018 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आपराधिक कानून (संशोधन) अध्यादेश, 2018 को मंजूरी दी।

मुख्य तथ्य

- गौरतलब है कि 21 अप्रैल, 2018 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपराधिक कानून (संशोधन) अध्यादेश, 2018 को अपनी मंजूरी दी थी।
- इस अध्यादेश में भारतीय दंड संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, दंड प्रक्रिया संहिता और बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2018 में संशोधन का प्रावधान है।
- संशोधित पॉक्सो अधिनियम में विशेषकर 12 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों से बलात्कार के दोषियों को फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है।
- साथ ही 20 वर्ष की सजा या आजीवन कारावास का भी प्रावधान है।

क्या हुआ बदलाव?

(i) महिलाओं के साथ बलात्कार की 7 वर्ष की सजा को बढ़ाकर 10 वर्ष तक की कारावास की सजा का प्रावधान किया गया। इसको आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है।

(ii) 12 वर्ष से अधिक और 16 वर्ष तक की लड़कियों से रेप के मामले में सजा को 10 वर्ष से बढ़ाकर 20 वर्ष तक कठोर कारावास का प्रावधान किया गया। इसको आजीवन करावास तक बढ़ाया जा सकता है यानी दोषी को अपनी पूरी जिंदगी जेल में ही गुजारनी होगी।

(iii) 12 वर्ष से अधिक और 16 वर्ष से कम उम्र की लड़की से गैंगरेप के मामले में दोषियों को आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है अर्थात उसकी मौत होने तक उसको जेल में रखा जाएगा।

(vi) 12 वर्ष तक की लड़कियों से गैंगरेप के मामले में दोषियों को आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है।

- अब बलात्कार के सभी मामलों में पुलिस अन्वेषण पूरी करने की समय सीमा दो माह निर्धारित की गई है।
- रेप से संबंधित सभी मामलों के निपटारे हेतु समय सीमा दाखिल होने से 6 माह तक निर्धारित की गई है।
- साथ ही 16 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों से बलात्कार या सामूहिक बलात्कार के आरोपी व्यक्ति को अग्रिम जमानत नहीं मिल सकेगी।
- राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ ही अब यह कानून देश भर में लागू हो गया।

स्रोत: द हिंदू

12वां सिविल सेवा दिवस

चर्चा में क्यों?

- 21 अप्रैल, 2018 को 12वां सिविल सेवा दिवस (12th Civil Service Day) मनाया गया।

मुख्य तथ्य

- इस अवसर पर 20-21 अप्रैल, 2018 के मध्य विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सिविल सेवा दिवस समारोह का आयोजन किया गया।
- इस दो दिवसीय समारोह का मुख्य विषय-नव भारत-भविष्य बनाना (New India&Shaping The Future) था।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिन्हित प्राथमिक कार्यक्रमों के प्रभावशाली क्रियान्वयन तथा नवाचार के लिए जिलों तथा केंद्रीय/राज्य संगठनों को लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्रदान किया।
- प्रधानमंत्री लोक प्रशासन उत्कृष्टता पुरस्कार केंद्रीय और राज्य सरकार के संगठनों तथा जिलों द्वारा नागरिकों के कल्याण में शानदार काम करने के लिए प्रदान किए जाते हैं।

- इस पुरस्कार के लिए चार प्राथमिक कार्यक्रमों को चिन्हित किया गया है, जिनमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल भुगतान प्रोत्साहन, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी एवं ग्रामीण तथा दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना शामिल हैं।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने दो पुस्तकों का विमोचन किया।
- इनमें से एक पुस्तक 'न्यू पाथवेज' (New Pathways) चिन्हित प्राथमिक कार्यक्रमों और नवाचारों के क्रियान्वयन संबंधी सफलता विवरणों का संकलन है, जबकि दूसरी पुस्तक 'एस्पायरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स: अनलॉकिंग पोटेनशियल्स' (Aspirational Districts Unloking Potentials) है, जिनमें आकांक्षी जिलों को परिवर्तित करने की नीतियों का विवरण है।
- ज्ञातव्य है कि भारत सरकार ने वर्ष 2006 से प्रत्येक वर्ष 21 अप्रैल को सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था।

स्रोत: द हिंदू

मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2018

चर्चा में क्यों?

- 4 अप्रैल, 2018 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा देश में मानव अधिकारों के बेहतर संरक्षण और संवर्धन हेतु मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2018 को मंजूरी प्रदान की गई।

मुख्य तथ्य

इस विधेयक में निम्नलिखित प्रस्ताव किए गए हैं-

(i) आयोग के मानद सदस्य के रूप में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग को शामिल करना।

(ii) आयोग में एक महिला सदस्य को शामिल करना।

(iii) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग तथा राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष पद हेतु पात्रता और चयन का दायरा बढ़ाना।

(iv) केंद्र शासित प्रदेशों में मानव अधिकारों के उल्लंघन के मामलों को देखते हेतु व्यवस्था बनाना।

(v) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग तथा राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के कार्यकाल में संशोधन का प्रस्ताव किया गया है, जिससे इसे अन्य आयोगों के अध्यक्ष और सदस्यों के कार्यकाल के अनुरूप बनाया जा सके।

- मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 में संशोधन से राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग तथा राज्य मानव अधिकार आयोग कारगर ढंग से मानव अधिकारों का संरक्षण और संवर्धन करने हेतु अपनी स्वायत्तता, स्वतंत्रता, बहुलवाद तथा व्यापक कार्यों से संबंधित पेरिस सिद्धांत का परिपालन करेंगे।
- इस संशोधन से भारत में मानव अधिकार संस्थानों को मजबूती मिलेगी तथा संस्थान अपने दायित्वों, भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का कारगर निष्पादन कर सकेंगे।

स्रोत: पीआईबी

मेघालय से 27 वर्ष बाद हटाया गया AFSPA , अरुणाचल में आंशिक रूप से जारी

चर्चा में क्यों?

- मेघालय से सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) कानून (AFSPA अथवा अफस्पा) को पूरी तरह हटा लिया गया, जबकि अरुणाचल प्रदेश में यह असम सीमा से लगे आठ थाना क्षेत्रों और पड़ोसी म्यांमार से लगे तीन जिलों में लागू रहेगा।

मुख्य तथ्य

- गृह मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार पिछले साल 2017 में मेघालय में उग्रवाद की सबसे कम घटनाएं हुई हैं। चार साल से हिंसा में लगातार गिरावट जारी है. ऐसा दो दशकों में पहली बार देखने को मिला है।
- वर्ष 2000 की तुलना में 2018 में 85 प्रतिशत कम हमले हुए जिसके कारण अफस्पा की आवश्यकता नहीं रह गई थी।
- सितंबर 2017 तक मेघालय के 40 फीसदी क्षेत्र में अफस्पा लागू था जिसे धीरे-धीरे कम करते हुए इसे पूरी तरह हटा दिया गया है. अफस्पा अब अरुणाचल प्रदेश के केवल आठ पुलिस स्टेशनों में ही लागू है, जबकि 2017 में यह 16 थानों में प्रभावी था।
- एक अन्य फैसले में गृह मंत्रालय ने पूर्वोत्तर में उग्रवादियों के लिए आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के तहत मदद राशि 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये कर दिया है. यह नीति 1 अप्रैल 2018 से लागू होगी।

अफस्पा (AFSPA) क्या है?

- सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) कानून 1958 (AFSPA), उत्तर भारत में वर्ष 1990 से लगातार जारी है. इसे असम में नवम्बर 1990 में हिंसक गतिविधियों के चलते लागू किया गया था जो अभी तक जारी है। अफस्पा दरअसल एक विशेषाधिकार कानून है जिसके तहत सुरक्षा बलों को उस क्षेत्र में शांति कायम करने के लिए विशेष तौर पर तैनात किया जाता है।
- अफ्सपा कानून के तहत सेना के जवानों को किसी भी व्यक्ति की तलाशी केवल संदेह के आधार पर लेने का अधिकार प्राप्त है।
- गिरफ्तारी के दौरान सेना के जवान उस व्यक्ति के घर में घुस कर संदेह के आधार पर तलाशी ले सकते हैं।
- सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून (अफ्सपा) के तहत सेना के जवानों को कानून तोड़ने वाले व्यक्ति पर फायरिंग का भी पूरा अधिकार प्राप्त है।
- संविधान लागू किये जाने के बाद से ही भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बढ़ रहे अलगाववाद, हिंसा और विदेशी आक्रमणों से प्रतिरक्षा के लिए मणिपुर और असम में वर्ष 1958 में अफस्पा लागू किया गया था।
- मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि इस कानून से प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन होता है।
- इस कानून का विरोध करने वालों में मणिपुर की कार्यकर्ता इरोम शर्मिला का नाम प्रमुख है, जो इस कानून के खिलाफ 16 वर्षों से उपवास पर थी।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

अफस्पा कब लागू किया जाता है?

- विभिन्न धार्मिक, नस्लीय, भाषा, क्षेत्रीय समूहों, जातियों, समुदायों के बीच मतभेद या विवादों के कारण राज्य या केंद्र सरकार एक क्षेत्र को "अशांत" घोषित कर सकती हैं। राज्य या केंद्र सरकार के पास किसी भी भारतीय क्षेत्र को "अशांत" घोषित करने का अधिकार है। अफस्पा अधिनियम की धारा (3) के तहत, राज्य सरकार की राय का होना जरुरी है कि क्या एक क्षेत्र अशांत है या नहीं। यदि ऐसा नहीं है तो राज्यपाल या केंद्र द्वारा इसे खारिज किया जा सकता है. (विशेष न्यायालय) अधिनियम 1976 के अनुसार, एक बार अशांत क्षेत्र घोषित होने के बाद कम से कम 3 महीने तक वहाँ पर स्पेशल फोर्स की तैनाती रहती है।

स्रोतः द हिंदू

केंद्र सरकार ने रक्षा योजना समिति बनाने की घोषणा की

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार ने रक्षा योजना समिति (Defence Planning Committee) गठित करने की घोषणा की. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल इस समिति के अध्यक्ष होंगे. यह समिति मुख्य रूप से देश की सैन्य और सुरक्षा रणनीति, क्षमता विकास योजनाओं और रक्षा उपकरण अधिग्रहण जैसे कार्यक्रमों को गति प्रदान करेगी।
- यह समिति, एक स्थायी विभाग होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति तैयार करेगा तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के रक्षा संबंधों की निगरानी करेगा। यह समिति अन्य उप-समितियों के साथ मिलकर कार्य करेगी।

रक्षा योजना समिति के गठन का उद्देश्य

- केंद्र सरकार ने इस समिति का गठन रक्षा योजना और रणनीति को समन्वित तरीके से तैयार करने और सुरक्षा प्राथमिकताओं को सरकार के समक्ष रखने के लिए तैयार किया है। यह समिति मंत्रालयों से समन्वय स्थापित कर राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्यों पर काम करेगी। इसके माध्यम से सरकार नागरिक और सैन्य एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करके रक्षा रणनीति को तैयार करने का काम करेगी।

रक्षा योजना समिति (DPC) के सदस्य

- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार
- तीनों सेनाओं के प्रमुख
- चीफ ऑफ स्टाफ कमिटी के चेयरमैन
- इंटिग्रेटिड डिफेंस स्टाफ के चीफ
- रक्षा सचिव, विदेश सचिव एवं सचिव (वित्त)

अन्य चार उप-समितियां

☛ राष्ट्रीय रक्षा योजना समिति के तहत चार उप-समितियों का गठन किया गया है जिसके साथ मिलकर यह समिति रक्षा-रणनीति एवं अन्य योजनाओं को तय करेगी। इन उप-समितियों में नीति एवं रणनीति समिति, योजना एवं क्षमता विकास समिति, रक्षा कूटनीति समिति एवं रक्षा विनिर्माण समिति शामिल होंगी।

उप-समितियां एवं उनके कार्य

नीति एवं रणनीति उप-समिति

➲ बाह्य सुरक्षा खतरों का आकलन करना, रक्षा एवं सुरक्षा प्राथमिकताएं तय करना।

➲ राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का निर्माण करना तथा मौजूदा सुरक्षा रणनीति की समीक्षा करना।

योजना एवं क्षमता विकास उप-समिति

➲ उन मंत्रालयों तथा विभागों की पहचान करना जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दे पर एक मंच पर लाया जा सकता है।

➲ क्षमता विकास योजना (CDP) का निर्माण करना तथा इसका समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।

➲ योजनाओं पर कैबिनेट की मंजूरी प्राप्त करना तथा आर्थिक सहायता प्राप्त करना।

रक्षा कूटनीति उप-समिति

➲ विदेशी नीति की जरूरतों का मूल्यांकन करके रक्षा रणनीति बनाना।

➲ रणनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए विदेशी अधिग्रहण और बिक्री की पहचान सुनिश्चित करना।

रक्षा विनिर्माण उप-समिति

➲ अनुसंधान और विकास के लिए व्यापक नीति तैयार करना ताकि देश की रक्षा आवश्यकताओं का बारीकी से विश्लेषण किया जा सके।

➲ स्वदेश में ही निर्माण प्रक्रिया हेतु विस्तृत रोडमैप तैयार करना।

➲ विनिर्माण नीति तैयार करना तथा रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए संरचनात्मक रूपरेखा तैयार करना।

➲ सरकार द्वारा यह निर्णय देश की रक्षा योजना में केंद्रीकृत योजना के अभाव को ध्यान में रखते हुए लिया है। इसके जरिए सरकार नागरिक और सैन्य एजेंसियों के समन्वय के जरिए रक्षा रणनीति तैयार करने का काम कर सकेगी।

स्रोतः द हिंदू

□□□

 Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, भारत और विश्व एवं वैश्विक परिदृश्य

गुटनिरपेक्ष आंदोलन का मध्यावधि मंत्रिस्तरीय सम्मेलन, 2018

चर्चा में क्यों?

- 5-6 अप्रैल, 2018 के मध्य 18वीं 'गुटनिरपेक्ष आंदोलन का मध्यावधि मंत्रिस्तरीय सम्मेलन' (Mid &Term Ministerial Confernece of the Non&Aligned Movement) बाकू, अजरबैजान में संपन्न हुआ।

इस सम्मेलन का मुख्य विषय

- इस दो दिवसीय सम्मेलन का मुख्य विषय (Theme) ''सतत विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना'' (Promoting International Peace and Security for Sustainable development) था।
- इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने किया।
- ज्ञातव्य है कि वर्ष 1961 में आयोजित पहले गुटनिरपेक्ष आंदोलन के समय से ही भारत इस समूह का हिस्सा रहा है।
- जहां वर्ष 1961 के बेलग्रेड शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले गुटनिरपेक्ष देशों की संख्या 25 थी, वहां आज इनके सदस्यों की संख्या 120 हो गई है।
- साथ ही वर्तमान में इसके 17 देश तथा 10 अंतरराष्ट्रीय संगठन पर्यवेक्षक हैं।
- वर्ष 2011 में अजरबैजान 16वीं मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान इस आंदोलन का सदस्य बना।
- राज्य एवं सरकार के प्रमुखों के 17वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन की मेजबानी वर्ष 2016 में वेनेजुएला ने की थी और 18वां गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन वर्ष 2019 में अजरबैजान की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा।

स्रोतः द हिंदू

प्रिंस चार्ल्स राष्ट्रमंडल के अगले प्रमुख

चर्चा में क्यों?

- महारानी एलिजाबेथ के पुत्र प्रिंस चार्ल्स राष्ट्रमंडल देशों के अगले प्रमुख होंगे. राष्ट्रमंडल देशों के सभी नेताओं ने इस पर अपनी सहमति जताई है।

राष्ट्रमंडल प्रमुख का पद तथा उत्तरदायित्व

- राष्ट्रमंडल के प्रमुख का पद 53 राष्ट्रों के राष्ट्रमण्डल का एक औपचारिक अध्यक्षात्मक पद है।
- राष्ट्रमंडल मुख्यतः 53 राष्ट्रों का एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो पूर्वतः संयुक्त राजशाही के उपनिवेश या परिराज्य हुआ करते थे।
- यह पद केवल एक रितिस्पद पद है, जिसके पदाधिकारी का इस संगठन के दैनिक कार्यों में किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- इस पद के कार्यकाल की कोई समय-सीमा नहीं है, और परंपरागत रूप से इस पद को ब्रिटिश संप्रभु पर निहित किया गया है।
- कॉमनवेल्थ देशों के प्रमुख सदस्य देशों के बाजार और उनके अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भी आपस में जोड़ते हैं।
- कॉमनवेल्थ मुख्य सचिव और सचिव, इसके केंद्र में होते हैं ताकि कॉमनवेल्थ से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को क्रियान्वित किया जा सके।
- प्रिंस हैरी को कॉमनवेल्थ देशों का यूथ अंबेसडर नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रमंडल देशों के संगठन का उद्देश्य

- राष्ट्रमंडल संगठन के उद्देश्यों और अन्य पक्षों के निर्धारण के लिये कोई औपचारिक संविधान, घोषणा-पत्र या संधि की व्यवस्था नहीं है। इनकी अभिव्यक्ति परामर्श, सहयोग और पारस्परिक सहायता के माध्यम से होती है। राष्ट्रमंडल के आदशों और सिद्धांतों का निर्धारण सदस्य देशों के शिखर सम्मेलन में होता है. राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक (Commonwealth Heads of Government Meeting— CHOGM) और सचिवालय राष्ट्रमंडल के प्रमुख अंग हैं. शासनाध्यक्षों की द्वि-वार्षिक बैठकें आयोजित की जाती हैं, जिनमें सामूहिक हित के विषयों पर चर्चाएं होती है तथा संगठन की गतिविधि यों के मौलिक दिशा-निर्देशों का निर्धारण होता है।

स्रोतः द हिंदू

इंडिया-विस्बाडेन सम्मेलन, 2018

चर्चा में क्यों?

- 16-17 अप्रैल, 2018 के मध्य 'इंडिया-विस्बाडेन सम्मेलन' (India &Wiesbaden Conference), 2018 नई दिल्ली में आयोजित हुआ।

मुख्य तथ्य

- इसका आयोजन विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जर्मनी सरकार और यूनाइटेड नेशंस ऑफिस फॉर डिसआर्मामेंट अफेयर्स (UNODA) के सहयोग से किया गया।
- फिक्की (Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry) इस आयोजन का इंडस्ट्री पार्टनर था।
- इस सम्मेलन का शीर्षक (Title) "संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्प 1540 के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में सरकार-उद्योग भागीदारी के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृखलाओं को सुरक्षित रखना" (Securing Global Supply Chains Through Government&Industry Partnerships towards Effective Implementation of UNSC Resolution 1540) था।
- इस दो दिवसीय सम्मेलन में 39 देशों के सरकार और उद्योग के प्रतिनिधियों एवं यूएनएससी (UNSC) 1540 समिति और न्यूयॉर्क स्थित यूएन ऑफिस फॉर डिसआर्मामेंट अफेयर्स (UNODA) के विशेषज्ञों ने भाग लिया।

- यह सम्मेलन प्रतिभागियों को अपने निर्यात नियंत्रण प्रणालियों पर अनुभव साझा करने और 'यूएनएससी 1540' के राष्ट्रीय कार्यान्वयन में कानूनी एवं तकनीकी सहायता, कार्य योजना और चुनौतियों की पहचान करने का अवसर प्रदान करता है।
- ज्ञातव्य है कि सरकार-उद्योग साझेदारी के माध्यम से 'यूएनएससी 1540' के कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए वर्ष 2012 में जर्मनी सरकार द्वारा विस्बाडेन प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश विश्वास सूचकांक, 2018

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में वैश्विक परामर्श फर्म ए टी कीर्ने (A-T- Kearney) द्वारा 'प्रत्यक्ष विदेशी निवेश विश्वास सूचकांक' (Foreign Direct Investment Confidence Indeñ), 2018 जारी किया गया।

मुख्य तथ्य

- इस सूचकांक में 25 देशों/अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया गया है।
- यह सूचकांक किसी देश विशेष के संदर्भ में आगामी तीन वर्षों में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की संभाव्यता पर उच्च, मध्य एवं निम्न प्रतिक्रिया के भारात्मक माध्य द्वारा आकलित किया गया है।
- इस सूचकांक में संयुक्त राज्य अमेरिका (6वीं बार) को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है। इसका स्कोर 2.09 है।
- इसके पश्चात कनाडा (स्कोर-1.82) दूसरे, जर्मनी (स्कोर-1.81) तीसरे, यूनाइटेड किंगडम (स्कोर-1.77) चौथे तथा चीन (स्कोर-1.76) पांचवें स्थान पर है।
- जबकि जापान, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, इटली क्रमशः छठवें, सातवें, आठवें, नौवें तथा दसवें स्थान पर रहे।
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश विश्वास सूचकांक, 2018 में भारत को 11वां स्थान प्राप्त हुआ है। इसका स्कोर-1.56 है।
- गत वर्ष (2017) इस सूचकांक में भारत 8वें स्थान पर था।
- सूची में ब्राजील 25वें स्थान पर रहा।

स्रोत : डेक्कन क्रॉनिकल

भारत-चीन अनौपचारिक शिखर सम्मेलन, 2018

चर्चा में क्यों?

- 27-28 अप्रैल, 2018 के मध्य 'भारत-चीन अनौपचारिक शिखर सम्मेलन' (India China Informal Summit) वुहान, चीन में आयोजित हुआ।

मुख्य तथ्य

- इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। जबकि चीन का प्रतिनिधित्व राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने किया।
- दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान एवं वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के संदर्भ में अपने-अपने देशों के राष्ट्रीय विकास के लिए उनकी प्राथमिकताओं और दृष्टिकोण पर विस्तार से बातचीत की।
- उनका सम्मिलित रूप से मानना था कि भारत और चीन के बीच शांतिपूर्ण, स्थिर और संतुलित रिश्ते मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता के बीच एक सकारात्मक कारक साबित होंगे।

- वो इस बात पर भी सहमत हुए कि द्विपक्षीय संबंधों का समुचित प्रबंधन क्षेत्रीय विकास एवं स्थिरता के लिए सहयोगकारी रहेगा और एशिया की सदी के निर्माण के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार करेगा।
- दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के व्यापक हित में भारत-चीन सीमा क्षेत्र के सभी हिस्सों में शांति बनाए रखने के महत्व पर बल दिया।
- इसकी प्राप्ति के लिए उन्होंने अपनी सेनाओं को विश्वास एवं आपसी समझ विकसित करने और सीमा संबंधी मामलों के प्रबंधन में पूर्वानुमान लगाने और उन्हें प्रभावकारी बनाने के लिए रणनीतिक मार्गनिर्देशन दिये।
- उन्होंने लोगों के बीच आपसी संपर्क और घनिष्ठ सांस्कृतिक संपर्कों को प्रोत्साहित करने के तरीकों पर भी चर्चा की।

स्रोत : द हिंदू

चोगम-2018

चर्चा में क्यों?

- 19-20 अप्रैल, 2018 के मध्य 25वें राष्ट्रमंडल देशों के प्रमुखों की बैठक (Commonwealth Heads of Government Meeting) 'चोगम-2018' लंदन, (यू.के.) में संपन्न हुआ।

मुख्य तथ्य

- इस सम्मेलन का मुख्य विषय (Theme) 'एक साझे भविष्य की ओर' (Towards a Common Future) था।
- इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद एवं शरणार्थी समस्या आदि विषयों पर चर्चा की गई।
- इस राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।
- ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थेरेसा मे ने इस सम्मेलन की अध्यक्षता की।
- यूनाइटेड किंगडम के यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद यह पहला राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन था।
- 53 सदस्यीय राष्ट्रमंडल की नीव उपनिवेशवादी सिद्धांत पर आधारित थीं।
- 19वीं शताब्दी में ब्रिटेन के उपनिवेश अनेक महाद्वीपों में फैले हुए थे।
- 19 शताब्दी के पूर्वार्ध से ही इन उपनिवेशों में डोमिनियन स्टेट्स की मांग उठने लगी।
- धीरे-धीरे कनाडा (1867), ऑस्ट्रेलिया (1901), न्यूजीलैंड (1907), दक्षिण अफ्रीका (1910) व आयरलैंड (1921) को डोमिनियन स्टेट्स का दर्जा प्राप्त हो गया।
- वर्ष 1887 में ब्रिटेन व डोमिनियन स्टेट्स के प्रधानमंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया।
- इसके बाद वर्ष 1926 में इम्पीरियल सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 'बालफोर रिपोर्ट को स्वीकृति प्रदान की गई।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- इन डोमिनियन स्टेट्स को ब्रिटेन के समकक्ष माना गया।
- लेकिन ब्रिटिश क्राउन के प्रति श्रद्धा रखना इस समूह की अनिवार्य शर्त थी।
- वर्ष 1940 के दशक में अनेक राष्ट्र ब्रिटिश शासन से स्वतंत्र हो गए जिनमें भारत भी एक था।
- भारत ने यद्यपि राष्ट्रमंडल का सदस्य बनना स्वीकार किया लेकिन उसने ब्रिटिश महारानी के प्रति निष्ठा रखना स्वीकार नहीं किया।
- भारत ने अपने को गणतंत्र घोषित कर दिया तथा महारानी को राज्य का मुखिया स्वीकार करने से मना कर दिया।
- वर्ष 1949 में राष्ट्रमंडल देशों के प्रधानमंत्रियों के सम्मेलन में यह स्वीकार किया गया कि भारत एक गणराज्य होते हुए भी राष्ट्रमंडल का सदस्य रह सकता है।
- ब्रिटिश महारानी को अब स्वतंत्र राष्ट्रों के समूह के प्रतीक मात्र के रूप में माना गया।
- इस बदलाव से अनेक राष्ट्र राष्ट्रमंडल के सदस्य बन गए तथा ब्रिटिश राष्ट्रमंडल स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रमंडल बन गया।
- 26वां चोगम वर्ष 2020 में रवांडा में प्स्तावित है।

स्रोत : द हिंदू

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक, 2018

चर्चा में क्यों?

- 25 अप्रैल, 2018 को फ्रांस स्थित 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' (Reporters without Borders) द्वारा वार्षिक 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक, 2018 (World Press Freedom Indeñ, 2018) जारी किया गया।

मुख्य तथ्य

- इस सूचकांक में कुल 180 देशों को शामिल किया गया है।
- इस सूचकांक में नॉर्वे (स्कोर-7.63) को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है।
- इसके पश्चात स्वीडन (स्कोर-8.31) दूसरे, नीदरलैंड्स (स्कोर-10.01) तीसरे, फिनलैंड (स्कोर-10.26) चौथे तथा स्विट्जरलैंड (स्कोर-11.27) पांचवें स्थान पर है।
- इस सूचकांक में निचले पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश क्रमशः हैं-उत्तर कोरिया (180 वां स्थान), इरीट्रिया (179वां स्थान), तुर्कमेनिस्तान (178वां स्थान), सीरिया (177वां स्थान), तथा चीन (176वां स्थान)।
- विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक, 2018 में भारत 138वें स्थान (स्कोर-43.24) पर है।
- सूचकांक में भारत के पड़ोसी देशों में भूटान को 94वां, नेपाल 106वां, श्रीलंका को 131वां, पाकिस्तान को 139वां तथा

बांग्लादेश को 146वां स्थान प्राप्त हुआ है।

- ब्रिक्स (BRICS) देशों में दक्षिण अफ्रीका को 28वां, ब्राजील को 102वां, रूस को 148वां तथा चीन को 176वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- विश्व के अन्य विकसित देशों में जर्मनी को 15वां, यूनाइटेड किंगडम को 40वां, फ्रांस को 33वां, अमेरिका को 45वां तथा जापान को 67वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- विश्व के देशों में प्रेस की स्थिति के बारे में 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' नामक एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन द्वारा वर्ष 2002 से प्रतिवर्ष यह सूचकांक जारी किया जा रहा है।
- यह संगठन प्रेस स्वतंत्रता की वकालत करता है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1985 में हुई थी।
- इसका मुख्यालय पेरिस में है।
- इस संगठन को संयुक्त राष्ट्र में सलाहकार की स्थिति प्राप्त है।

स्रोतः द हिंदू

मृत्युदंड पर एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट, 2017

चर्चा में क्यों?

- 12 अप्रैल, 2018 को लंदन स्थित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा मृत्युदंड पर रिपोर्ट (The Death Penalty in 2017 Facts and Figures) जारी की गई।

मुख्य तथ्य

- रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2017 में चीन में सबसे अधिक फांसी की सजा दी गई।
- इसके बाद क्रमशः ईरान, सऊदी अरब, इराक और पाकिस्तान में फांसी की सजा दी गई।
- चीन को छोड़कर ईरान, सऊदी अरब, इराक और पाकिस्तान में 84 प्रतिशत फांसी की सजा इन चार देशों में दी गई।
- इसके अनुसार वर्ष 2017 में 23 देशों में 993 लोगों को फांसी की सजा दी गई।
- जो वर्ष 2016 में दी गई फांसी की सजा से 4 प्रतिशत कमी दर्शाती है।
- वर्ष 2016 में 23 देशों में 1032 लोगों को फांसी की सजा दी गई थी।
- जबकि वर्ष 2015 से वैश्विक स्तर पर मृत्युदंड में 39 प्रतिशत की कमी आई है। (जब संगठन ने वर्ष 1989 से सबसे

ज्यादा 1634 लोगों को फांसी की सजा की रिपोर्ट दी)।

- इसमें चीन का आंकड़ा नहीं है, जिसे वह गोपनीय बनाए रखता है।
- बहरीन, जॉर्डन, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने वर्ष 2017 में फांसी की सजा फिर से शुरू की।
- वर्ष 2017 में, दो देशों–गिनी और मंगोलिया ने सभी अपराधों के लिए कानून में फांसी की सजा को समाप्त कर दिया।
- वर्ष 2017 के अंत में, 106 देशों (विश्व के अधिकांश राज्यों) ने सभी अपराधों के लिए कानून में मौत की सजा को समाप्त कर दिया था और 142 देशों (दो–तिहाई से अधिक) ने कानून या अभ्यास में मौत की सजा को समाप्त कर दिया था।

स्रोत: द हिंदू

क्वालिटी ऑफ नेशनेलिटी इंडेक्स, 2017

चर्चा में क्यों?

- 20 अप्रैल, 2018 को हेनले एंड पार्टनर्स: कोचेनोव क्वालिटी ऑफ नेशनेलिटी इंडेक्स (Quality of Nationality Indeñ), 2017 जारी की गई।

मुख्य तथ्य

- यह क्वालिटी ऑफ नेशनेलिटी इंडेक्स का तीसरा संस्करण है।
- यह सूची निम्न मानकों पर आधारित हैं–

1. बाह्य कारक

(i) यात्रा स्वतंत्रता का महत्व (Weight of Travel Freedom)

(ii) यात्रा स्वतंत्रता की विविधता (Diversity Travel of Freedom)

(iii) बसने की स्वतंत्रता का महत्व (Weight of Settlement Freedom)

(iv) बसने की स्वतंत्रता की विविधता (Diversity of Settlement Freedom)

2. आंतरिक कारक

(i) मानव विकास (Human Development)

(ii) आर्थिक मजबूती (Economic Strength)

(iii) शांति और स्थिरता (Peace and Stability)

- इस सूचकांक में फ्रांस को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है।
- जिसका अर्थ है कि विश्व में फ्रांस की नागरिकता सबसे बेहतर है।

- इसके पश्चात जर्मनी को दूसरा, आइसलैंड को तीसरा, डेनमार्क को चौथा तथा नीदरलैंड्स को पांचवां स्थान प्राप्त हुआ है।
- अन्य प्रमुख देशों में अमेरिका को 27वां, जापान को 29वां, ब्राजील को 37वां, चीन को 59वां तथा रूस को 63वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- इस सूचकांक में सबसे निचला स्थान प्राप्त करने वाले देश हैं-(167) सोमालिया, (166) अफगानिस्तान, (165) इराक, (164) दक्षिण सूडान तथा (163) केंद्रीय अफ्रीकी गणराज्य।
- जिसका अर्थ है कि उपर्युक्त देशों की नागरिकता विश्व में सबसे बदतर है।
- इस सूचकांक में भारत को 106वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- भारत के साथ पश्चिमी अफ्रीकी देश सेनेगल 106वें स्थान पर संयुक्त रूप से काबिज है।
- भारत के पड़ोसी देशों में भूटान को 122वां, श्रीलंका को 134वां, बांग्लादेश को 149वां, नेपाल को 152वां तथा पाकिस्तान को 159वां स्थान प्राप्त हुआ है।

स्रोत : द हिंदू

टाइम मैगजीन की वर्ष 2018 के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची

चर्चा में क्यों?

- 19 अप्रैल, 2018 को प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन द्वारा वर्ष 2018 के विश्व के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची (Time The Most Influential People of 2018) जारी की गई।

मुख्य तथ्य

- मैगजीन द्वारा सूची को पायनियर्स, टाइटन्स आर्टिस्ट, लीडर्स एवं आइकॉन्स श्रेणी में विभाजित किया गया।
- इस वर्ष टाइम मैगजीन द्वारा लीडर्स श्रेणी में भारतीय मूल के माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला का नाम शामिल है।
- इसके अलावा इस श्रेणी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो, लंदन के मेयर सादिक खान, प्रिंस हैरी, सऊरी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान, उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, आयरलैंड के प्रधानमंत्री (भारतीय मूल) के लियो वरडाकर, जिम्बाब्वे के नए राष्ट्रपति इमर्सन नंगाग्वा, जापान के प्रधानमंत्री शिंजों अबे एवं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना शामिल हैं।
- इस सूची में ऑनलाइन कैब सेवा देने वाली कंपनी ओला के सह-संस्थापक भावीश अग्रवाल को पायनियर्स श्रेणी में रखा गया है।
- सूची में प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को आर्टिस्ट श्रेणी में रखा गया है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- इस श्रेणी में प्रसिद्ध हॉलीवुड अभिनेत्री निकोल किडमैन, गैल गडोट का नाम भी शामिल हैं।
- जेनिफर लोपेज आईकान्स श्रेणी में शामिल है।
- स्विट्जरलैंड के प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर को टाइटन्स श्रेणी में रखा गया है।
- इस श्रेणी में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली भी शामिल हैं।
- सूची में 14 वर्षीया ब्रिटिश कलाकार मिली बॉबी (Millie Bobby) अब तक टाइम 100 में शामिल होने वाली सबसे युवा शख्सियत हैं।
- इनके अतिरिक्त सूची में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस तथा वर्ष 2018 में ऑस्कर से सम्मानित सर्वश्रेष्ठ फिल्म 'द शेप ऑफ वॉटर' के निर्देशक गुइलेरमो डेल टोरो भी शामिल रहे।

स्रोतः द हिंदू

फॉर्च्यून की विश्व के 50 महानतम नेताओं की सूची, 2018

चर्चा में क्यों?

- 19 अप्रैल, 2018 को 'फॉर्च्यून पत्रिका ने विश्व के 50 महानतम नेताओं की सूची (World's 50 Greatest Leaders), 2018 जारी की।

मुख्य तथ्य

- इस वर्ष की सूची में शीर्ष स्थान पर मार्जरी स्टोनमैन डगल समेत अमेरिका के उन विद्यार्थियों (The Students Marjory Stoneman Douglas and other Schools) रखा गया है जो बंदूक की हिंसा के शिकार हुए हैं।
- सूची में गेट्स फाउंडेशन की सह संस्थापिका बिल एंड मेलिंडा गेट्स को दूसरा, द हैशटैग मीटू मूवमेंट (The MeToo Movement) को तीसरा तथा दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है।
- सूची में शामिल अन्य प्रमुख व्यक्तियों में जनरल मोटर्स की सीईओ मैरी बारा को 11वां, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रान को 13वां, एप्पल के सीईओ टिम कुक को 14वां तथा प्रसिद्ध अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स को 15वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के संस्करण में 'फॉर्च्यून' पत्रिका द्वारा इस सूची में 3 भारतीयों को शामिल किया गया है।
- इस सूची में सुप्रीम कोर्ट की वकील इंदिरा जयसिंह को 20वां, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को 24वां तथा आर्किटेक्ट बालकृष्ण दोषी को 43वां स्थान प्राप्त हुआ है।

- गौरतलब है कि मार्च, 2018 में भारत के प्रसिद्ध आर्किटेक्ट बालकृष्ण दोषी को आर्किटेक्चर का नोबेल कहा जाने वाला प्रतिष्ठित 'प्रित्जकर आर्किटेक्चर' पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई थी।
- फॉर्च्यून पत्रिका सूची में प्रति वर्ष विश्व में बड़े बदलाव लाने वाली हस्तियों को शामिल करती है।

स्रोत: द हिंदू

आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक, 2018

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में प्रसिद्ध अमेरिकी थिंक टैंक 'द हेरिटेज फाउंडेशन' द्वारा 24वां आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक (Economic Freedom Indeñ)-2018 जारी किया गया।

मुख्य तथ्य

- आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक (EFI) विश्व के विभिन्न देशों में दी गई आर्थिक स्वतंत्रताओं का तुलनात्मक अध्ययन करने का बहुआयामी सूचकांक है।
- यह सूचकांक 12 मापकों के चार स्तंभों-कानून, सीमित सरकार, नियामक दक्षता और खुले बाजार के आधार पर बनाया जाता है।
- विभिन्न देशों में आर्थिक स्वतंत्रता की स्थिति को मापने के लिए अमेरिका के 'द हेरिटेज फाउंडेशन' द्वारा वर्ष 1995 से प्रतिवर्ष आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक जारी किया जा रहा है।
- आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक, 2018 में शामिल कुल 186 देशों में से 180 देशों को रैंकिंग प्रदान की गई है।
- इस सूचकांक में कुल 180 देशों में 102 देशों के स्कोर में वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि 75 देशों के स्कोर गिरावट और 3 देशों का स्कोर अपरिवर्तित है।
- इस सूचकांक में शामिल कुल 180 देशों का वर्गीकरण निम्न श्रेणियों में किया गया है-
- (i) 6 देश-'स्वतंत्र' (Free), स्कोर-(100-80)
- (ii) 28 देश-'प्रायः स्वतंत्र' (Mostly Free), स्कोर (79.9-70 के मध्य)
- (iii) 62 देश-'नियंत्रित रूप से स्वतंत्र' (Moderately free), स्कोर-(69.9-60) के मध्य
- (iv) 63 देश-'प्रायः गैर स्वतंत्र' (Mostly unfree), स्कोर-(69.9-60 के मध्य)
- (v) 21 देश-'दमित' (Repressed), स्कोर-(49.9-0 के मध्य)
- इस सूचकांक में शीर्ष पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश क्रमशः हैं-

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- (i) हांगकांग-(स्कोर-90.2), (ii) सिंगापुर (स्कोर-88.8), (iii) न्यूजीलैंड (स्कोर-84.2),
- (iv) स्विट्जरलैंड (स्कोर-81.7) तथा (v) ऑस्ट्रेलिया (स्कोर-80.9)।
- इस सूचकांक में निचले पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश क्रमशः हैं-(180) उत्तर कोरिया (स्कोर-5.8), (179) वेनेजुएला (स्कोर-25.2), (178) क्यूबा (स्कोर-31.9), (177) कांगो रिपब्लिक (स्कोर-38.9) तथा (176) इरीट्रिया (स्कोर-41.7)।

इस सूचकांक में भारत

- इस सूचकांक में भारत को 130वां स्थान प्राप्त हुआ है। इसका स्कोर-54.5 है।
- इस वर्ष इस सूचकांक में भारत ने 13 स्थानों की वृद्धि दर्ज की।
- जबकि गत वर्ष भारत इस सूचकांक में 143वें स्थान पर था।
- भारत के पड़ोसी देशों में भूटान को 87वां, चीन को 110वां, श्रीलंका को 111वां, बांग्लादेश को 128वां तथा पाकिस्तान को 131वां स्थान प्राप्त हुआ है।

स्रोतः इकोनॉमिक टाइम्स

सैन्य अभ्यास में पहली बार एक साथ हिस्सा लेंगे भारत-पाकिस्तान

चर्चा में क्यों?

- रूस में सितंबर 2018 में होने वाले बहु-राष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में पहली बार भारत और पाकिस्तान एक साथ हिस्सा लेंगे। आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के मकसद से आयोजित इस सैन्य अभ्यास में चीन और कई अन्य देश भी शामिल होंगे।

सैन्य अभ्यास से संबंधित मुख्य तथ्यः

- यह सैन्य अभ्यास शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रूपरेखा के तहत किया जाएगा. सुरक्षा समूह की इस संस्था पर चीन का प्रभुत्व है जिसे अब नाटो की बराबरी कर सकने वाली संस्था के तौर पर देखा जा रहा है।
- यह अभ्यास रूस के उराल पर्वत क्षेत्र पर आयोजित किया जाएगा और एससीओ के लगभग सभी सदस्य इसका हिस्सा बनेंगे।
- शांति मिशन के इस अभ्यास का मुख्य मकसद एससीओ के आठ सदस्य देशों के बीच आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाना है। इसे 'पीस मिशन 2018' भी कहा जा रहा है।
- आजादी के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान दोनों एक ही सैन्य अभ्यास का हिस्सा होंगे. हालांकि दोनों देशों की सेनाओं ने संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षा मिशन में साथ काम किया है।

- इस बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में चीन और भारत के बीच भी द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास भी होगा। यह अभ्यास पिछले साल 2 महीने से ज्यादा चले डोकलाम विवाद के कारण टाल दिया गया था।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की स्थापना:

- रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों ने वर्ष 2001 में शंघाई में एक शिखर सम्मेलन में एससीओ की स्थापना की थी।
- भारत और पाकिस्तान को वर्ष 2005 में इस समूह के पर्यवेक्षकों के तौर पर शामिल किया गया था. वर्ष 2017 में दोनों देशों को पूर्ण सदस्य बनाया गया।
- भारत को सदस्य बनाने के लिए रूस ने और पाकिस्तान को सदस्य बनाने के लिए चीन ने मजबूती से पक्ष रखा था।

भारत-पाकिस्तान सम्बन्ध:

- भारत और पाकिस्तान में संबंध हमेशा से ही ऐतिहासिक और राजनैतिक मुद्दों कि वजह से तनाव में रहे हैं। इन देशों में इस रिश्ते का मूल वजह भारत के विभाजन को देखा जाता है। इन देशों में तनाव मौजूद है जबकि दोनों ही देश एक दूजे के इतिहास, सभ्यता, भूगोल और अर्थव्यवस्था से जुड़े हुए हैं।
- भारत और पाकिस्तान के संबंधों की पृष्ठभूमि भावनात्मक लगाव एवं अप्रत्यक्ष घटनाओं का इतिहास है। निकटतम पड़ोसी होने के बावजूद पाकिस्तान अपनी भारत-विरोधी एवं विधटनकारी नीतियों के कारण भारत से लगातार दूर होता गया। भारत-पाक संबंध बहुत नाजुक रहे हैं। कोई छोटी-सी घटना भी संबंधों के सुधरने की राह रोक सकती है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

❐❐❐

 Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

भारतीय अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक विकास

प्रथम द्विमासिक मौद्रिक नीति, 2018-19

चर्चा में क्यों?

- 5 अप्रैल, 2018 को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. उर्जित पटेल की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने 'प्रथम द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19' (First bi Monthly Monetary Policy Statement 2018-19) जारी किया।

मुख्य तथ्य

- भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रथम द्विमासिक मौद्रिक नीति में नीतिगत दरों, आरक्षित नगदी अनुपात, निवल मांग एवं मियादी देयताओं को अपरिवर्तित रखा है।
- इस मौद्रिक नीति में चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF Liquidity Adjustment Facility) के अंतर्गत रेपो दर में कोई परिवर्तन किए बिना इसे 6.00 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के नगद आरक्षित अनुपात (CRR Cash Reserve Ratio) को अपरिवर्तित रखते हुए इसे निवल मांग और मियादी देयताओं (NDTL Net Demand and Time Liabilities) के 4 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के सांविधिक चलनिधि अनुपात (SLR Statutary Liquidity by Ratio) को अपरिवर्तित रखते हुए 19.50 प्रतिशत पर रखा गया है।
- परिणामतः चलनिधि समायोजन सुविधा के अंतर्गत रिवर्स रेपो दर 7.75 तथा सीमांत स्थायी सुविधा दर (MSF) और बैंक दर 6.25 प्रतिशत है।
- समग्र रूप से, जीडीपी वृद्धि वर्ष 2017-18 के 6.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2018-19 में 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

स्रोतः इकोनॉमिक टाइम्स

India Post पेमेंट बैंक देश का सबसे बड़ा भुगतान बैंक बना

चर्चा में क्यों?

- भारत में 1 अप्रैल 2018 से पोस्ट ऑफिस पेमेंट बैंक ने अपनी सेवाएं आरंभ की हैं। इसे इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के नाम से जाना जायेगा तथा यह देश का सबसे बड़ा भुगतान बैंक नेटवर्क होगा।
- यह पेमेंट बैंक देश के सभी डाकघरों में खोला गया है तथा इसके द्वारा नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं मुफ्त में दी जायेंगी। विदित हो कि अभी देश में 1.55 लाख डाकघर हैं इनमें 650 भुगतान बैंक इन डाकघरों की सहायता करेंगे।

India Post पेमेंट बैंक की मुख्य विशेषताएं

- इसके तहत एक लाख रुपये तक का बचत खाता, 25 हजार तक की जमा राशि पर 5 फीसदी ब्याज, चालू खाता और थर्ड पार्टी इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं मिलेंगी।
- इसके तहत पोस्ट मैन और ग्रामीण डाक सेवक शहरी और ग्रामीण इलाकों में डिजिटल पेमेंट सेवा पहुंचाएंगे।
- वर्ष 2015 में आरबीआई ने भारतीय पोस्ट को पेमेंट बैंक के रूप में काम करने की सैद्धांतिक मंजूरी दी थी।
- देश के पुराने बैंक एटीएम और अन्य इंटरनेट बैंकिंग सुविधाओं के लिए पैसे चार्ज करते है, लेकिन पोस्ट ऑफिस पेमेंट बैंक के कस्टमर को एटीएम लेने के लिए किसी तरह का कोई चार्ज नहीं देना होगा।
- इसी तरह मोबाइल अलर्ट के लिए भी बैंक कोई चार्ज नहीं लेगा।
- अभी ज्यादातर बैंक 25 रुपए से लेकर 50 रुपए तक एसएमएस अलर्ट के लिए चार्ज लेते हैं. इसी तरह क्वार्टरली बैलेंस मेंटेन करने के लिए भी कोई चार्ज नहीं देना पड़ेगा।
- इसके तहत तीन तरह के खाते बनाए जा सकेंगे – सफल, सुगम एवं सरल।

पृष्ठभूमि

- इस बैंक की परिकल्पना रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने की थी. इससे बैंकिंग सेक्टर में विविधता आएगी और अब तक बैंकिंग व्यवस्था से दूर रही जनता भी जुड़ेगी। कोई भी उपभोक्ता अपने पहचान पत्र विशेषकर आधार के जरिए इससे जुड़ सकता है। इसके जरिए देश के नागरिक बैंक खघता खुलवाने के झंझटों से बच सकते हैं और कैशलेस इकॉनमी की ओर बढ़ सकते हैं।

स्रोतः इकोनॉमिक टाइम्स

वैश्विक धन प्रेषण से संबंधित रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- 23 अप्रैल, 2018 को विश्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017 में वैश्विक स्तर पर धन प्रेषण के मामले में भारत शीर्ष पर है।

मुख्य तथ्य

- विश्व बैंक के अनुसार विदेश में रह रहे भारतीय समुदाय द्वारा वर्ष 2017 में कुल 69 अरब डॉलर भारत को प्रेषित (रेमिटेंस) किए गए।
- यह विगत वर्ष की तुलना में 9.9 प्रतिशत अधिक तथा वर्ष 2014 में प्राप्त 70.4 अरब डॉलर के रेमिटेंस से कम है।
- भारत को वर्ष 2015 में 68.91 अरब डॉलर मिला था, जो वर्ष 2016 में घटकर 62.74 अरब डॉलर पर आ गया था।
- भारत के बाद सबसे ज्यादा प्रेषित धन प्राप्त करने वाले देशों में चीन (64 अरब डॉलर), फिलीपींस (33 अरब डॉलर), मैक्सिको (31 अरब डॉलर), नाइजीरिया (22 अरब डॉलर), मिस्र (20 बिलियन डॉलर) है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- विश्व बैंक के अनुसार, आधिकारिक रूप से कम और मध्यम आय वाले देशों को वर्ष 2017 में 466 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला।
- यह वर्ष 2016 के 429 अरब डॉलर से 8.5 प्रतिशत अधिक है।
- वैश्विक स्तर पर रेमिटेंस वर्ष 2017 में 7 प्रतिशत बढ़कर 613 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो वर्ष 2016 में 573 अरब डॉलर रहा था।
- रिपोर्ट के अनुसार, कम और मध्यम आय वाले देशों के रेमिटेंस वर्ष 2018 में 4.1 प्रतिशत बढ़कर 485 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है।
- वहीं वैश्विक स्तर पर यह 4.6 प्रतिशत बढ़कर 642 अरब डॉलर पर पहुंच जाएंगा।

स्रोत: लाइव मिन्ट

दीन दयाल ग्राम ज्योति योजना: देश के हर गांव में पहुंची बिजली

चर्चा में क्यों?

- दीन दयाल ग्राम ज्योति योजना के तहत हर गांव के रौशन करने का लक्ष्य 28 अप्रैल 2018 को हासिल कर लिया गया। भारत अब पूर्णत: बिजली से रोशन देश बन गया है। मणिपुर के लीसांग गांव के घर बिजली बल्बों से रोशन होने के साथ ही भारत ने शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है।
- केंद्र सरकार के दावे के अनुसार देश का अब ऐसा कोई गांव नहीं है जहां पर बिजली न गई हो. इस योजना के कार्यान्वयन का काम रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कॉर्पोरेशन को सौंपा गया था. केंद्र सरकार का अगला लक्ष्य 31 मार्च 2019 तक हर घर को 24 घंटे बिजली देने का हैं।
- केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार देश के सभी पांच लाख 97 हजार 464 गांवों में अब बिजली पहुंच चुकी है. एनडीए सरकार की दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना जब शुरू की गई, तब देश के कुल 18,452 गांव बिजली से वंचित थे. इसके अलावा योजना के दौरान अलग से 1275 गांव भी ऐसे थे जहां बिजली नहीं थी. इन गांवों में 28 अप्रैल तक नेशनल ग्रिड या ऑफ ग्रिड से बिजली पहुंचा दी गई।

लीसांग आखिरी गांव:

- मणिपुर का लीसांग आखिरी गांव था जहां पर अभी तक बिजली नहीं पहुंची थी. 28 अप्रैल 2018 को इस गांव को नेशनल पावर ग्रिड से जोड़ा गया जिसके बाद अब इस गांव से अंधेरा मिट गया. यह सरदार हिल्स पर बसा हुआ एक छोटा सा गांव है. लीसांग में महज 19 घर हैं और यहां की आबादी मात्र 65 हैं, जिनमें 34 पुरुष और 31 महिलाएं हैं.

दुनिया में तीसरा सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन करने वाला देश:

- भारत दुनिया में तीसरा सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन करने वाला देश बन गया है। इस मामले में भारत ने रूस और जापान को भी पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016 में 1,423 बिलियन यूनिट उत्पादन के साथ भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और सबसे बड़ा कंज्यूमर बन गया है। इस मामले में चीन पहले और अमेरिका अभी दूसरे स्थान पर है।

सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) :

- सौभाग्य योजना के तहत तीन करोड़ ग्रामीण घरों में बिजली पहुंचाने का प्लान है। ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत 1.5 करोड़ घरों तक पहले ही बिजली पहुंचाई जा चुकी है।
- दरअसल, सरकार 24 घंटे सभी गांवों तक बिजली पहुंचाने के लिए तेजी से काम कर रही है।
- सरकार ने 2018-19 के बजट में 2750 करोड़ रुपए 'सौभाग्य' (सहज बिजली हर घर योजना- ग्रामीण) के लिए आवंटित किए हैं।
- सौभाग्य योजना के तहत उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तरी राज्य पर फोकस किया गया है। यह योजना 16,320 करोड़ रुपए की है।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना :

- दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) पूरे ग्रामीण भारत को निरंतर बिजली की आपूर्ति प्रदान करने के लिए बनाया गया है. यह योजना नवंबर 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस घोषणा के साथ शुरू की गयी थी।
- इस योजना के तहत कृषि और गैरखकृषि फीडर सुविधाओं को अलग खअलग किया जाएगा. इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में वितरण प्रणाली को मजबूत किया जाएगा जिसमें वितरण ट्रांसफार्मर, फीडर और उपभोक्ताकओं के लिए मीटर लगाना सम्मिलित होगा।
- यह योजना विद्युत मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है और बिजली की 24◦7 आपूर्ति की सुविधा को सुगम बनायेगी।
- दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्यो ति योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत वितरण की अवधि में सुधार का लक्ष्य है। इसके साथ ही उपभोक्तारओं को मीटर के अनुसार खपत पर आधारित बिजली बिल में सुधार और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की अधिक सुविधा दी जा सकेगी।

स्रोत : पीआईबी

फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों के लिए पोषण तत्व आधारित सब्सिडी दर निर्धारण को मंजूरी

चर्चा में क्यों?

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा वर्ष 2018-19 की अवधि में फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दर निर्धारित करने के उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

मुख्य तथ्य

- पोषक तत्व आधारित सब्सिडी हेतु प्रति किग्रा. प्रस्तावित सब्सिडी दर नाइट्रोजन (एन) हेतु 18.901 रुपये, फॉस्फोरस (पी) हेतु 15.216 रुपये, पोटाश (के) हेतु 11.124 रुपये और सल्फर (एस) हेतु 2.722 रुपये।
- इसके साथ ही इस समिति द्वारा उर्वरक विभाग के उन प्रस्तावों को भी पूर्व प्रभाव से मंजूरी प्रदान की गई, जिसके तहत विभाग द्वारा वर्ष 2012–13 से लेकर अब तक विभिन्न वर्षों में फरवरी और मार्च माह में कई जिलों में फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों की एक विशेष मात्रा पर आगामी वित्त वर्ष हेतु निर्धारित उस दर से सब्सिडी प्रदत्त की गई, जो उस वर्ष आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) द्वारा स्वीकृत दर से कम थी।
- आवश्यकतानुसार निर्धारित दरों के आधार पर सब्सिडी जारी करने हेतु आर्थिक मामलों की समिति द्वारा उर्वरक विभाग को अधिकृत किया गया है।
- दर का निर्धारण इस वित्त वर्ष या अगले वित्त वर्ष के हिसाब से फरवरी और मार्च माह में जिलों द्वारा फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों की विशेष श्रेणी या मात्रा पर प्राप्त की गई दरों में जो भी कम होगी के आधार पर किया जाएगा।
- फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों पर वर्ष 2018–19 में दी जाने वाली सब्सिडी पर अनुमानित व्यय 23007.16 करोड़ रुपये होगा।

स्रोत: पीआईबी

नीति आयोग ने अटल न्यू इंडिया चैलेंज लांच करने की घोषणा की

चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग के अटल नवोन्मेषण मिशन ने 26 अप्रैल 2018 को अटल न्यू इंडिया चैलेंज लांच करने की घोषणा की, जो प्रधानमंत्री के नवोन्मेषणों एवं प्रौद्योगिकियों को लोगों के लिए प्रासंगिक बनाने के आह्वान के बाद अस्तित्व में आया है।

मुख्य तथ्य

- सामर्थ्य, प्रयोजन एवं प्रौद्योगिकियों को उत्पाद के रूप में ढ़ालने की क्षमता प्रदर्शित करने वाले आवेदकों को एक करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा।
- इस अनुदान सहायता के अतिरिक्त परामर्श, हैंडहोल्डिंग, इंक्यूबेशन तथा वाणिज्यीकरण के विभिन्न चरणों में आवश्यक अन्य समर्थन भी प्रदान किए जाएंगे और इससे व्यापक परिनियोजन भी सृजित होगी।
- भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए अपनी विकास क्षमता को तेज किया है. सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, आवास एवं शहरी मामले, कृषि एवं किसान कल्याण, पीने का पानी एवं स्वच्छता मंत्रालयों तथा रेल बोर्ड के साथ साझेदारी करने के जरिए एआईएम भारत के नवोन्मेषकों की क्षमता का लाभ उठाने का प्रयास करेगा।

उद्देश्य:

- यह पहल प्रमुख क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान की दिशा में हमारे प्रयासों पर फोकस करेगी, जिसका हमारे नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा और इससे रोजगार का भी सृजन होगा।
- इन नवोन्मेषणों का उपयोग भारत के सभी नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा।
- यह कार्यक्रम स्थानीय रूप से भारत की प्रौद्योगिकीय चुनौतियों का समाधान करते हुए आम आदमी के जीवन में प्रौद्योगिकीय क्रांति लाएगा।
- अटल न्यू इंडिया चैलेंज, जो पांच मंत्रालय के सहयोग से संचालित किया जाएगा, के तहत एआईएम 17 चिह्नित फोकस क्षेत्रों, जिनके नाम हैं:

1. जलवायु स्मार्ट कृषि
2. सड़क एवं रेल के लिए फॉग विजन सिस्टम
3. उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने के द्वारा रेल की विफलता से बचाव
4. रोलिंग स्टॉक का पूर्वानुमानित रखरखाव
5. स्मार्ट गतिशीलता
6. वैकल्पिक ईंधन आधारित परिवहन
7. इलेक्ट्रिक गतिशीलता
8. त्वरित पोर्टेबल जल गुणवत्ता परीक्षण
9. सुरक्षित परिवहन
10. वहनीय विलवणीकरण / रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकी
11. कचरा संरचना उपकरण
12. अपशिष्ट प्रबंधन रीसाइक्लिंग / पुनर्उपयोग
13. खाद की गुणवत्ता
14. खाद के लिए ब्लेड्स का मिश्रण
15. विकेंद्रीकृत कंपोस्टिंग
16. सार्वजनिक स्थान पर गंदगी का निवारण
17. सार्वजनिक स्थानों में अपशिष्ट

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- चयन समिति की क्षमता की अवधारण के आधार पर किसी फोकस क्षेत्र में कई अनुदान दिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त अनुदान प्राप्त करने वालों को परामर्श अग्रणी इंक्यूबेटर्स, एक्सीलेरेटर्स, विशेषज्ञों द्वारा बाजार संबंधी कार्य नीतियों की सहायता, प्रौद्योगिकीय समर्थन एवं अन्य साधन भी प्रदान किए जाएंगे।
- यह प्रोग्राम वर्तमान में http @@aim-gov-in@atalnewindiachallenge-php पर आवेदन स्वीकार कर रहा है और आवेदनों की अंतिम तिथि 10 जून 2018 है।
- यह प्रोग्राम कंपनी अधिनियम 1956 और 2013 के तहत पंजीकृत भारतीय कंपनियों, मुख्य रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उपक्रम (एमएसएमई), जैसा कि एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 में वर्णित है के लिए खुला है।

स्रोत: पीआईबी, इकोनॉमिक टाइम्स

पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन को स्वीकृति

चर्चा में क्यों?

- 25 अप्रैल, 2018 को आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति (ब्ब्म।) ने पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन को स्वीकृति दी।

मुख्य तथ्य

- सीसीईए ने 14वें वित्त आयोग (वर्ष 2018 -19 तथा 2019-20) की शेष अवधि के दौरान सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन (छडै।) के अंतर्गत केंद्र प्रायोजित राष्ट्रीय बांस मिशन (NBM) को स्वीकृति दी।
- मिशन संपूर्ण मूल्य शृंखला बनाकर और उत्पादकों (किसानों) का उद्योग के साथ कारगर संपर्क, स्थापित करके बांस क्षेत्र का संपूर्ण विकास सुनिश्चित करेगा।
- 14वें वित्त आयोग की शेष अवधि के दौरान मिशन लागू करने के लिए 1290 करोड़ रुपये का (केंद्रीय हिस्से के रूप में 950 करोड़ के साथ) प्रावधान किया गया है।
- मिशन उन सीमित राज्यों में जहां बांस के सामाजिक, वाणिज्यिक और आर्थिक लाभ हैं, वहां बांस के विकास पर फोकस करेगा, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में और मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात और केरल जैसे राज्यों में।

राष्ट्रीय बांस मिशन

- बाँस एक बहुमुखीय समूहों वाला वृक्ष है, जो जनता को परिस्थितिकीय, आर्थिक तथा जीविका सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। बाँस के वृक्ष की व्यापक क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय बाँस मिशन की स्थापना की गई है। राष्ट्रीय बाँस मिशन केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना है जिसमें केन्द्र सरकार का 100 प्रतिशत योगदान है।

मिशन के उद्देश्य

राष्ट्रीय बाँस मिशन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

- क्षेत्र आधरित आंचलिक रूप से विशिष्ट विभेदीकृत रणनीति द्वारा बाँस क्षेत्र के विकास को प्रोत्साहित करना।
- क्षमतावान क्षेत्रों में बाँस के तहत आने वाले क्षेत्र में वृद्धि के साथ-साथ पैदावार बढ़ाने के लिए उचित किस्मों की वृद्धि करना।
- बाँस और बाँस आधारित हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देना।
- बाँस के विकास के लिए स्टेकहोल्डरों के बीच परिवर्तन और सहयोग कायम करना।
- पारम्परिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक जानकारी के प्रासंगिकता मिश्रण द्वारा विकास और प्रसार प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।
- कुशल तथा अकुशल जनता विशेष रूप से बेरोजगार युवकों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना।

स्रोत: पीआईबी

केरल में सामुदायिक रेडियो

चर्चा में क्यों?

- केरल सरकार शीघ्र ही संभावित (मई-जून माह में) नवीनतम विकास के विषय में किसानों को अपडेट करने हेतु 'सामुदायिक रेडियो' की शुरूआत करेगी।

मुख्य तथ्य

- यह भारत में सरकारी पहल के तहत कृषि समुदाय से जुड़ने वाला पहला सामुदायिक रेडियों होगा।
- राज्य के पहले कृषि रेडियो का प्रसारण अलापुजहा जिले के कुट्टानड (Kuttnad) से शुरू होने की संभावना है। जिसकी प्रसारण सीमा 20 वर्ग किमी. है।
- कुट्टानड को केरल का 'चावल का कटोरा' कहा जाता है।
- यह रेडियो मंच कृषि और कृषि संकट और सतर्कता के विभिन्न पहलुओं पर जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संबंधी मुद्दों, सुझाओं, सूचनाओं सहित कृषि के विभिन्न पहलुओं पर किसानों को जानकारी प्रदान करने हेतु एक मंच के रूप में कार्य करेगा।
- कुट्टानड में स्थापित सामुदायिक रेडियो की सफलता के मूल्यांकन के बाद केरल की वामपंथी सरकार की योजना 'विशेष कृषि जोन' के रूप में मान्यता प्राप्त स्थानों पर सामुदायिक रेडियो शुरू करने की है।
- राज्य के कृषि विभाग के कृषि सूचना ब्यूरो (Farm Information Bureau) के तहत सामुदायिक रेडियो को लांच किया जाएगा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

'बंदरगाह एवं तटीय बुनियादी ढांचे की क्षमता वृद्धि' विषय पर दूसरा प्रारंभिक सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

- 3-4 अप्रैल, 2018 को 'बंदरगाह एवं तटीय बुनियादी ढांचे की क्षमता वृद्धि' विषय पर दूसरा प्रारंभिक सम्मेलन (Lead UP Conference) विशाखापत्तनम आंध्र प्रदेश में संपनन हुआ।

मुख्य तथ्य

- इस दो दिवसीय प्रारंभिक सम्मेलन का आयोजन वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) सीआईआई और विकासशील देशों के लिए रिसर्च एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर सिस्टम (RIS) के सहयोग से किया गया।
- सम्मेलन में भागीदार संस्थानों शैक्षणिक जगत और सिविल सोसाइटी संगठनों के प्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया।
- इस दौरान विशेषकर सागरमाला परियोजना, बंदरगाह एवं तटीय बुनियादी ढांचा तथा नियामकीय मुद्दों, नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए तटीय क्षेत्रों में निवेश, शिपिंग तंत्र विकसित करना आदि मुद्दों पर चर्चा की गई।
- गौरतलब है कि भारत सरकार एशियन इन्फ्रास्टक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक की तीसरी वार्षिक बैठक की मेजबानी करेगी जो 25-26 जून, 2018 के मध्य मुंबई में आयोजित की जाएगी।
- यह प्रारंभिक सम्मेलन आगामी AIIB की तीसरी वार्षिक बैठक परिपक्व आयोजन हेतु किया गया।
- सम्मेलन में पैनल के सदस्यों ने यह राय व्यक्त की कि निजी निवेशकों, डोमेन विशेषज्ञों एवं नियामकीय निकायों सहित हितधारकों के साथ प्रभावकारी संवाद के जरिए वर्तमान नियामकीय व्यवस्थाओं पर फिर से गौर करने की जरूरत है।

स्रोत: पीआईबी

चर्चा में क्यों?

- 24 अप्रैल, 2018 को ई-कॉमर्स पर राष्ट्रीय नीति के लिए ढांचे पर थिंक टैंक की पहली बैठक नई दिल्ली में आयोजित हुई।

मुख्य तथ्य

- वाणिज्य और उद्योग तथा नागर विमानन मंत्री सुरेश प्रभु ने इस बैठक की अध्यक्षता की।
- थिंक टैंक की स्थापना हाल ही में वाणिज्य विभाग द्वारा की गई थी।
- ई-कॉमर्स पर राष्ट्रीय नीति के लिए ढांचे पर बने थिंक टैंक ने सामूहिक रूप से डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए भारत की चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया।

- इसके अलावा थिंक टैंक ने अन्य पहलुओं पर विचार किया।
- इनमें भौतिक और डिजिटल संरचना, नियमन व्यवस्था, कराधान नीति, डाटा प्रवाह, सर्वर स्थानीकरण बौद्धिक संपदा अधिकारी संरक्षण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, प्रौद्योगिकी प्रवाह, औद्योगिकी विकास आवश्यकता और व्यापार संबंधी पहलू शामिल हैं।
- थिंक टैंक ने एक और महत्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श किया।
- यह विषय हैं-विश्व व्यापार संगठन में ई-कॉमर्स विकास तथा अंतर्निहित मुद्दों पर उपयुक्त राष्ट्रीय स्थिति विकसित करना।
- इस पहली बैठक में लगभग 50 संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

स्रोतः पीआईबी

ई-ट्राइब्स इंडिया

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में जनजातीय मामलों के मंत्री जुआल ओराम ने नई दिल्ली में 'ई-ट्राइब्स इंडिया' नामक वेबसाइट लांच की।

मुख्य तथ्य

- भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड) की वेबसाइट ई-ट्राइब्स में www-tribesindia-com] www-trifed- पद तथा रिटेल इंवेंट्री सॉफ्टवेयर और एम-कॉमर्स ऐप शामिल है।
- इस अवसर पर अमेजन, स्नैपडील, पेटीएम तथा जीईएम पर 'ट्राइब्स इंडिया' का बैनर भी लांच किया गया।
- खुदरा व्यापार हेतु ट्राइफेड की पुस्तिका और ट्राइफेड की त्रैमासिक पत्रिका 'ट्राइब्स हाट' का भी विमोचन किया गया।
- ट्राइफेड ने अपने सभी उत्पादों की बिक्री करने तथा एम-कॉमर्स (मोबाइल कॉमर्स) क्षेत्र पर पकड़ हेतु अपनी ई-कॉमर्स (इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स) वेबसाइट जतपइमेपदकपं.बवउ विकसित किया गया है।
- ट्राइफेड के डिजिटल होने से जनजातीय वाणिज्य का विस्तार होगा और बड़े क्षेत्र तक जनजातीय उत्पाद उपलब्ध होंगे जिसका लाभ जनजातीय दस्तकार प्राप्त कर सकेंगे।
- जनजातीय उत्पादों का खुदरा व्यापार देश और विदेश तक फैलेगा।
- ट्राइफेड ने स्नैपडील और अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों से समझौता किया है, जो जनजातीय उत्पाद अपने ग्राहकों को पेश करेंगे।
- इसके अलावा फ्लिपकार्ट और पेटीएम पर भी जनजातीय भारतीय उत्पाद उपलब्ध होंगे।
- ट्राइफेड जनजातीय उत्पादों के विपणन के अनेक पहलुओं पर काम कर रहा है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- इन पहलुओं में मोबाइल एनड्रॉयड ऐप्लिकेशन से जनजातीय उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री, प्रदर्शनियों में भागीदारी, कौशल उन्नयन प्रशिक्षण, ट्राइफेड की गतिविधियों पर प्रचार सामग्री की तैयारी शामिल है।
- भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) जनजातीय मंत्रालय के अंतर्गत बहु-राज्य सहकारी सोसायटी है।
- यह संघ अपने 31 खुदरा दुकानों 'ट्राइब्स इंडिया' विभिन्न राज्यों के 37 इंपोरिया और 16 फ्रेंचाइजी दुकानों में जनजातीय उत्पादों को विपणन समर्थन देकर जनजातीय उत्पादों, कला और दस्तकारी के विपणन को प्रोत्साहन प्रदान कर रहा है।

स्रोतः बिजनेस स्टैंडर्ड

❑❑❑

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा ,एवं स्वास्थ्य

नौवहन उपग्रह आईआरएनएसएस-1 आई का सफल प्रक्षेपण

चर्चा में क्यों?

☛ 2 अप्रैल, 2018 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने ध्रुवीय प्रक्षेपणयान पीएसएलवी-सी 41 से नौवहन उपग्रह 'आईआरएनएसएस-1आई' (IRNSS&1I) का सफल प्रक्षेपण किया।

मुख्य तथ्य

➲ भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (Indian Regional Navigation Satellite System% IRNSS) के इस नवीनतम उपग्रह का सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा से सुबह 4 बजकर 4 मिनट पर प्रक्षेपण किया गया।

➲ यह पीएसएलवी का लगातार 41वां सफल मिशन था जबकि यह इसकी 43वीं उड़ान थी।

➲ 19 मिनट की उड़ान में पीएसएलवी-सी 41 ने 1,425 किग्रा. वजनी आईआरएनएसएस-1आई उपग्रह को उप भू-तुल्यकालिक अंतरण कक्षा (Sub Geosyn chronous Transfer Orbit) में स्थापित किया।

➲ उपग्रह को उसकी कक्षा में स्थापित करने के पश्चात यान उपग्रह से अलग हो गया और उपग्रह के सौर पैनल स्वचालित रूप से खुलकर कार्य करने लगे।

➲ इस उपग्रह को इसरो के मुख्य नियंत्रण सुविधा (MSF) हासन, कर्नाटक द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है।

➲ उल्लेखनीय है कि 'नाविक' (NavIC Navigation with Indian Constellation) जो भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली के रूप में जाना जाता है, एक स्वतंत्र क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्राणली है, जिसे भारतीय क्षेत्र और भारतीय मुख्य भूमि के आस-पास 1500 किमी. तक की जानकारी देने के लिए बनाया गया है।

➲ आईआरएनएसएस-1आई इसरो की 'नाविक' प्रणाली का हिस्सा होगी।

➲ इस उपग्रह के जरिए मैप तैयार करने, समय का सटीक पता लगाने, नौवहन की पूरी जानकारी, समुद्री नौवहन के अलावा सैन्य क्षेत्र में मदद मिलेगी।

➲ इस उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के साथ ही अब तक पीएसएलवी ने 52 भारतीय उपग्रह तथा विदेशी ग्राहकों के 237 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण किया।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

सैन्य अभ्यास हरिमऊ शक्ति-2018

चर्चा में क्यों?

- 30 अप्रैल से 13 मई, 2018 के मध्य भारत-मलेशिया रक्षा सहयोग के एक हिस्से के रूप में मलेशिया के हुलु लंगट स्थित सेंगई परडिक के घने जंगलो में एक संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास 'हरिमऊ शक्ति' 2018 का संचालन किया जाएगा।

इस अभ्यास का उद्देश्य

- इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के मध्य परस्पर सहयोग और समन्वय बढ़ाना तथा घने जंगलों में अराजकता निरोध कार्यवाही के संचालन में विशेषज्ञता को साझा करना है।
- भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व देश की सबसे पुरानी बटालियनों में से एक 4- ग्रेनेडियर्स कर रही है।
- जबकि मलेशियाई दल का प्रतिनिधित्व 1-रॉयल रेंजर रेजीमेंट तथा रॉयल मलय रेजीमेंट के सैनिक कर रहे हैं।
- ये दोनों रेजीमेंट जंगल युद्ध में विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं।
- पहली बार मलेशिया की भूमि पर भारत-मलेशिया सैनिकों का इतने बड़े पैमाने पर संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास का आयोजन होने जा रहा है।

स्रोत: पीआईबी

झारखंड में रोटा वायरस वैक्सीन का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- 7 अप्रैल, 2018 को झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के रोटा अवसर पर राज्य में रोटावायरस वैक्सीन का शुभारंभ किया।

मुख्य तथ्य

- झारखंड सरकार के टीकारण अभियान में पहली बार रोटा वायरस वैक्सीन को शामिल किया गया है।
- साथ ही सेरम इंस्टीट्यूट पुणे में स्वदेशी तकनीक से निर्मित रोटावायरस वैक्सीन की लांचिंग करने वाला झारखंड पहला राज्य बन गया है।
- केंद्र सरकार की सहायता से अपने टीकाकरण अभियान में रोटावायरस वैक्सीन को शामिल करने वाला झारखंड देश का 10वां राज्य है।
- रोटावायरस वैक्सीन 0-5 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों को डायरिया/दस्त से बचाव हेतु दिया जाता है।

- राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2020 तक डायरिया को नियंत्रित करके इससे होने वाली मृत्यु को प्रति हजार 25 बच्चों तक किया जाना लक्षित है।
- यह वैक्सीन राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों, टीकाकरण केंद्रों में और आंगन बाड़ी केंद्रों पर निःशुल्क प्रदान की जाएगी।
- शिशुओं को रोटावायरस की पहली खुराक डेढ़ महीने, दूसरी खुराक ढाई महीने और तीसरी खुराक साढ़े तीन माह के होने पर (25-25 एम.एल. की खुराक तीन बार) दी जाएगी।
- रोटावायरस एक वायरस जनित रोग है, जो छोटी आंत की परत बनाने वाली कोशिकाओं को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचाता है।
- इससे छोटे बच्चे सर्वाधिक प्रभावित होते हैं।

स्रोतः बिजनेस स्टैंडर्ड

नासा का आवाजरहित भावी सुपरसोनिक विमान

चर्चा में क्यों?

- अप्रैल, 2018 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने आवाजरहित भावी सुपरसोनिक यात्री विमान बनाने हेतु समझौता किया।

मुख्य तथ्य

- पहली बार नासा एक ऐसा प्रायोगिक सुपरसोनिक विमान बनाने वाला है जो अपनी श्रेणी के अन्य विमानों की तरह शोर नहीं करेगा।
- नासा ने इस विमान को 'एक्स प्लेन' नाम दिया है।
- नासा ने अपने इस महत्वाकांक्षी परियोजना हेतु अमेरिकी कंपनी 'लॉकहीड मार्टिन' एयरोनॉटिक्स' से 24.75 करोड़ डॉलर में अनुबंध किया है।
- कंपनी इस 'एक्स-प्लेन' का निर्माण कर नासा को 2021 तक सौंपेगी।
- प्रस्तावित विमान 94 फुट लंबा, 29.5 फुट विंगस्पैन और ईंधन के साथ 32,300 पौंड वजनी होगा।
- यह 55000 फुट की ऊंचाई पर उड़ान भरेगा और इसके कॉकपिट में सिर्फ एक पायलट होगा।
- सामान्य तौर पर इसकी गति 1512 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी जिसे अधिकतम 1,593 किलोमीटर प्रतिघंटा तक बढ़ाया जा सकेगा।

स्रोतः द हिंदू

प्रोजेक्ट धूप: बच्चों में Vitamin & D की कमी पूरी करने हेतु FSSAI की पहल

चर्चा में क्यों?

- भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एनसीईआरटी, एनडीएमसी, उत्तरी एमसीडी और क्वालिटी लि. के साथ मिलकर स्कूलों में 'प्रोजेक्ट धूप' की शुरुआत की है. इसके तहत स्कूलों में सुबह की असेम्बली को 11:00 बजे से 1:00 बजे करने का आग्रह करते हुए प्रोजेक्ट धूप की शुरुआत की गई है।

प्रोजेक्ट धूप क्यों?

- एफएसएसएआई द्वारा कराये गये अध्ययन में पता चला है कि भारत के 90 प्रतिशत स्कूली बच्चों में विटामिन डी की कमी है तथा उनकी हड्डियाँ सामान्य की अपेक्षा कमजोर हैं। दिल्ली के 90 से 97 प्रतिशत स्कूली बच्चों (6-17 वर्ष आयु वर्ग के) में विटामिन डी की कमी पाई गई है। भारत में अधिकतर बच्चे विटामिन डी की कमी से पीड़ित हैं, इसके बावजूद अभिभावक इसके गंभीर परिणामों से अवगत नहीं हैं।

प्रोजेक्ट धूप क्या है?

- एफएसएसएआई ने बच्चों में विटामिन डी की समस्या को देखते हुए दिल्ली के 25 स्कूलों में प्रोजेक्ट धूप की शुरूआत की है। इसके तहत स्कूलों में सुबह की असेंबली का समय बदलकर, सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे के बीच करने की सलाह दी गई है. ऐसा करने से बच्चे धूप के संपर्क में आएंगे और जिससे विटामिन डी की कमी को दूर किया जा सकता है।
- इसके अतिरिक्त एफएसएसएआई ने बच्चों की स्कूल ड्रेस को नए तरीके से डिजाईन करने की सलाह दी है ताकि स्कूल ड्रेस को ऐसा बनाया जाए जिससे बच्चों के हाथ- पैर और चेहरे पर धूप लग सके. शरीर को पूरी तरह से ढकने पर सूर्य की किरणें त्वचा के संपर्क में नहीं आ पातीं और इससे विटामिन डी का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है।
- विटामिन डी की कमी एवं पूर्ति के उपाय
- विटामिन डी की कमी से मांसपेशियों और हड्डियों में दर्द रहना, दिन में भी नींद आना, हमेशा थकान रहना, वजन बढ़ना, कमर दर्द होना तथा कई अन्य रोग घेर सकते हैं। विटामिन डी मुख्य रूप से सूर्य के प्रकाश के संपर्क में प्राप्त होता है, जिसके बिना कमी की संभावना होती है। कोलेस्ट्रॉलिन पर सूर्य का प्रकाश यकृत और गुर्दे में अतिरिक्त रूपांतरणों के माध्यम से कोलेस्ट्रॉल को विटामिन डी में बदल देती है। सूर्य की रोशनी के अतिरिक्त अंडा, मशरूम, मछली, कॉड लीवर आदि से भी विटामिन डी प्राप्त होता है।

स्रोत: पीआईबी

अदिलाबाद डोकरा और वारंगल की दरियों को जीआई टैग हासिल हुआ

चर्चा में क्यों?

- तेलंगाना स्थित अदिलाबाद की डोकरा क्राफ्ट तथा वारंगल की दरियों को हाल ही में जीआई रजिस्ट्री, चेन्नई द्वारा भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ।
- अदिलाबाद डोकरा धातु की काश्तकारी है जिससे अक्सर विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां तैयार की जाती हैं। वारंगल की दरियां इस क्षेत्र के बुनकरों की विशेष पहचान है। जीआई टैग प्राप्त होने के बाद इस क्षेत्र में कार्यरत कलाकार अपनी कृतियों के लिए उचित दाम भी प्राप्त कर सकेंगे।

अदिलाबाद डोकरा क्राफ्ट के बारे में

- डोकरा कलाकार वोज समुदाय से आते हैं जिन्हें तेलंगाना में वोजरी अथवा ओटरी के नाम से भी जाना जाता है।
- अदिलाबाद डोकरा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी प्रत्येक कलाकृति दूसरे से भिन्न होती है।
- इसकी एक कलाकृति की हूबहू कॉपी बनाना लगभग असंभव है क्योंकि इसमें धातु पर बेहद बारीकी से काम किया गया होता है।
- कलाकार कांसे की वस्तुओं को पुरातन तरीके से ढाल कर उसे मोम के ढांचे में डालकर तैयार करते हैं जिससे इस कला को और भी अधिक बारीकी हासिल होती है।
- अदिलाबाद डोकरा की कलाकृतियों में अधिकतर स्थानीय देवताओं, घंटियों, नृत्य करते हुए, आभूषण, छोटी मूर्तियां तथा अन्य साजो-सामान की वस्तुएं शामिल होती हैं।
- इन कलाकृतियों की विदेशों में काफी मांग है. अदिलाबाद जिले के पांच गावों के में 100 से अधिक परिवार इस काम में आज भी जुटे हैं।

वारंगल की दरियां

- वारंगल भारत में दरियों की बुनाई के लिए एक विशेष केंद्र के रूप में जाना जाता है।
- वारंगल की दरियों को इसकी महीन बुनाई के कारण विश्व में विशेष पहचान हासिल है।
- इस क्षेत्र में सूत की उपज अधिक है इसलिए यहां की दरियां खासकर सूत से बनाई जाती हैं।
- इस क्षेत्र में लगभग 2000 बुनकर समुदाय हैं जो दरियों की बुनाई का काम करते हैं।
- यहां बुनी गई दरियां इंग्लैंड, जर्मनी तथा यूरोप व् अफ्रीका के विभिन्न देशों में निर्यात होती हैं।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

जीआई टैग क्या है?

- भौगोलिक संकेत को बौद्धिक संपदा अधिकारों और बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं के अंतर्गत शामिल किया जाता है।
- भौगोलिक संकेत प्राप्त उत्पाद मुख्यत: एक ऐसा कृषि, प्राकृतिक अथवा विनिर्मित उत्पाद (हस्तशिल्प और औद्योगिक वस्तुएँ) होता है, जिसे एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में ही उगाया या बनाया जाता है।
- जीआई टैग प्रदान करना किसी विशिष्ट उत्पाद के उत्पादक को संरक्षण प्रदान करता है जो कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उनले मूल्यों को निर्धारित करने में सहायता करता है।
- यह संकेत प्राप्त होने पर उत्पाद की गुणवत्ता और विशिष्टता सुनिश्चित होती है।
- भौगोलिक संकेत का टैग किसी उत्पाद की उत्पत्ति अथवा किसी विशेष क्षेत्र से उसकी उत्पत्ति को दर्शाता है क्योंकि उत्पाद की विशेषता और उसके अन्य गुण उसके उत्पति स्थान के कारण ही होते हैं।
- यह दर्शाता है कि वह उत्पाद एक विशिष्ट क्षेत्र से आता है. यह टैग किसानों और विनिर्माताओं को अच्छे बाजार मूल्य प्राप्त करने में सहायता करता है।
- जीआई टैग प्राप्त कुछ उत्पाद हैं- कांचीपुरम सिल्क साड़ी, अल्फांसो मैंगो, नागपुर ऑरेंज, कोल्हापुरी चप्पल, बीकानेरी भुजिया, इत्यादि।

भारत में जीआई टैग की स्थिति

- जीआई टैग को औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण के लिये पेरिस कन्वेंशन के तहत बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के एक घटक के रूप में शामिल किया गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जीआई का विनियमन विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं पर समझौते के तहत किया जाता है।
- वहीं राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्य 'वस्तुओं का भौगोलिक सूचक' (पंजीकरण और सरंक्षण) अधिनियम, 1999 के तहत किया जाता है, जो सितंबर 2003 से लागू हुआ था।
- वर्ष 2004 में 'दार्जिलिंग टी' जीआई टैग प्राप्त करने वाला पहला भारतीय उत्पाद है।

स्रोत: द हिंदू

आरएच-300 ध्वनि रॉकेट का सफल प्रक्षेपण किया गया

चर्चा में क्यों?

☛ मौसम की सटीक जानकारी हासिल करने के लिए भारत ने 06 अप्रैल 2018 को एक महत्वपूर्ण रॉकेट लॉन्च किया। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र द्वारा विकसित आरएच-300 ध्वनि रॉकेट को केरल के थुम्बा इक्वाटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन से प्रक्षेपित किया गया।

रॉकेट इक्वेटोरियल लॉन्चिंग स्टेशन (टीइआरएलएस) से इसे अंतरिक्ष में भेजा गया है. इससे मौसम की सटीक जानकारी मिल सकेगी तथा वायुमंडल की निचली सतह पर होने वाली उथल पुथल का सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा. सेंटर ने इस तरह का अध्ययन पहले से शुरू कर रखा है. इसके तहत आरएच 300 एमके 2 रॉकेट के जरिये आंकड़े जुटाए जा रहे हैं।

उद्देश्य

➲ मध्य वायुमंडलीय मौसमी पवन दोलन और भारतीय गर्मियों में मानसून के साथ इसका संबंध जांचना।

➲ लंबी अवधि, मध्यम अवधि और लघु अवधि के भूमध्य रेखा तरंग मोड की विशेषताएं और प्रसार को मापना।

➲ लंबी अवधि के तरंगों के प्रभाव का औसत प्रवाह, गुरुत्वाकर्षण तरंग-ज्वार-ग्रहों गहरे उष्णकटिबंधीय संवहन के संबंध में और क्षोभमंडलीय कम दबाव प्रणाली के चरणों के दौरान मध्य वायुमंडलीय विभिन्नता का अध्ययन करना।

➲ यह आरएच 300 ध्वनि रॉकेट का 21वां प्रक्षेपण है। वर्ष 1960 में वातावरण संबंधी अध्ययन करने के लिए विदेशी रॉकेट की सहायता ली गई थी। पहली बार स्वदेशी रॉकेट का इस्तेमाल 2 मई 1965 में किया गया. वर्तमान में स्वदेशी रॉकेट एवं पेलोड लॉन्च किया जा रहा है।

स्रोतः द हिंदू

मिसाइल 'सरमत'

चर्चा में क्यों?

☛ 30 मार्च, 2018 को रूस ने नवीनतम इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) आरएस-28 सरमत (Rs-28 Sarmat) का दूसरी बार सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

मुख्य तथ्य

➲ यह परीक्षण पूर्वोत्तर प्लेसेतस्क प्रक्षेपण स्थल से किया गया।

➲ इसका पहला परीक्षण दिसंबर, 2017 में हुआ था।

➲ यह मिसाइल मेकेयेव रॉकेट डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन की गई है।

➲ यह सोवियत युग में डिजाइन किए गए वायोवेडा की जगह लेगी जिसे पश्चिमी देशों में 'ै-18 सतान' कहा जाता है।

➲ इसका वजन 200 मीट्रिक टन है।

➲ ज्ञातव्य है कि वायोवेडा विश्व की सबसे वजनी इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है।

स्रोतः द हिंदू

स्वास्थ्य कल्याण केंद्र

चर्चा में क्यों?

☞ 14 अप्रैल, 2018 को प्रधामनंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के ग्राम जांगला (जिला–बीजापुर) में 'आयुष्मान भारत योजना' के प्रथम चरण में स्वास्थ्य कल्याण केंद्र (Health Wellness Centre) का शुभारंभ किया तथा इस केंद्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी किया।

मुख्य तथ्य

- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने इस केंद्र का नामकरण सामान्य भाषा में करने हेतु सुझाव भी मांगे।
- इसके अलावा प्रधानमंत्री ने भानुप्रतापपुर से गुदुम तक 17 किमी. नई रेललाइन का और गुदुम में निर्मित रेलवे स्टेशन का लोकार्पण इस स्थल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर किया।
- यह नई रेल सेवा दल्ली राजहरा रावघाट जगदलपुर (255 किमी.) की रेल परियोजना का एक हिस्सा है।
- प्रधानमंत्री ने बस्तर इंटर नेट परियोजना के प्रथम चरण का भी लोकार्पण किया।
- आयुष्मान भारत योजना के प्रथम चरण में देश के लगभग डेढ़ लाख गांवों में प्राथमिक एवं उपस्वास्थ्य केंद्रों को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।
- इन केंद्रों में मधुमेह, रक्तचाप और कैंसर जैसी बीमारियों के परीक्षण की सुविधा उपलब्ध होगी।

स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स

❑ फास्ट ट्रैकिंग मानवरहित एरियल वेहिकल (UAV) प्रौद्योगिकी के लिए टास्क फोर्स का गठन

चर्चा में क्यों?

☞ 12 अप्रैल, 2018 को केंद्र सरकार ने फास्ट ट्रैकिंग मानवरहित एरियन वेहिकल (न्ाट) प्रौद्योगिकी के लिए एक 13 सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया।

मुख्य तथ्य

- इसकी अध्यक्षता केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिन्हा करेंगे।
- टास्क फोर्स केंद्रीय और राज्य सरकारों, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के लिए कार्यान्वयन योग्य सिफारिशों के साथ एक रोडमैप का विकास करेगी।
- यह टास्क फोर्स अनुसंधान संस्थानों के लिए कार्यान्वयन योग्य सिफारिशों के साथ एक रोडमैप का विकास करेगी।

- यह टास्क फोर्स अनुसंधान और विकास, अभिग्रहण और व्यवसायीकरण, विशेष क्षेत्रों में प्रयोग स्वीकृति, मेक इन इंडिया के विनियामक ढांचे और प्राथमिकता पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।
- टास्क फोर्स के अन्य सदस्यों में सचिव, नागरिक उड्डयन मंत्रालय राजीव नयन चौबे, सचिव, गृह मंत्रालय राजीव गौबा, केंद्रीय रक्षा सचिव संजय मित्रा, औद्योगिकी नीति एवं संवर्धन विभाग के सचिव रमेश अभिषेक, इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टॉफ के चीफ ले.ज. सतीश दुआ, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक ए.पी. माहेश्वरी, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के महानिदेशक बी.एस. भुल्लर, डीआरडीओ के प्रमुख डॉ. एस. क्रिस्टोफर, सीएसआईआर (CSIR) के महानिदेशक डॉ. गिरीश साहनी, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के अध्यक्ष डॉ. गुरूप्रसाद मोहापात्रा, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी कानपुर के अध्यक्ष ए.के. घोष और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव सत्येंद्र कुमार मिश्रा (सदस्य सचिव) शामिल हैं।
- इसके अलावा, 20 उद्योग विशेषज्ञों को आवश्यकतानुसार टास्क फोर्स के विशेष आमंत्रितगण के रूप में चुना गया।

स्रोतः पीआईबी

'याओगन-31' उपग्रह का प्रक्षेपण

चर्चा में क्यों?

- 10 अप्रैल, 2018 को चीन द्वारा 'याओगन-31' सुदूर संवेदी उपग्रहों के पहले समूह का सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपण किया गया।

मुख्य तथ्य

- इसका उपयोग विद्युत चुंबकीय पर्यावरण सर्वेक्षणों और अन्य संबंधित प्रौद्योगिकी परीक्षणों के लिए किया जाएगा।
- इस उपग्रह का प्रक्षेपण 'लांग मार्च-4 सी' रॉकेट द्वारा किया गया।
- ज्ञातव्य है कि चीन ने 'याओगन' श्रृंखला के पहले उपग्रह 'याओगन-1' का प्रक्षेपण वर्ष 2006 में किया था।
- इसका प्रक्षेपण उत्तरी-पश्चिमी चीन में स्थित जियुकुआन अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र से किया गया।
- यह लांग मार्च रॉकेट परिवार का 271वां मिशन था।
- इस मिशन के तहत कक्षा में सूक्ष्म नैनो प्रौद्योगिकी एक्सपेरीमेंट (प्रयोग) उपग्रह भी भेजा गया।

स्रोतः द हिंदू

विश्व स्वास्थ्य दिवस

चर्चा में क्यों?

☛ 7 अप्रैल, 2018 को संपूर्ण विश्व में 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' (World Health Day) मनाया गया।

मुख्य तथ्य

➲ विश्व स्वास्थ्य संगठन (W-H-O-) की 70वीं वर्षगांठ पर वर्ष 2018 में इस दिवस का मुख्य विषय (Theme) ''सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली: हर व्यक्ति और हर जगह'' (Universal Health Coverage Everyone] everywhere) है।

➲ इस दिवस का नारा (Slogan) है-'सभी के लिए स्वास्थ्य' (Health for All)।

➲ सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का अर्थ है कि सभी लोगों और समुदायों को वित्तीय कठिनाइयों एवं भेदभाव के बिना तथा किसी को भी पीछे न छोड़ते हुए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।

➲ इसमें आवश्यक, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का मिश्रण है जिसमें स्वास्थ्य प्रोत्साहन से लेकर रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और उपशामक देखभाल शामिल हैं।

➲ विश्व की कम से कम आधी आबादी को अभी भी सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच प्राप्त नहीं है।

➲ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में भुगतान करने के कारण लगभग 100 मिलियन से अधिक लोग 'अत्यधिक गरीबी' रेखा के नीचे चले जाते हैं।

➲ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के लिए 800 मिलियन से अधिक लोग (विश्व की लगभग 12 प्रतिशत जनसंख्या) अपने घर के बजट का कम से कम 10 प्रतिशत का भुगतान करते हैं।

➲ ज्ञातव्य है कि 7 अप्रैल, 1948 को डब्ल्यूएचओ की स्थापना हुई थी जिसके उपलक्ष्य में यह दिवस मनाया जाता है।

स्रोत: द हिंदू

विश्व स्वलीनता (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस

☛ 2 अप्रैल, 2018 को संपूर्ण विश्व में 'विश्व स्वलीनता (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस' (World Autism Awareness Day) मनाया गया।

मुख्य तथ्य

➲ वर्ष 2018 में इस दिवस का मुख्य विषय (Theme)- 'ऑटिज्म से पीड़ित महिलाओं एवं लड़कियों का सशक्तिकरण' (Empowering Women and Girls with Autism) है।

➲ इस दिवस का उद्देश्य स्वलीनता से ग्रस्त बच्चों तथा बड़ों के जीवन में सुधार हेतु कदम उठाना और उन्हें सार्थक जीवन व्यतीत करने में मदद करना है।

ऑटिज्म क्या है-

- यह एक गंभीर विकासात्मक विकार है जो संवाद और बातचीत करने की क्षमता को बाधित करता है।
- यह तंत्रिका तंत्र पर प्रभाव डालता है और व्यक्ति के समग्र संज्ञानात्मक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।
- ज्ञातव्य है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 18 दिसंबर, 2007 को प्रतिवर्ष 2 अप्रैल को इस दिवस को मनाने की घोषणा की गई थी।

विश्व टीकाकरण सप्ताह

चर्चा में क्यों?

- 24 से 30 अप्रैल, 2018 के मध्य संपूर्ण विश्व में 'विश्व टीकाकरण सप्ताह' (World Immunization Week) मनाया गया।

मुख्य तथ्य

- इस वर्ष इस सप्ताह का मुख्य विषय (Theme) –''टीकाकरण से सबको सुरक्षित करें'' (Protected Together, रु VaccinesWork) था।
- यह सप्ताह टीका निवारणीय रोगों के खिलाफ समय पर टीकाकरण करवाने के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए मनाया जाता है।
- डब्ल्यूएचओ के अनुसार, टीकाकरण रोगों को नियंत्रित करने का प्रमाणित उपाय है।
- टीकाकरण एक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति को प्रतिरक्षित किया जाता है या आमतौर पर टीकाकरण द्वारा संक्रामक रोगों हेतु प्रतिरोधक क्षमता का विकास किया जाता है।
- टीकाकरण बच्चे को जानलेवा रोगों से बचाने में मदद करता है।
- यह दूसरे व्यक्तियों में रोग के प्रसार को कम करने में मदद करता है।
- उल्लेखनीय है कि विश्व टीकाकरण दिवस प्रतिवर्ष 10 नवंबर को मनाया जाता है।
- भारत सरकार ने सभी बच्चों के लिए पूर्ण टीकाकरण कवरेज प्राप्त करने के उद्देश्य से 25 दिसंबर, 2014 को मिशन इन्द्रध नुष का शुभारंभ किया था।
- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 2 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों और गर्भवती महिलाओं को समस्त उपलब्ध टीकों द्वारा पूर्ण टीकाकरण कराना सुनिश्चित करना है।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

विश्व मलेरिया दिवस

चर्चा में क्यों?

- 25 अप्रैल, 2018 को संपूर्ण विश्व में 'विश्व मलेरिया दिवस' (World Malaria Day) मनाया गया।
- वर्ष 2018 में इस दिवस का मुख्य विषय (Theme)- ''मलेरिया समाप्त करने के लिए तैयार'' (Ready to Beat Malaria) है।

मुख्य तथ्य

- नवंबर, 2017 में जारी की गई नवीनतम विश्व मलेरिया रिपोर्ट, 2017 के अनुसार, वर्ष 2016 में मलेरिया के 216 मिलियन मामले थे।
- जो वर्ष 2015 के 211 मिलियन मामले से ज्यादा हैं।
- वर्ष 2016 में मलेरिया से हुई मौतों की संख्या 4,45,000 थी।
- रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016 में संपूर्ण विश्व के कुल मामलों के 90 प्रतिशत और कुल मौतों की 91 प्रतिशत संख्या अफ्रीकी क्षेत्र में ही थी।
- वर्ष 2016 में 91 देशों और क्षेत्रों में मलेरिया संचरण चल रहा था।
- ज्ञातव्य है कि मलेरिया का संक्रमण मादा एनोफिलीज मच्छर से फैलता है जो प्लाज्मोडियम नामक पैरासाइट को एक शरीर से दूसरे शरीर तक ले जाता है।
- मलेरिया उन्मूलन हेतु राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017-2022) तैयार की गई है।
- भारत का लक्ष्य 2030 तक मलेरिया को समाप्त करना है।

स्रोतः द हिंदू

पाकिस्तान द्वारा अन्तरिक्ष कार्यक्रम आरंभ किये जाने की घोषणा

चर्चा में क्यों?

- पाकिस्तान अगले वित्तीय वर्ष (2018-19) में अपना अंतरिक्ष कार्यक्रम आरंभ करने की तैयारी में है। पाकिस्तान सरकार द्वारा इस कार्यक्रम पर 470 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। इसका उद्देश्य उपग्रह कार्यक्रमों के लिए विदेशी सहायता पर निर्भरता समाप्त करना है।

मुख्य तथ्य

- पाकिस्तान के डॉन न्यूज ग्रुप द्वारा प्रकाशित जानकारी के अनुसार पाकिस्तान की स्पेस एजेंसी 'स्पेस एंड अपर एट्मॉस्फियर रिसर्च ऑर्गनाइजेशन' (Suparco) ने अगले वित्त वर्ष (2018-19) के लिए 470 करोड़ रूपए का बजट निर्धारित किया है।
- इनमें से 255 करोड़ रुपए तीन नए प्रोजेक्ट्स के लिए दिए गए हैं. विदित हो कि सुपार्को 2005 से ही स्पेस टेक्नोलॉजी की जानकारी बढ़ाने और इसके शांतिपूर्ण इस्तेमाल के लिए छात्रों और जनता के बीच काम कर रहा है।
- पाकिस्तान अंतरिक्ष कार्यक्रम के बारे में

- डॉन द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि मल्टी मिशन सैटेलाइट (चैंज-MM1) बनाने के लिए 135 करोड़ रूपए आवंटित किये जायेंगे।
- कराची, लाहौर और इस्लामाबाद में स्पेस सेंटर शुरू करने के लिए 100 करोड़ रूपए आवंटित किए गए हैं।
- तीसरा प्रोजेक्ट कराची में स्पेस एप्लिकेशन रिसर्च सेंटर बनाने का है। इसमें 200 करोड़ रूपए खर्च किए जाएंगे।
- रिपोर्ट में दोनों प्रोजेक्ट के कुल खर्च का भी जिक्र किया गया है. इसमें कहा गया है कि सैटेलाइट बनाने में जहां 2757 करोड़ रूपए, वहीं स्पेस सेंटर बनाने में कुल 2691 करोड़ रूपए का खर्च आएगा।
- जीपीएस, मोबाइल टेलिफोनी और इंटरनेट समेत सिविल कम्युनिकेशन सेक्टर की बढ़ती मांग की वजह से आधुनिक स्पेस प्रोग्राम तैयार किया गया है।
- पाक विश्लेषकों द्वारा मीडिया को दी गयी जानकारी में कहा है कि एडवांस स्पेस प्रोग्राम अब समय की जरूरत हैं। ये सिर्फ दूरसंचार, जीपीएस, और मोबाइल-टेलिफोन के लिए नहीं, बल्कि क्षेत्र में लगातार बदलते हालातों के लिहाज से भी जरूरी हैं।

स्रोतः द हिंदू

विश्व हीमोफीलिया दिवस

चर्चा में क्यों?

- 17 अप्रैल, 2018 को संपूर्ण विश्व में 'विश्व हीमोफीलिया दिवस' (World Hemophilia Day) मनाया गया।
- वर्ष 2018 में इस दिवस का मुख्य विषय (Theme)-'ज्ञान का आदान-प्रदान हमें मजबूत बनाता है।' (Sharing Knowledge Makes us Stronger)।

मुख्य तथ्य

- उल्लेखनीय है कि यह दिवस हीमोफीलिया तथा अन्य आनुवांशिक खून बहने वाले विकारों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष मनाया जाता है।
- हीमोफीलिया खून के थक्के बनने की क्षमता को प्रभावित करने वाला एक आनुवांशिक रोग है।
- हीमोफीलिया से पीड़ित व्यक्ति को अन्य सामान्य व्यक्तियों की तुलना में चोट लगने पर अधिक खून बहता है।
- इस बीमारी से महिलाओं की तुलना में पुरुषों के प्रभावित होने की संभावना अधिक होती है।
- यह रोग 'हीमोफीलिया ए' तथा 'हीमोफीलिया बी' दो प्रकार का होता है।

स्रोतः टाइम्स ऑफ इंडिया

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

टीबी रोगियों के लिए विशेष लाभ की घोषणा

चर्चा में क्यों?

☛ 7 अप्रैल, 2018 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2025 तक ट्यूबर कुलोसिस (टीबी) को समाप्त करने की प्रतिबद्धता के साथ टीबी रोगियों के लिए विशेष लाभ देने की घोषणा की गई।

मुख्य तथ्य

➲ राज्य को टीबी मुक्त बनाने हेतु हरियाणा सरकार प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से एक अप्रैल, 2018 से प्रत्येक अधिसूचित टीबी रोगी के उपचार के दौरान 500 रुपये प्रति माह का पोषण समर्थन प्रदान करेगी।

➲ टीबी रोगी के प्रबंधन हेतु निजी प्रदाताओं की डीबीटी के माध्यम से इलाज के लिए एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी मुहैया कराएगी।

➲ इसके अलावा राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में टीबी रोगियों को नि:शुल्क सेवाएं मुहैया कराई जाएगी, जिसमें थूक की जांच और एक्स-रे की सुविधा भी शामिल है।

➲ इस अवसर पर एक संयुक्त पहल के तहत 'टीबी हारेगा-देश जीतेगा' के स्लोगन के साथ टीबी खत्म करने के लिए हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने लोगों से टीबी मुक्त संसार बनाने हेतु आगे आने की अपील की।

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

❑ भारत ने विश्व बैंक के साथ नेशनल बायोफार्मा मिशन हेतु कानूनी समझौते पर हस्ताक्षर किया

चर्चा में क्यों?

☛ केंद्र सरकार ने हाल ही में नेशनल बायोफार्मा मिशन के तहत बायोफर्मास्यूटिकल्स के शुरुआती विकास की दिशा में अनुसंधान को तेज करने के लिए वित्तपोषण व्यवस्था के लिए विश्व बैंक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए है।

नेशनल बायोफार्मा मिशन को पांच साल की अवधि के लिए 250 मिलियन अमरीकी डॉलर की लागत से मंजूरी दे दी गई है।

उद्देश्य:

➲ इसका मुख्य उद्देश्य भारत को नवीन, किफायती और प्रभावी बायोफर्मास्यूटिकल उत्पादों के डिजाइन और विकास का एक केंद्र बनाना है।

➲ अकादमिक शोधकर्ताओं की क्षमता को मजबूत करना, उत्पाद विकास के प्रारंभिक चरणों के दौरान लागत और जोखिम को कम करके जैव उद्यमियों और एसएमई को सशक्त बनाना तथा उद्योग के नवाचार को बढावा देना इसका उद्देश्य है।

➲ इसके वित्त पोषण में विश्व बैंक 50 प्रतिशत ऋण प्रदान करेगा. इस कानूनी समझौते का निष्पादन बीआईआरएसी, आर्थिक मामलों के विभाग और पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक (वर्ल्ड बैंक की एक शाखा) की ओर से किया गया।

➲ जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के अंतर्गत आने वाले जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा नेशनल बायोफार्मा मिशन लागू किया जा रहा है।

पृष्ठभूमि:

☛ भारत फार्मास्यूटिकल उद्योग में काफी सक्रिय रहा है और जीवन रक्षक दवाओं के निर्माण और जरूरतमंदों के लिये कम कीमत वाले फार्मास्यू टिकल उत्पाजदों में भारत का वैश्विक स्तनर पर अहम योगदान रहा है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि भारतीय बायोफार्मास्यूटिकल्स उद्योग में इससे बड़ा बदलाव आएगा। इससे उद्यमिता और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिये आवश्यक परितंत्र का भी निर्माण होगा।

स्रोत: पीआईबी

'गगन शक्ति-2018' युद्धाभ्यास

चर्चा में क्यों?

☛ भारतीय वायुसेना द्वारा अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास 'गगन-शक्ति 2018' आयोजित किया गया. इसका आयोजन देश के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में किया जा रहा है तथा जहां आश्यकता है वहां किया जा रहा है. यह युद्धाभ्यास 22 अप्रैल 2018 तक चलेगा।

☛ गगन शक्ति-2018 में पहली बार महिला पायलट भी हिस्सा ले रही है। इस युद्धाभ्यास में पहली बार स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस भाग ले रहा है।

गगन शक्ति-2018 के प्रमुख तथ्य

☛ युद्धाभ्याय्स का विषय एयर सपोर्ट, नेटवर्क सेंट्रिक वॉरफेयर अटैक, सेना के दूसरे अंगों के साथ संयुक्त ऑपरेशन के आधार पर रखा गया है।

☛ इस एक्सरसाइज के दौरान वायुसेना में ही अपनी और दुश्मन की वायुसेना बनाई गई है. यानी रेड फोर्स, ब्लू फोर्स और व्हाइट फोर्स।

☛ ब्लू फोर्स भारत की है, जबकि रेड फोर्स दुश्मन की वायुसेना मानी गई है।

☛ व्हाइट फोर्स की भूमिका न्यूट्रल या रेफरी की है।

☛ अभ्यास में देश को भी अपने और दुश्मन के इलाके में बांटा गया है।

युद्धाभ्यास में भाग ले रहे विमान

➲ युद्धाभ्यास में कुल 1100 विमान और हेलिकॉप्टर भाग ले रहे हैं।

➲ इनमें सुखाई-30, एमकेआई, मिग-21, मिग-29, मिग-27, जगुआर और मिराज, बड़े परिवहन विमान सी-17 ग्लोब मास्टर,सी-130 जे,सुपर हरक्यूलिस अआर अटैक हैलिकॉप्टर एमआई-35,एमआई-17वी 5, एमआई-17,एएलएच ध्रुव मुख्य रूप से शामिल हैं।

➲ दिन और रात चल रहे इस युद्धाभ्यास में हवाई दस्ते को हवा से दुश्मन के इलाके में उतरने एवं एयर टू एयर काउंटर अटैक में महारथ हासिल करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

युद्धाभ्यास का उद्देश्य

- इस अभ्यास का उद्देश्य उस स्तर की तैयारी को पुख्ता करना है जिसमें वायुसेना प्रमुख के आदेश मिलने पर महज 48 घंटे में भारतीय वायुसेना पूरी तरह से खुद को युद्ध के लिए तैयार कर सकेगा। इस युद्धाभ्यास में देश के लगभग सभी एयरबेस और एडवांस लैंडिंग ग्राउंड का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रोटोकाल के तहत पाकिस्तान को भी इस ऑपरेशन की जानकारी दी गई है।

स्रोतः द हिंदू

नासा ने मंगल ग्रह के अध्ययन हेतु 'इनसाइट मिशन' लॉन्च किया

चर्चा में क्यों?

- अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह की भीतरी सतह का अध्ययन करने के लिए मिशन लॉन्च किया. यह नासा द्वारा मंगल ग्रह की सतह पर किया जाने वाला पहला अध्ययन अभियान होगा।
- चांद पर भेजे गए अपोलो मिशन के बाद इनसाइट भी नासा का पहला मिशन होगा। इसे पांच मई को मंग्रल ग्रह पर भेजने का कार्यक्रम है। यह किसी दूसरे ग्रह की जमीन पर भूकंप को मापने के लिए बनाए गए यंत्र को वहां स्थापित करेगां

नासा इनसाइट मिशनः मुख्य तथ्य

- इनसाइट एक तरह का रोबोट है जो 5 अरब साल पहले मंगल ग्रह के बनने के शुरुआती चरणों के बारे में सूचनाएं जुटाएगा। इसे एक प्रकार की वैज्ञानिक टाइम मशीन भी कहा जा रहा है
- इससे यह मालूम चलने में मदद मिलेगी कि पृथ्वी, उसका चंद्रमा और सौर मंडल के अन्य ग्रहों जैसी चट्टानें कैसे बनीं।
- नासा के मुताबिक मंगल ग्रह की आंतरिक सतहों के अध्ययन से वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि इसकी सतहें पृथ्वी से किस तरह अलग हैं।
- इस वैज्ञानिक शोध में मंगल ग्रह के धरातल पर होने वाली हलचल, भूकंप आदि की भी गहराई से जांच की जाएगी।
- इनसाइट नासा के डिस्कवरी प्रोग्राम का हिस्सा है जिसे नासा के मार्शल फ्लाइट सेंटर द्वारा मैनेज किया जा रहा है।
- इस स्पेसक्राफ्ट को लॉकहीड मार्टिन स्पेस, डेनेवर द्वारा बनाया एवं टेस्ट किया गया है।

नासा

- नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार की शाखा है जो देश के सार्वजनिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों व एरोनॉटिक्स व एरोस्पेस संशोधन के लिए उत्तरदायी है। नासा का गठन नैशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस अधिनियम के अंतर्गत 19 जुलाई 1948 में इसके पूर्वाधिकारी संस्था, नैशनल एडवाइजरी कमिटी फॉर एरोनॉटिक्स (एनसीए) के स्थान पर किया गया था। इस संस्था ने 01 अक्टूबर 1948 से कार्य करना शुरू किया।

स्रोतः द हिंदू

❑❑❑

पारिस्थितिकी ,एवं पर्यावरण

विश्व के 20 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल भारतीय शहर

चर्चा में क्यों?

☛ हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व के 20 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में 14 भारतीय शहर शामिल हैं।

मुख्य तथ्य

➲ सूची में शामिल 14 भारतीय शहर-कानपुर, फरीदाबाद, गया, पटना, आगरा, मुजफ्फरपुर, श्रीनगर, गुड़गांव, जयपुर, जोधपुर, पटियाला, लखनऊ, दिल्ली और वाराणसी हैं।

➲ इस आंकड़े के अनुसार, विश्व भर के 10 में से 9 लोग प्रदूषित हवा लेते हैं।

➲ इसके अनुसार, बाहरी एवं घरेलू वायु प्रदूषण के कारण प्रतिवर्ष लगभग 7 मिलियन लोगों की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है।

➲ 90 प्रतिशत से अधिक वायु प्रदूषण से संबंधित मौतें निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों मुख्यत: एशिया और अफ्रीका में होती हैं।

➲ वर्ष 2016 में बाह्य वायु प्रदूषण से अकेले ही लगभग 4.2 मिलियन लोगों की मृत्यु हुई।

➲ जबकि घरेलू वायु प्रदूषण से अनुमति 3.8 मिलियन लोगों की मृत्यु हुई।

स्रोत: द हिंदू

संयुक्त राष्ट्र मरूस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन के तहत एशिया प्रशांत क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला

चर्चा में क्यों?

☛ 24-27 अप्रैल, 2018 के मध्य 'संयुक्त राष्ट्र मरूस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन (यूएनसीसीडी) के तहत एशिया प्रशांत क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला नई दिल्ली में आयोजित की गई।

मुख्य तथ्य

➲ इस चार दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने किया।

➲ विश्व भर में आयोजित यूएनसीसीडी क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशालाओं की एक ऋंखला में यह चौथा संस्करण है।

➲ भारत द्वारा पहली बार इस क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला की मेजबानी की।

➲ इस कार्यशाला में लगभग 40 एशिया-प्रशांत राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- इस कार्यशाला के दौरान भारत में 12 भूमि अपघटन प्रवण राज्यों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- ज्ञातव्य है कि संयुक्त राष्ट्र मरूस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन दिसंबर, 1996 से प्रभावी है।
- इसका सचिवालय बॉन, जर्मनी में है।

स्रोतः द हिंदू

कोल बेड मीथेन की खोज और दोहन को मंजूरी

चर्चा में क्यों?

- 11 अप्रैल, 2018 को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और इसकी सहायक कंपनियों को आवंटित कोयला खनन पट्टे के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से कोल बेड मीथेन की खोज और दोहन को मंजूरी प्रदान की गई।

मुख्य तथ्य

- इस समिति ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा तेल क्षेत्र (नियमन और विकास) अधिनियम, 1948 (ORD ACT, 1948) के अनुच्छेद 12 के तहत 3 नवंबर, 2015 को जारी अधिसूचना की धारा 3 (iii) को संशोधित कर अधिसूचना जारी करने की अनुमति प्रदान की है।
- इस संशोधन के तहत पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियम 1959 (पीएनजी नियम, 1959) के अंतर्गत कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों को अपने कोयला क्षेत्रों से कोल बेड मीथेन की निकासी हेतु लाइसेंस/पट्टा की मंजूरी के लिए आवेदन करने के संदर्भ में राहत प्रदान की गई है।
- इससे कोल बेड मीथेन की खोज और दोहन में तीव्रता आएगी, प्राकृतिक गैस उपलब्धता में वृद्धि होगी और प्राकृतिक गैस की मांग और आपूर्ति के मध्य अंतर में कमी आएगी।
- ज्ञातव्य है कि 3 नवंबर, 2015 को भारत सरकार ने एक अधिसूचना जारी की जिसके तहत कोल इंडिया लिमिटेड और इसकी सहायक कंपनियों को कोल बेड मीथेन की खोज और दोहन के लिए अधिकार प्रदत्त किए।
- अधिसूचना की धारा 3 (अप) में प्रावधान है कि कोल बेड मीथेन के लिए खनन/पट्टे की मंजूरी हेतु पीएनजी नियम, 1959 के अंतर्गत पट्टेदार पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्रालय को केंद्रीय खदान नियोजन और डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड की विस्तृत सिफारिशों के साथ ही आवेदन प्रस्तुत करेगा।

कोल बेड मीथेन

- मीथेन एक शक्तिशाली ग्रीन हाउस गैस है, इसलिए यह कार्बन डायक्साइड की अपेक्षा वातावरण में इसके शार्टर रजिडेंस और हाइयर पोटेंसी के कारण विपरीत प्रभाव अधिक तीव्रता से महसूस किया जाता है।
- मीथेन, कोयला निर्माण प्रक्रिया के उप-उत्पाद के रूप में कोयले से सम्बद्ध है। यह कोयला संस्तरों के बीच में दबा रहता है तथा खनन के दौरान तथा बाद में रिलीज (निकलता) होता है। भूमिगत कोयला खनन में इस मीथेन से दुर्घटनाएं होती रहती हैं।
- कोल बेड मीथेन कोयला भंडारों के साथ संबद्ध होता है और कोयला खनन के दौरान निकलता है, यदि प्रभावी तरीके से प्राप्त किया जाए तो यह ऊर्जा के महत्वपूर्ण संभावित स्रोत हो सकता है।

स्रोतः पीआईबी

ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) संशोधन नियम, 2018

चर्चा में क्यों?

☛ हाल ही में भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) संशोधन नियम, 2018 अधिसूचित किया गया।

मुख्य तथ्य

➲ केंद्र सरकार द्वारा ई-अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन हेतु ई-अपशिष्ट नियमों में संशोधन किया गया है।

➲ इसका उद्देश्य है-अपशिष्ट निपटान को सुव्यवस्थित बनाने हेतु ई-अपशिष्ट के पुनर्चक्रण या उसे विघटित करने के काम में लगी इकाइयों को वैधता प्रदान करना और उन्हें संगठित करना।

➲ नियमों में बदलाव के अंतर्गत उत्पादक जवाबदेही ईपीआर की व्यवस्थाओं को पुन:परिभाषित किया गया है।

➲ इसके तहत हाल ही में बिक्री शुरू करने वाले ई-उत्पादकों के लिए ई-अपशिष्ट (कचरा) के नए लक्ष्य निर्धारित किए गये हैं।

➲ ई-अपशिष्ट संग्रहण के नए लक्ष्य 1 अक्टूबर, 2017 से लागू होंगे।

➲ विभिन्न चरणों में ई-अपशिष्ट का संग्रहण लक्ष्य 2017-18 के दौरान उत्पादित किए गए अपशिष्ट के वजन का 10 प्रतिशत होगा।

➲ जो वर्ष 2023 तक प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ेगा।

➲ वर्ष 2023 तक यह लक्ष्य कुल उत्पादित अपशिष्ट का 70 प्रतिशत होगा।

➲ यदि किसी उत्पादक के बिक्री परिचालन के वर्ष उसके उत्पादों की औसत आयु से कम होंगे तो ऐसे नए ई-उत्पादकों के लिए ई-अपशिष्ट संग्रहण के लिए नए लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे।

➲ उत्पादों की औसत आयु का निर्धारण समय-समय पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड करेगा।

➲ उत्पादक जबावदेही संगठनों को नए नियमों के अंतर्गत काम करने हेतु खुद को पंजीकृत कराने हेतु केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समक्ष आवेदन करना होगा।

➲ ज्ञातव्य है कि ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) नियम, 2016 को 22 मार्च, 2018 को अधिसूचना जीएसआर 261 (अ) के तहत संशोधित किया गया है।

ई-अपशिष्ट

➲ जब हम इलेक्ट्रॉनिक या इलेक्ट्रिकल उपकरणों को लंबी अवधि तक प्रयोग करने के बाद उसको बदलने या खराब होने पर पहले को फेंककर नया उपकरण प्रयोग में लाते हैं तो इस निष्प्रयोज्य खराब उपकरण को ई-अपशिष्ट कहा जाता है।

➲ ई-अपशिष्ट में कंप्यूटर, मोबाइल फोन, प्रिन्टर, इन्वर्टर, फोटोकॉपी मशीन, एलसीडी/टेलीविजन, रेंडियो/ट्रांजिस्टर, डिजिटल कैमरा आदि शामिल हैं।

स्रोत: लाइव मिन्ट

'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु' कार्यक्रम का मसौदा जारी

चर्चा में क्यों?

☛ केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने 17 अप्रैल 2018 को वायु प्रदूषण को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) का मसौदा जारी किया है।

उद्देश्य:

➲ इसका उद्देश्य देश भर में वायु प्रदूषण की समस्या को व्यापक तरीके से निपटाना है. स्वच्छ वायु अभियान राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के स्तर में महत्त्वपूर्ण कटौती करने का एक गंभीर प्रयास ह।

➲ एनसीएपी का मुख्य लक्ष्य निर्धारित समय सीमा में देश के सभी स्थानों पर निर्धारित वार्षिक औसत परिवेश वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करना है।

➲ राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत, पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कई उपाय करने की योजना बना रहा है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम से संबंधित मुख्य तथ्य:

➲ व्यापक और विश्वसनीय डेटाबेस को सुनिश्चित करने हेतु देश भर में प्रभावी और कुशल परिवेश वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क को विकसित करना हैं।

➲ वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और कमी के लिए प्रबंधन योजना तैयार करना हैं।

➲ वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए समय पर उपायों के लिए कुशल डेटा प्रसार और सार्वजनिक आउटरीच तंत्र विकसित करना।

➲ प्रदूषण में कमी लाने के लिये अभियान के दौरान संगोष्ठियों का आयोजन भी किया जाएगा. इनमें वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य कार्यशाला, वायु प्रदूषण रोकने वाली प्रौद्योगिकियों, गैर-सरकारी संगठनों, सिविल सोसायटी, नागरिकों इत्यादि का सहयोग लिया जाएगा।

➲ इससे पहले पर्यावरण मंत्रालय ने घोषणा की थी कि वह लगभग 100 गैर-प्राप्ति शहरों में वायु प्रदूषण को तीन साल में 35% और पांच साल में 50% कम करने की उम्मीद है. गैर-प्राप्ति वाले शहरों में उन मानकों को लिया जाता है जहाँ वायु की गुणवत्ता राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानकों से भी खराब स्थिति में हैं।

स्रोत: द हिंदू

एनडीएमए द्वारा पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में भूकंप के मॉक अभ्यास

चर्चा में क्यों?

☛ 26 अप्रैल, 2018 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) ने पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, नगालैंड और मिजोरम में भूकंप की तत्परता के लिए मॉक अभ्यास का संचालन किया।

मुख्य तथ्य

➲ यह अभ्यास राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के सहयोग से आयोजित किया गया।

➲ इस अभ्यास के माध्यम से भाग लेने वाली एजेंसियों तथा हितधारकों के आपदा प्रतिक्रिया योजनाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जाता है।

➲ यह अभ्यास महत्वपूर्ण है क्योंकि भाग लेने वाले राज्य भूकंप-भेद्यता क्षेत्र जोन-ट के अंतर्गत आते हैं।

➲ इस अभ्यास से विभिन्न कमियों को दूर करने में, बेहतर संचार सुविधा सुनिश्चित करने में तथा हितधारकों और एजेंसियों के बीच समन्वय को बेहतर करने में सहायता मिलती है।

➲ इससे स्थानीय लोगों को भूकंप के पहले, भूकंप के दौरान और भूकंप के बाद क्या करना है और क्या नहीं करना है, के बारे में जागरूकता बढ़ेगी।

स्रोतः द हिंदू

गंगा हरीतिमा अभियान-2018

चर्चा में क्यों?

☛ 7 अप्रैल, 2018 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इलाहाबाद से प्रदेश स्तरीय गंगा हरीतिमा अभियान 2018 का शुभारंभ किया।

मुख्य तथ्य

➲ इस अभियान के तहत गंगा को प्रदूषण मुक्त करने हेतु गंगा तट पर स्थित 27 जनपदों (बिजनौर से बलिया तक) में गंगा किनारे वृक्षारोपण किया जाएगा।

➲ इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आमजन को जोड़ते हुए 'एक व्यक्ति एक वृक्ष' का नारा दिया।

➲ गंगा हरीतिमा योजना के तहत गंगा नदी के दोनों किनारों पर उत्तर प्रदेश वन विभाग और मनरेगा की मदद से वृक्षारोपण किया जाएगा।

➲ मुख्यमंत्री ने गंगा हरीतिमा वेबसाइट और मोबाइल ऐप का भी शुभारंभ किया।

➲ इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुंभ-2019 के मद्देनजर लगभग 684.20 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

➲ उल्लेखनीय है कि अभियान वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा समर्थित है।

स्रोतः टाइम्स ऑफ इंडिया

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन

चर्चा में क्यों?

- 10 अप्रैल, 2018 को संपन्न उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में 'दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन, उत्तर प्रदेश, के गठन का निर्णय किया गया।

मुख्य तथ्य

- फाउंडेशन के लिए कोष की स्थापना पर्यटकों के प्रवेश शुल्क, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से प्रोजेक्ट विशेष हेतु सहयोग, किसी व्यक्ति विशेष या विदेशी सरकार या बाहरी संगठन से प्राप्त धन, अनुदान अथवा अन्य सहायता आदि जैसे विभिन्न स्रोतों से प्राप्त धनराशि से की जाएगी।
- इस फाउंडेशन के प्रबंधन के दायित्व निर्वहन हेतु प्रभारी मंत्री वन एवं वन्यजीव, उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय गवर्निंग बॉडी का गठन किया जाएगा।
- इस फाउंडेशन की स्थापना से इस रिजर्व क्षेत्र में ईको टूरिज्म को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के अधिक अवसर सृजित होंगे।
- वर्ष 1977 में स्थापित दुधवा राष्ट्रीय उद्यान उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जनपद में अवस्थित है।
- वर्ष 1987-88 में किशनपुर वन्यजीव विहार को दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में शामिल कर इसे बाघ संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया।

स्रोतः द हिंदू

विश्व पृथ्वी दिवस

चर्चा में क्यों?

- 22 अप्रैल, 2018 को संपूर्ण विश्व में 'विश्व पृथ्वी दिवस' (World Earth Day) मनाया गया।

मुख्य तथ्य

- 'विश्व पृथ्वी दिवस' को 'अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी मातृ दिवस' (International Mother Earth Day) के रूप में भी मनाया जाता है।
- वर्ष 2018 में इस दिवस का मुख्य विषय (Theme)- ''प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करो'' (End Plastic Pollution) था।
- ज्ञातव्य है कि पृथ्वी के संरक्षण हेतु विश्व भर में जागरूकता फैलाने हेतु यह दिवस वर्ष 1970 से प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है।
- संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2009 में 22 अप्रैल का अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी मातृ दिवस मनाने की आधिकारिक मान्यता प्रदान की थी।
- ध्यान देने योग्य है कि वर्ष 2020 में विश्व पृथ्वी दिवस की 50वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी। जिसके तहत पृथ्वी की सुरक्षा हेतु बदलाव के नजरिए को वास्तविक रूप दिया जाएगा।

स्रोतः द हिंदू

पश्चिमी घाट पर पौधे की नई प्रजाति खोजी गई

चर्चा में क्यों?

☛ शोधकर्ताओं की एक टीम ने हाल ही में 'फिमब्रिस्तिलिस अगस्थेमलेनेसिस' नामक प्रजाति के पौधे की खोज की है। इस पौधे को पश्चिमी घाट के अगस्त्यमाला बायोरिजर्व से खोजा गया है।

मुख्य तथ्य

➲ फिमब्रिस्तिलिस अगस्थेमलेनेसिस प्रजाति का पौधा सायपरेस परिवार से सम्बंधित है।

➲ भारत में सायपरेस परिवार से सम्बंधित 122 पौधे पाए जाते हैं जिनमें 87 पश्चिमी घाट पर पाए गये हैं।

➲ इनमें से अधिकतर पौधे दवाओं में काम आते हैं अथवा चारे के रूप में प्रयोग कर लिए जाते हैं।

➲ इन शोधकर्ताओं में पोस्ट डॉक्टोरल फेलो एआर विजी एवं असिस्टेंट प्रोफेसर टीएस प्रीथा ने पोंमुदी हिल्स के घास के मैदानों में इस प्रजाति के पौधे की खोज करने सफलता प्राप्त की।

➲ यह सर्वेक्षण, केरल राज्य जे विज्ञान तकनीक एवं पर्यावरण काउंसिल (केएससीएसटीई) के महिला वैज्ञानिक प्रभाग द्वारा प्रायोजित था।

गंभीर लुप्तप्राय प्रजाति

☛ शोधकर्ताओं ने पौधे की संरक्षण की सिफारिश की है क्योंकि यह पौधा गंभीर रूप से खतरे में है. इस क्षेत्र में यह पौध जंगलों में पशुओं का आहार बन सकता है।

☛ इस पौधे का निवास स्थल केरल के टूरिज्म हब में गिना जाता है जिससे इस पौधे पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और इसके लुप्तप्राय होने का खतरा अधिक बढ़ जाता है।

☛ शोधकर्ताओं ने पौधे की संरक्षण की सिफारिश की है क्योंकि यह पौधा गंभीर रूप से खतरे में है।

स्रोतः द हिंदू

असम बसंत महोत्सव

चर्चा में क्यों?

☛ 7-8 अप्रैल, 2018 के मध्य असम बसंत महोत्सव (Assam Spring Festival) असम स्थित मानस नेशनल पार्क में आयोजित किया गया।

मुख्य तथ्य

- इसका आयोजन इंडिया वीवर्स एसोसिएशन और स्वंकर मिथिंगा ओनसाई अफत द्वारा किया गया।
- इस महोत्सव में ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय हस्तकला और हथकरघा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्थानीय लोक संगीत और स्थानीय व्यंजनों को प्रदर्शित किया गया।
- मानस नेशनल पार्क बाध और गैंडों के लिए आरक्षित हैं, जो असम के 5 जिलों कोकराझार, बक्शा, चिरांग, उदलगुरी और बारपेटा में विस्तारित है।
- यह वर्ष 1985 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।
- ज्ञातव्य है कि वर्ष 1973 में इसे प्रोजेक्ट टाइगर के तहत पहला टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था।

स्रोत: द हिंदू

❑❑❑

ELITE IAS

अन्य खबरें

कॉमनवेल्थ गेम्स 2018: पदक तालिका में भारत

☛ गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया) में हुए 21वें कॉमनवेल्थ गेम्स का 15 अप्रैल 2018 को समापन हो गया, जिसमें कुल 66 पदक जीतने वाला भारत 26 स्वर्ण के साथ तीसरे स्थान पर रहा। 80 स्वर्ण समेत 198 पदक जीतने वाला ऑस्ट्रेलिया पदकतालिका में पहले स्थान पर और 45 स्वर्ण समेत 136 पदक जीतने वाला इंग्लैंड दूसरे स्थान पर रहा। भारत वर्ष 2010 में दूसरे स्थान पर था। भारत की दिग्गज मुक्केबाज एम सी मेरीकॉम राष्ट्रमंडल खेलों के समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक रहीं। बर्मिंघम में वर्ष 2022 में 22वें कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किया जायेगा।

ऑस्ट्रेलिया में रंगारंग उद्घाटन समारोह के साथ समुद्र तट पर बसे गोल्ड कोस्ट शहर में 04 अप्रैल 2018 को 21वें कॉमनवेल्थ गेम्स आरंभ किये गये थे। भारतीय दल की अगुवाई ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने की जो भारतीय ध्वजवाहक रहीं। ऑस्ट्रेलिया पांचवी बार, राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर रहा था।

कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास में 500 पदकों का आंकड़ा पार करने वाला 5वां देश बना भारत

☛ 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में कुल 66 पदक जीतकर भारत इन खेलों के इतिहास में 500 पदकों का आंकड़ा पार करने वाला 5वां देश बन गया है. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा और न्यूजीलैंड यह आंकड़ा पार कर चुके हैं. भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (101 पदक) वर्ष 2010 दिल्ली खेलों में रहा था और वर्ष 2002 मैनचेस्टर में उसने 69 पदक जीते थे.

सिंधु को हराकर साइना ने जीता गोल्ड

☛ ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में कॉमनवेल्थ गेम्स के अंतिम दिन भारतीयों के लिए सबसे अहम मुकाबला हुआ. बेडमिंटन के सिंगल्स के फाइनल में भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधु और साइना नेहवाल आमने सामने थीं. साइना नेहवाल ने पी.वी. सिंधु को हराकर महिला एकल वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम किया. साइना ऐसे में राष्ट्रमंडल खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं. सिंधु को हार के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। साइना नेहवाल ने देश की नंबर एक खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को 21-18, 23-21 से शिकस्त दी।

नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो में जीता गोल्ड

☛ नीरज चोपड़ा ने 21वें राष्ट्रमंडल खेलों के 10वें दिन 14 अप्रैल 2018 को भारत की झोली में एक और स्वर्ण पदक डाल दिया। नीरज ने पुरुषों की भालाफेंक स्पर्धा में देश के लिए स्वर्ण पदक जीता। वहीं इसी स्पर्धा में एक और भारतीय विपिन कशाना पांचवें स्थान पर रहे। स्वर्ण पदक के साथ ही नीरज ने कॉमनवेल्थ खेलों में इतिहास रच दिया। नीरज ने फाइनल में 86.47 मीटर की दूरी तय करते हुए स्वर्ण पदक जीता। स्पर्धा का रजत पदक आस्ट्रेलिया के हेमिश पीकॉक के नाम रहा, जिन्होंने 82.59 की दूरी तय की।

सौरव और दीपिका ने स्क्वैश मिक्सड डबल्स में जीता सिल्वर

- भारत के सौरव घोषाल एवं दीपिका पल्लीकल कार्तिक की जोड़ी को 21वें राष्ट्रमंडल खेलों के 10वें दिन 14 अप्रैल 2018 को मिश्रित युगल वर्ग के फाइनल में रजत पदक जता. ऑस्ट्रेलिया की डोना क्यूहार्ट एवं कैमरुन पिले की जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को 29 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 2-0 (11-8, 11-10) से मात दी।

विनेश फोगाट ने 50 किग्रा. वर्ग (फ्री-स्टाइल) में जीता गोल्ड

- भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कॉमनवैल्थ गेम्स की 50 किग्रा. वर्ग (फ्री-स्टाइल) में 23वां स्वर्ण पदक जीता है। फोगाट का फाइनल में मुकाबला कनाडा की जैसिका मैकडोनल्ड से था। फोगाट पहले ही मिनट से जैसिका पर ताबड़तोड़ हमले किए। फोगाट ने जैसिका को कंधों से ऊपर उछालकर फेंका और अपनी लीड 4-0 कर ली।

सुमित मलिक ने कुश्ती में जीता स्वर्ण

- भारत के पहलवान सुमित मलिक ने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में जारी 21वें राष्ट्रमंडल खेलों के 10वें दिन भारत की खाते में एक और स्वर्ण पदक डाल दिया है। सुमित मलिक को 14 अप्रैल 2018 को पुरुषों की फ्री स्टाइल कुश्ती के 125 किलोग्राम भारवर्ग में नाइजीरिया के सिनिवेई बोल्टिक से भिड़ना था, लेकिन नाइजीरियाई खिलाड़ी ने सुमित मलिक को वॉकओवर दे दिया और इसी के साथ सुमित मलिक ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बॉक्सिंग में विकास कृष्ण ने जीता स्वर्ण:

- भारत के विकास कृष्ण ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21वें राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी स्पर्धा के 75 किलो ग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। विकास ने फाइनल मुकाबले में कैमरून के दियूदोन विल्फ्रे सेयी को 5-0 से हराया। पांचों जजों ने विकास को श्रेष्ठ करार दिया। विकास ने पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया के कैम्पबेल सोमरविले को हराया था।

मनिका बत्रा ने टेबल टेनिस में जीता स्वर्ण

- भारत की महिला एकल टेबल टेनिस खिलाड़ी मानिका बत्रा ने 14 अप्रैल 2018 को 21वें राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड मेडल हासिल किया है। मानिका ने फाइनल मुकाबले में सिंगापुर की मेंगयू यू को 4-0 से हराया। मानिका ने 11-7, 11-6, 11-2, 11-7 से जीत दर्ज की. कॉमनवेल्थ गेम्स में टेबल टेनिस के सिंगल्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली मनिका बत्रा पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

संजीव राजपूत ने जीता 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में जीता स्वर्ण पदक:

- भारत के संजीव राजपूत ने राष्ट्रमंडल खेलों में पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। संजीव ने कुल 454.5 का स्कोर करते हुए गेम रिकार्ड के साथ स्वर्ण पर कब्जा जमाया। रजत पदक कनाडा के ग्रेजगोर्ज स्याच के नाम रहा जिन्होंने 448.4 का स्कोर किया. इंग्लैंड के डीन बेल 441.2 का स्कोर करते हुए कांस्य पदक जीता। संजीव ने क्वालीफिकेशन में 1180 के गेम रिकार्ड के साथ पहला स्थान हासिल करते हुए फाइनल में जगह बनाई तो वहीं चौन 1166 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

एम.सी. मैरी कॉम ने जीता स्वर्ण पदक:

- ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में खेले जा रहे 21वें कॉमनवेल्थ गेम्स के 10वें दिन इतिहास रचते हुए एम.सी. मैरी कॉम ने स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 45-48 किलोग्राम भारवर्ग की स्पर्धा में इंग्लैंड की क्रिस्टीना ओहारा को 5-0 से मात देकर पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना पहला मेडल हासिल किया है।

भारतीय मुक्केबाज गौरव सोलंकी ने जीता स्वर्ण पदक:

- भारतीय मुक्केबाज गौरव सोलंकी ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में नार्दन आयरलैंड के ब्रेंडन इरवाइन को 4-1 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। गौरव ने पुरुषों की 52 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा में यह सफलता हासिल की है। गौरव का यह कॉमनवेल्थ गेम्स में पहला पदक है।

मनीष कौशिक को रजत पदक:

- भारत के मुक्केबाज मनीष कौशिक ने 21वें राष्ट्रमंडल खेलों के 10वें दिन 14 अप्रैल 2018 को रजत पदक अपने नाम किया है। मनीष को पुरुषों की 60 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा के फाइनल में आस्ट्रेलिया के हैरी गारसाइड ने कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी।

पहलवान बजरंग पुनिया ने स्वर्ण पदक जीता

- भारत के पुरुष पहलवान बजरंग पुनिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां जारी 21वें राष्ट्रमंडल खेलों में नौवें दिन 11 अप्रैल 2018 को भारत की झोली में 17वां स्वर्ण पदक डाला। बजरंग ने पुरुषों की 65 किलोग्राम वर्ग स्पर्धा के फाइनल में वेल्स के केन चारिग को मात देकर सोना जीता। यह उनके राष्ट्रमंडल खेलों का पहला स्वर्ण पदक है। बजरंग ने वेल्स के केन चारिग को काफी आसानी से 10-0 से हराकर एकतरफा जीत अपने नाम की। बजरंग ने 6-0 और 8-0 के बाद फिर से चारिग को पलटते हुए दो अंक लिए और 10-0 से अपना मैच जीत लिया। बजरंग ने 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीता था।

पूजा ढांडा रजत और दिव्या काकरान ने कांस्य पदक जीता:

- भारत की पूजा ढांडा और दिव्या काकरान ने 21वें राष्ट्रमंडल खेलों की कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन 11 अप्रैल 2018 को क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीत लिए। भारत ने इस तरह कुश्ती में अब तक सात पदक जीत लिए हैं। पूजा को 57 किग्रा वर्ग के फाइनल में नाइजीरिया की ओडूनायो एडेकुरोयो से 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। हरियाणा के हिसार की 24 वर्षीय पूजा का यह पहला राष्ट्रमंडल पदक है।
- दिव्या ने 68 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए बंगलादेश की शैरीन सुल्ताना को मात्र 26 सेकंड में चित कर देश को एक और पदक दिला दिया। दिल्ली की 19 वर्षीय दिव्या का भी यह पहला राष्ट्रमंडल खेल पदक है. दिव्या ने बंगलादेशी पहलवान को कोई मौका दिए बिना मैट पर पटका और उनके दोनों कंधे जमीन पर लगाकर उन्हें चित कर दिया।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

अनीश भनवाला सबसे कम उम्र में गोल्ड जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी:

- भारत के युवा निशानेबाज अनीश भानवाल (15 वर्ष) ने कॉमनवेल्थ गेम्स में नौवें दिन पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 30 अंक हासिल करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। अनीश ने कॉमनवेल्थ गेम्स में पदार्पण के साथ ही स्वर्ण पदक जीता और साथ ही इन खेलों का नया रिकॉर्ड भी बनाया है। उन्होंने 2014 में ग्लाग्सो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में आस्ट्रेलिया के डेविड चापमान की ओर से बनाए रिकॉर्ड को तोड़ दिया।
- अनीश भनवाला सबसे कम उम्र में गोल्ड जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए. उन्होंने मनु भाकर का रिकॉर्ड तोड़ा. मनु ने इन्हीं गेम्स में 16 की उम्र में गोल्ड जीतने का कारनामा किया था।

तेजस्विनी सावंत ने जीता स्वर्ण और अंजुम मोदगिल ने जीता रजत पदक:

- भारतीय महिला निशानेबाज तेजस्विनी सावंत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21वें राष्ट्रमंडल खेलों (कॉमनवेल्थ गेम्स 2018) में नौवें दिन 15वां स्वर्ण पदक जीता। तेजस्विनी ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल पोजीशन-3 के फाइनल में पहला स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया और इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड भी बनायां इसी स्पर्धा में भारत की एक अन्य भारतीय बेटी अंजुम मोदगिल ने दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक जीता है। तेजस्विनी ने कुल 457.9 अंक हासिल करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, वहीं अंजुम ने 455. 7 अंकों के साथ रजत पदक जीता.स्कॉटलैंड की सियोनेड मिकतोश को 444.6 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल हुआ है।

पहलवान सुशील कुमार:

- पहलवान सुशील कुमार ने 74 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल हासिल किया है. सुशील कुमार ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के कोनोर इवांस को 4-0 से मात दी थी। इससे पहले उन्होंने क्वॉर्टर फाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद बट को 4-0 से हराया। इससे पहले, सुशील ने 2010 दिल्ली और 2014 ग्लास्गो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीते थे। इस जीत के साथ ही उन्होंने अपने पदकों की हैट्रिक पूरी की है।

बबीता फोगाट:

- बबीता फोगाट ने ऑस्ट्रेलिया में जारी 21वें राष्ट्रमंडल खेलों में 8वें दिन महिलाओं की फ्रीस्टाइल 53 किलोग्राम स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले भी बबिता फोगट 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में महिला कुश्ती में भारत के लिए रजत पदक जीत चुकी हैं। बबीता ने 2014 में ग्लास्गो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था।

राहुल अवारे:

- भारत के कुश्ती पहलवान राहुल अवारे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21वें राष्ट्रमंडल खेलों में आठवें दिन 12 अप्रैल 2018 को भारत के लिए 13वां स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र के राहुल अवारे ने पुरुषों की 57 किलोग्राम स्पर्धा के फाइनल में कनाडा के स्टीवन ताकाहाशी को 15-7 से मात देकर जीत हासिल की।

श्रेयसी सिंह:

☛ भारत की दिग्गज महिला निशानेबाज श्रेयसी सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों में 11 अप्रैल 2018 को सातवें दिन भारत की झोली में 12वां स्वर्ण पदक डाला। श्रेयसी ने महिलाओं की डबल ट्रैप स्पर्धा के फाइनल्स में पहला स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कुल 98 अंक हासिल किए. आस्ट्रेलिया की एमा कोक्स को इस स्पर्धा में सिल्वर मेडल हासिल हुआ। उन्होंने कुल 96 अंक हासिल किए थे। वहीं उन्होंने शूट-ऑफ में दो निशानों में से एक गलत लगाया और इस कारण वह दूसरे स्थान पर रहीं। स्कॉटलैंड की लिंडा पियरसन ने 87 अंकों के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में श्रेयसी का यह दूसरा पदक है और इससे पहले उन्होंने ग्लासगो (वर्ष 2014) में रजत पदक जीता था।

सचिन चौधरी:

☛ भारत के सचिन चौधरी ने पैरा पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता हैं। ये पहला मौका है जब भारत ने पैरा स्पोर्ट्स में कोई मेडल जीता है। सचिन ने कुल 181 किलोग्राम का भार उठाया। नाइजीरिया के अब्दुलजीज इब्राहिम ने 191. 9 किग्रा भार उठा कर सोने पर कब्जा जमाया। स्पर्धा का रजत मलेशिया के यी खी जोंग के नाम रहा जिन्होंने 188.7 किलोग्राम भार उठाया। सचिन चौधरी ने वर्ष 2012 में लंदन में आयोजित समर पैरालिंपिक्स में भारत का प्रतिनिधत्व किया था। यहां पर उन्होंने मेन्स 82.50 किलोग्राम इवेंट में आठवां स्थान हासिल किया था।

ओम प्रकाश मिथरवाल:

☛ भारतीय निशानेबाज ओम प्रकाश मिथरवाल ने 21वें कॉमनवेल्थ गेम्स में बुधवार को कुल 201.1 अंक के साथ 50 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। स्पर्धा का स्वर्ण पदक आस्ट्रेलिया के डेनियल रेपाचोली के नाम रहा जिन्होंने 227.2 का कुल स्कोर करते गुए गेम रिकार्ड बनाया। वहीं रजत पदक बांग्लादेश के शकील अहमद के नाम रहा जिन्होंने 220.5 का स्कोर किया।

यह ओम प्रकाश मिथरवाल का दूसरा पदक है इससे पहले भी उन्होंने 10 मीटर स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था।

हिना सिद्धू:

☛ भारतीय निशानेबाज हिना सिद्धू ने 10 अप्रैल 2018 को कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाकर 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। इस वर्ग का रजत पदक ऑस्ट्रेलिया की एलेना गैलीबोविच और कांस्य पदक मलेशिया की आलिया सजाना अजाहारी ने जीता। इस कॉमनवेल्थ गेम्स में हिना का यह दूसरा पदक है और इससे पहले उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत जीता था।

साइना नेहवाल:

☛ भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की बदौलत भारतीय बैडमिंटन मिक्स्ड टीम ने मलेशिया को 3-1

से हराकर कॉमनवेल्थ के इतिहास में पहली बार गोल्ड मेडल जीता है। भारत ने कैरारा स्पोर्ट्स एरेना में खेले गए फाइनल मैच में मलेशिया को मात देकर 10वें स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस तरह भारत अब तक 10 स्वर्ण पदक, 4 रजत पदक और 5 कांस्य पदक के साथ मेडल्स टैली में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया पहले और इंगलैंड दूसरे स्थान पर काबिज है।

जीतू रायः

- भारत के अनुभवी निशानेबाज जीतू राय ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में जारी 21वें राष्ट्रमंडल खेलों में 09 अप्रैल 2018 को पांचवें दिन भारत को आठवां स्वर्ण पदक दिलाया। जीतू राय ने फाइनल में कुल 235.1 अंक हासिल किए. उन्होंने इसके साथ ही इस स्पर्धा का नया रिकॉर्ड भी कायम किया। मिथारवल ने 214.3 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

मनिका बत्रा ने स्वर्ण पदक जीता

- मनिका बत्रा ने सिंगस मुकाबलों में अपनी शानदार जीत के साथ भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला टेबल टेनिस टीम इवेंट का स्वर्ण पदक दिला दिया। भारत ने फाइनल में चार बार के स्वर्ण पदक विजेता सिंगापुर को 3–1 से हराकर ऐतहासिक स्वर्ण पदक जीता। ये भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम का कॉमनवेल्थ खेलो में सबसे अच्छा प्रदर्शन है। भारत अभी तक दूसरा देश है जिसने महिला टेबल टेनिस के टीम इवेंट में कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता है।
- इससे पहले वर्ष 2006 के मेलबर्न राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष टीम ने स्वर्ण जीता था। इन्होंने 2016 ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

मनु भाकर ने स्वर्ण पदक जीता

- भारतीय शूटर मनु भाकर ने 21वें कॉमनवेल्थ खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल ईवेंट में स्वर्ण पदक जीता। मनु भाकर ने फाइनल में कुल 240.9 अंक हासिल कर भारत की झोली में छठा स्वर्ण पदक डाला। वहीं हीना सिद्धू ने शानदार वापसी करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। दूसरे स्थान पर रही उनकी सीनियर हमवतन निशानेबाज हीना का स्कोर 234 रहा।

पूनम यादव

- पूनम यादव ने महिला वेटलिफ्टिंग में कुल 222 किलोग्राम भार उठाकर गोल्ड मेडल पर कब्जा किया है। उन्होंने इंग्लैंड की सारा डेविस को पछाड़कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। पूनम यादव से आगे निकलने के लिए सारा डेविस को आखिरी राउंड में कुल 128 किलोग्राम भार उठाना था, लेकिन उनके असफल प्रयास के चलते पूनम यादव ने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

आर वेंकट राहुल

- भारोत्तोलक आर वेंकट राहुल (85 किग्रा) ने 21वें राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को चौथा स्वर्ण पदक दिलाया। आर वेंकट राहुल ने करारा स्पोर्ट्स एरीना–1 में आयोजित इस स्पर्धा में स्नैच और क्लीन एंड जर्क में कुल 338 किलोग्राम का भार

उठाकर सोना अपने नाम किया। इस स्पर्धा में सामोआ के डॉन ओपेलोगे को रजत पदक हासिल हुआ। उन्होंने कुल 331 किलो का भार उठाया. मलेशिया के मोहम्मद फाजरुल अजेरी मोहदाद को कांस्य पदक हासिल हुआ। मोहम्मद ने कुल 328 किलोग्राम का भार उठाया।

सतीश कुमार ने स्वर्ण पदक जीता

- कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय भारोत्तोलक सतीश कुमार शिवलिंगम ने 07 अप्रैल 2018 को 77 किग्रा कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 317 किलोग्राम (स्नैच में 144 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क 173 किलोग्राम) वजन उठाया। इंग्लैंड के जैक ओलिवर ने रजत पदक और ऑस्ट्रेलिया के फ्रांकोइस इटोनदी ने कांस्य पदक जीता।

संजीता चानू

- कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में संजीता चानू ने भारत के लिए दूसरा स्वर्ण पदक जीता है. संजीता ने 53 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता. संजीता ने कुल 192 किलो भार उठाकर यह उपलब्धि हासिल की. पिछले गेम्स की चौंपियन पापुआ न्यू गिनी लाऊ दिका ताऊ ने 182 किलोग्राम (80 स्नैच और 102 क्लीन ऐंड जर्क) भार उठाकर सिल्वर और कनाडा की रेशल लेबनांक ने 181 किलोग्राम (81 स्नैच और 100 क्लीन ऐंड जर्क) भार उठाकर ब्रॉन्ज मेडल जीता

मीराबाई चानू ने पहला स्वर्ण पदक जीता

- विश्व चौंपियन मीराबाई चानू ने 21वें कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया है। चानू ने महिलाओं के 48 किलोग्राम भार वर्ग में भारत को पदक दिलाया। स्नैच में उन्होंने 80किग्रा, 84किग्रा, 86किग्रा का भार उठाया। वहीं क्लीन ऐंड जर्क के पहले प्रयास में उन्होंने 103 किलोग्राम भार उठाया और दूसरे प्रयास में 107 किलोग्राम का भार उठाया और तीसरे प्रयास में 110 किलोग्राम भार उठाया।

कॉमनवेल्थ गेम्स वर्ष 2014 की तुलना में भारतः

- कॉमनवेल्थ गेम्स वर्ष 2014 में, भारत ने 15 स्वर्ण पदक, 30 रजत पदक और 19 कांस्य पदक सहित कुल 64 पदक जीते थे। वर्ष 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने 26 स्वर्ण पदक, 20 रजत पदक और 20 कांस्य पदक सहित कुल 66 पदक जीते। वर्ष 2018 में भारतीय एथलीटों ने वर्ष 2014 में हुए आयोजन की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया।

कॉमनवेल्थ गेम्स-2018

- कॉमनवेल्थ गेम्स-2018 एक अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल स्पर्धा है, जो कि 4 अप्रैल से 15 अप्रैल 2018 के मध्य गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया जा रहा है। आस्ट्रेलिया इससे पहले चार बार राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार वर्ष 2006 में मेलबर्न में इन खेलों की मेजबानी की थी। आस्ट्रेलिया इसके अलावा वर्ष 1938 में सिडनी, वर्ष 1962 में पर्थ और वर्ष 1982 में ब्रिसबेन में भी इन खेलों का आयोजन कर चुका है।

क्रम	संख्या	देश	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक	कुल
1	ऑस्ट्रेलिया	80	59	59	198	
2	इंग्लैंड	45	45	46	136	
3	भारत	26	20	20	66	
4	कनाडा	15	40	27	82	
5	न्यूजीलैंड	15	16	15	46	

65वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 2017

- 13 अप्रैल, 2018 को फिल्म समारोह निर्देशालय द्वारा 65वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा की गई।
- निर्माता एवं निर्देशक रीमा दास द्वारा निर्देशित आसामी (Assamese) फिल्म 'विलेज रॉकस्टार्स' (Village Rockstars) को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए स्वर्ण कमल प्रदान किए जाने की घोषणा की गई।

अन्य प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं-

- सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फिल्म-(रजत कमल) 'न्यूटन' (निर्देशक-अमित वी मासूरकर, निर्माता-मनीष मुंद्रा)।
- एक निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ नवोदित फिल्म के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार (स्वर्ण कमल)-'सिनजर' (Sinjar) (निर्देशक-पामपैली)।
- संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म (स्वर्णकमल), बाहुबली-द कॉनक्लूजन' (तेलुगु) (निर्देशक-एस. एस. राजमौली)।
- राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए नरगिस दत्त पुरस्कार (रजत कमल) 'धप्पा' (Dhappa) (मराठी) (निर्देशक-निपुण धर्माधिकारी)।
- सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म (रजत कमल) 'आलोरूक्कम' (AALORUKKAM) (मलयालम), (निर्देशक-वी. सी. अभिलाष)
- पर्यावरण संरक्षण पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म (रजत कमल)-'इरादा' (हिन्दी), (निर्देशक-अर्पणा सिंह)।
- सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म (स्वर्ण कमल)-'म्होरक्या' (डीवतालं) (मराठी), (निर्देशक-अमर भारत दियोकर)।
- सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (स्वर्ण कमल)-जयराज (फिल्म-'भयानकम') (मलयालम)।
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (स्वर्ण कमल)-रिद्धि सेन (फिल्म-नगरकीर्तन) (बंगाली)।
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (स्वर्ण कमल)-श्रीदेवी (फिल्म-मॉम)-(हिंदी)।

- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (रजत कमल)-फहद फाजिल (फिल्म-थोंडीमुथलुम दृक्सक्षियुम Thondimuthalum Driksakshiyum) (मलयालम)।
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री (रजत कमल)-दिव्या दत्ता (फिल्म-इरादा) (हिंदी)
- सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (रजत कमल)-भानिता दास (फिल्म-विलेज रॉकस्टार्स) (आसामी)।
- सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक (रजत कमल)-के.जे. यसूदास (K-J-Y esudas) (पोय मंरजा कलम)।
- सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका (रजत कमल)-शाशा तिरूपति (Shashaa Tirupati)।
- विशेष ज्यूरी पुरस्कार-'नगरकीर्तन' (निर्देशक-कौशिक गांगुली)।
- सर्वश्रेष्ठ विशेष प्रभाव-आर.सी. कमलाकन्नन (R-C- Kamalakannan) (फिल्म-बाहुबली-2)
- निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ नवोदित फिल्म-'वॉटर बेबी' (निर्देशक-पिया शाह)।
- फिल्म 'कातरू वेलीइदई' के लिए ए.आर. रहमान को बेहतरीन संगीत निर्देशन का पुरस्कार दिया जाएगा।
- सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी-'गणेश आचार्य' (संगीत-'गोरी तू लट्ठ मार', फिल्म-टॉयलेट एक प्रेम कथा)।
- सर्वश्रेष्ठ एक्शन डॉयरेक्शन पुरस्कार-'बाहुबली-2'।
- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 3 मई, 2018 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

विजडन, 2018 संस्करण

- क्रिकेट की बाइबिल के उपनाम से प्रसिद्ध ब्रिटिश खेल पत्रिका 'विजडन क्रिकेटर्स अलमानैक (Wisden Cricketers' Almanack) का वार्षिक संस्करण 12 अप्रैल, 2018 को प्रकाशित हुआ।
- पत्रिका ने 155वें संस्करण के आवरण पृष्ठ पर इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर अन्या श्रुबसोले को स्थान दिया है।
- अन्या श्रुबसोले यह सम्मान प्राप्त करने वाली विश्व की प्रथम महिला क्रिकेटर हैं।
- विजडन ने वर्ष 2017 के लिए 'द लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' का सम्मान लगातार दूसरी बार भारतीय कप्तान विराट कोहली को प्रदान किया।
- 'द लीडिंग वूमेन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' का सम्मान भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज को प्रदान किया गया है।
- वर्ष 2018 से प्रारंभ विजडन के नए अवॉर्ड 'द लीडिंग टी-20 क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' के प्रथम विजेता अफगानिस्तान के राशिद खान बने।
- 155वें संस्करण में प्रकाशित पांच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से तीन खिलाड़ी 2017 महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता इंग्लैंड टीम से हैं।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर के नाम इस प्रकार हैं-

  1. अन्या श्रुबसोले (इंग्लैंड)
  2. हीथर नाइट (इंग्लैंड)
  3. नताली स्किवर (इंग्लैंड)
  4. शाई होप (वेस्टइंडीज)
  5. जैमी पोर्टर (टीम एसेक्स इंग्लैंड)

- विराट ने वर्ष 2017 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों में सर्वाधिक 2,818 रन बनाए तथा उन्होंने वर्ष 2016 में भी सर्वाधिक रन बनाए थे।

- इसी के साथ विराट ने वीरेंद्र सहवाग के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। सहवाग ने वर्ष 2008 एवं 2009 में सर्वाधिक रन बनाए थे।

स्पीडटेस्ट वैश्विक सूचकांक, 2018

- इंटरनेट स्पीड टेस्ट करने वाली प्रमुख कंपनी ऊकला (Ookla) द्वारा 'स्पीडटेस्ट वैश्विक सूचकांक' (Speedtest Global Indeñ) जारी हुआ।

- इस सूचकांक में मोबाइल और फिक्स ब्रॉडबैंड स्पीड के मामलों में विश्व भर के 130 देशों को शामिल किया गया है।

- इसके अनुसार, मोबाइल इंटरनेट स्पीड में अग्रणी देश हैं-

  (i) नॉर्वे (62.07 MbPS)

  (ii) आइसलैंड (58.44 Mbps)

  (iii) नीदरलैंड्स (54.53 Mbps)

  (iv) सिंगापुर (51.92 Mbps) ।

  (v) संयुक्त अरब अमीरात (51.72 Mbps)

- मोबाइल डाउनलोड की स्पीड के मामले में भारत 123 देशों में 109वें स्थान (9.01 डइचे) पर है।

- मोबाइल डाउनलोड की स्पीड के मामले में भारत के पड़ोसी देशों में श्रीलंका 82वें (61.08 डइचे), पाकिस्तान 92वें (13. 08 डइचे), बांग्लादेश 115वें (7.91 डइचे) तथा नेपाल 118वें (7.21 डइचे) स्थान पर हैं।

- फिक्स्ड ब्रॉडबैंड डाउनलोड की स्पीड में अग्रणी देश हैं-

  (i) सिंगापुर (161.53 डइचे)

  (ii) आइसलैंड (157.73 डइचे)

(iii) हांग-कांग (129.64 डइचे)

(iv) दक्षिण कोरिया (117.49 डइचे)

(v) रोमानिया (105.74 डइचे)

- जबकि फिक्सड ब्रॉडब्रैंड डाउनलोड की स्पीड के मामले में भारत 130 देशों में 67वें स्थान (20.72 डइचे) पर है।
- भारत के पड़ोसी देशों में श्रीलंका 76वें (19.53 डइचे), बांग्लादेश 86वें (16.31 डइचे), नेपाल 89वें (15.45 डइचे) तथा पाकिस्तान 122वें (6.50 डइचे) स्थान पर हैं।

फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया: 2018

- प्रतिष्ठित अमेरिकी पत्रिका फोर्ब्स ने तीसरी वार्षिक 'फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया: 2018' सूची जारी की।
- इस सूची में 300 लोगों को शामिल किया गया है।
- इस सूची में उन युवाओं को शामिल किया जाता है जिन्होंने कुछ नया किया या फिर अपने क्षेत्र में हटकर काम किया हो।
- सूची में एशिया-पैसिफिक के 24 देशों को शामिल किया गया है।
- उत्तर कोरिया और अजरबैजान को सूची में पहली बार शामिल किया गया था।
- इस सूची में 65 व्यक्तियों के साथ भारत शीर्ष पर है।
- जबकि 59 व्यक्तियों के साथ चीन दूसरे स्थान पर है।
- इस सूची में प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा तथा प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु शामिल हैं।
- इसके अलावा इस सूची में शामिल अन्य प्रमुख भारतीय इस प्रकार हैं-

(i) अंकित प्रसाद-बोबल (Bobble) नाम का ऐप बनाया, यह सेल्फी को कार्टून इमेज में बदलता है।

(ii) प्रिया प्रकाश-'हेल्थ सेट गो' नाम से प्रोग्राम शुरू किया। यह स्कूली छात्रों के लिए स्वास्थ्य संबंधी काम करता है।

(iii) बाला सरदा-'वाथम टी' नाम से चाय का बिजनेस शुरू किया। इसमें बिचौलियों को जगह नहीं दी थी।

(iv) सुहानी जलोटा-मैना महिला फाउंडेशन बनाया, मासिक धर्म से जुड़े उत्पाद बनाने के लिए प्रोत्साहन किया और महिलाओं को अपने साथ जोड़ा।

(v) पद्नाभ सिंह-जयपुर के प्रिंस हैं, वर्ल्ड कप पोलो टीम का हिस्सा बनने वाले अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बने।

(vi) राहुल गयाम-इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा और बाइक बनाने वाली 'गयाम मोटर वर्क्स मोटर्स' शुरू की।

(vii) श्रेयस भंडारी और रमेश धामी-पुराने जूतों को रिसाइकल करके जरूरत मंद लोगों तक पहुंचाने का काम करते हैं।

(viii) भूमिका अरोड़ा-मॉडल हैं, इन्हें वर्ष 2016 में वोग इंडिया मैगजीन के कवर पेज पर जगह मिली थी।

बैडमिंटन रैंकिंग: किदांबी श्रीकांत बने दुनिया के नंबर वन बैडमिंटन खिलाड़ी

- किदांबी श्रीकांत ने डेनमार्क के विक्टर एलेक्सन को पीछे छोड़ते हुए 76,895 पॉइंट्स के साथ विश्व नंबर एक की रेंकिंग हासिल की है।
- विश्व चौंपियन डेनमार्क के विक्टर एक्सलसन 75470 पॉइंट्स के साथ दूसरे पायदान पर हैं।
- कोरिया के सोन वेन हू 74670 पॉइंट्स के साथ तीसरे पायदान पर हैं।
- लगातार चार सुपर सीरीज इंडोनेशिया ओपन, ऑस्ट्रेलिया ओपन, डेनमार्क ओपन और फ्रांस ओपन जीतने वाले श्रीकांत नवंबर 2017 में ही वर्ल्ड नंबर एक पर आ सकते थे लेकिन चोट के कारण वह शीर्ष पर नहीं पहुंच सके थे।
- किदांबी श्रीकांत का जन्म 07 फरवरी 1993 को आंध्र प्रदेश के गुंटूर में हुआ था।

नोबेल पुरस्कार विजेता जर्मन भौतिकविद पीटर ग्रुएनबर्ग का निधन

- पीटर ग्रुएनबर्ग ने डिजिटल डेटा स्टोरेज के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने का काम किया था।
- पीटर ग्रुएनबर्ग और अल्टबर्ट फेर्ट की खोज के कारण ही गीगा बाइट हार्ड डिस्क का निर्माण संभव हो सका है.
- इस खोज के बाद स्टोरेज की क्षमता अचानक से बढ़ गई थी. इसी के साथ जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए डिवाइस का साइज भी छोटा हो गया।
- पीटर ग्रुएनबर्ग को वर्ष 2007 में फ्रांसीसी वैज्ञानिक अल्टबर्ट फेर्ट के साथ साझा तौर पर नोबेल पुरस्कार दिया गया था।
- पीटर ग्रुएनबर्ग को वर्ष 2016 में यूरोपियन कमिशन की ओर से यूरोपियन इनवेंटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया था।

पुस्तक–'सी.यू. टूमॉरो एट नाइन'

- 7 अप्रैल, 2018 को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने राजभवन में पुस्तक 'सी.यू. टुमॉरो एट नाइन' (ब्न2डत्ळ/9)का विमोचन किया।
- इस पुस्तक के लेखक स्व. दीपल सक्सेना हैं।
- भारतीय सूचना सेवा 2015 बैच के अधिकारी दीपल सक्सेना आकाशवाणी में सहायक निदेशक समाचार के पद पर कार्यरत थे।
- 30 दिसंबर, 2017 को एक सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गयी थी।

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस

- 1 मई, 2018 को संपूर्ण विश्व में 'अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस' (International Labour Day) मनाया गया।
- इस दिवस की शुरूआत मई 1886 से हुई थी।
- इस दिवस को मनाने के पीछे शिकागो में उन श्रमिक संगठनों की हड़ताल है जो कि 8 घंटे से ज्यादा काम न कराने के

लिए की गई थी।

- भारत में यह दिवस सबसे पहले चेन्नई में 1 मई, 1923 को मनाना शुरू किया गया था।
- उस समय इसको 'मद्रास दिवस' के रूप में मनाया जाता था।
- ज्ञातव्य है कि श्रमिकों के विषय में शीर्ष निकाय अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) है।
- यह संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1919 में हुई थी।
- इसका मुख्यालय जेनेवा, स्विट्जरलैंड में है।
- वर्तमान में गॉय रॉयडर (Guy Ryder) इसके महानिदेशक हैं तथा 187 देश इसके सदस्य हैं।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस

- 26 अप्रैल, 2018 को संपूर्ण विश्व में 'विश्व बौद्धिक संपदा दिवस' (World Intellectual Property Day) मनाया गया है।
- वर्ष 2018 में इस दिवस का मुख्य विषय (Theme)-'शक्ति परिवर्तन: नवाचार और रचनात्मकता में महिलाएं' (Powering Change Women in innovation and Creativity) है।
- इस दिवस को मनाये जाने का उद्देश्य बौद्धिक संपदा के अधिकारों (पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन, कॉपीराइट इत्यादि) के प्रति लोगों को जागरूक करना है।
- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) ने वर्ष 2000 में प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी।
- गौरतलब है कि ॅप्च्व संयुक्त राष्ट्र के 15 विशिष्ट एजेंसियों में से एक है।
- इसकी स्थापना 14 जुलाई, 1967 को हुई थी।
- इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।
- वर्तमान में फ्रांसिस गुर्री (Francis Gurry) WIPO के महानिदेशक हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस

- 1 अप्रैल, 2018 को देश भर में 'राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस' (National Safe Motherhood Day) मनाया गया।
- वर्ष 2018 में इस दिवस का मुख्य विषय (Theme) ''सम्मानित मातृत्व देखभाल'' (Respectful Maternity Care) था।
- इस दिन गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के मातृत्व स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है।

ELITE IAS

- ज्ञातव्य है कि भारत विश्व का पहला देश था जिसने 11 अप्रैल, 2003 को कस्तूरबा गांधी की जयंती पर यह दिवस घोषित किया था।
- केंद्र सरकार ने यह घोषणा 'व्हाइट रिबन एलायंस (WRAI) फॉर सेफ मदरहुड' के अनुरोध पर किया था।

दादा साहेब फाल्के फिल्म फाउंडेशन पुरस्कार, 2018

- 29 अप्रैल, 2018 को मुंबई में आयोजित एक समारोह में 'दादा साहेब फाल्के फिल्म फाउंडेशन पुरस्कार, 2018' का वितरण किया गया।
- इसमें प्रदान किए गए प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं-
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-अक्षय कुमार (फिल्म 'पैडमैन' और 'टॉयलट एक प्रेम कथा' के लिए।
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री-भूमि पेडनेकर (फिल्म 'टॉयलट एक प्रेम कथा' के लिए)
- प्रमुख भूमिका हेतु सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री-सोनम कपूर (फिल्म 'पैडमैन' हेतु)
- सर्वश्रेष्ठ बहुमुखी (टमतेंजपसम) अभिनेत्री-मनीषा कोइराला।
- लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड-राकेश रोशन।
- सरस्वतीबाई दादा साहेब फाल्के सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (लाइफटाइम) अवॉर्ड-फरीदा जलाल।
- सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक-अरमान मलिक।
- सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका-नीति मोहन।
- सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक-कोंकणा सेन शर्मा

27वां सरस्वती सम्मान, 2017

- 27 अप्रैल, 2018 को प्रसिद्ध गुजराती कवि सीतांशु यशसचंद्र को वर्ष 2017 के 27वें सरस्वती सम्मान के लिए चुना गया।
- उन्हें यह सम्मान उनके कविता संग्रह 'वखार' के लिए दिया जाएगा।
- इस पुस्तक का प्रकाशन वर्ष 2009 में हुआ था।
- सितांशु यशसचंद्र गुजराती साहित्य परिषद के अध्यक्ष हैं।
- उनके कविता संग्रह 'जटायु' (Jatayu) के लिए उन्हें वर्ष 1987 में गुजराती के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- केंद्र सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 2006 में पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था।
- इससे पूर्व 26वां सरस्वती सम्मान, 2016 कोंकणी भाषा के साहित्यकार महाबलेश्वर सैल को उनके उपन्यास 'हावठण' (Hawthan) के लिए दिया गया था।

- ज्ञातव्य है कि वर्ष 1991 में के.के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा सरस्वती सम्मान की स्थापना की गई थी।
- यह सम्मान प्रतिवर्ष संविधान की 8वीं अनुसूची में वर्णित किसी भी भारतीय भाषा में पिछले 10 वर्ष में प्रकाशित भारतीय लेखकों की उत्कृष्ट साहित्यिक कृति को प्रदान किया जाता है।
- पुरस्कार के तहत प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिन्ह और 15 लाख रुपये की पुरस्कार-राशि प्रदान की जाती है।

संतोष ट्रॉफी 2018: केरल ने बंगाल को हराकर खिताब जीता

- केरल ने संतोष ट्रॉफी के लिए 72वीं राष्ट्रीय फुटबाल चौंपियनशिप के फाइनल में गत चौंपियन पश्चिम बंगाल को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर खिताब जीता।
- निर्धारित और अतिरिक्त समय के बाद दोनों टीमें 2-2 से बराबर थी जिसके बाद नतीजे के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया।
- केरल का यह छठा संतोष ट्रॉफी खिताब है जो उसने 13 साल बाद जीता है। इस मुकाबले के निर्धारित 90 मिनट के बाद मैच 1-1 से बराबर रहा। अतिरिक्त 30 मिनट के खेल के बाद मैच 2-2 से बराबर रहा था।

मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति पुरस्कार, 2018

- 24 अप्रैल, 2018 को मुंबई में आयोजित एक समारोह में मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति पुरस्कार, 2018 का वितरण किया गया।
- इसमें संगीत सेवा में योगदान देने के लिए उस्ताद अमजद अली खान को दीनानाथ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- साहित्य सेवा के लिए कवि योगेश को वाग्विलासिनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान के लिए राजू खांडेकर (एबीपी माझा) को दीनानाथ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- इसके अलावा, प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर, संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष शेखर सेन, प्रसिद्ध पार्श्वगायिका आशा भोसले तथा धनंजय दातार को दीनानाथ विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार प्रसिद्ध पार्श्व गायिका लता मंगेशकर एवं आशा भोसले के पिता पं. दीनानाथ मंगेशकर की स्मृति में उनकी पुण्य तिथि पर विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान करने वाले व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है।

कायाकल्प पुरस्कार-2018

- 19 अप्रैल, 2018 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने स्वच्छता और साफ-सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए जन स्वास्थ्य सुविधाओं को कायाकल्प पुरस्कार प्रदान किए।
- स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

1.। श्रेणी

- केंद्र सरकार अस्पताल की । श्रेणी में 2.5 करोड़ रुपये का पहला पुरस्कार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली को दिया।
- इस श्रेणी में 1.5 करोड़ रुपये का दूसरा पुरस्कार पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चडीगढ़ को दिया गया।
- 50 लाख रुपये का सराहना पुरस्कार जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन एंड रिसर्च (जेआईपीएमईआर), पुडुचेरी तथा सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली को दिया गया।
- एमजीआईएमएस, वर्धा को प्रशंसा प्रमाण-पत्र दिया गया।

2.B श्रेणी

- ठ श्रेणी में 1.5 करोड़ का पहला पुरस्कार एनआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग को दिया गया। जबकि इसी श्रेणी में एक करोड़ का दूसरा पुरस्कार एम्स, भुवनेश्वर को मिला।
- 50 लाख रुपये का सराहना पुरस्कार बंगलुरू स्थित एनआईएमएचएएनएस, नई दिल्ली स्थित एनआईटीआरडी, ऋषिकेश, रायपुर तथा भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को दिया गया।
- जोधपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को प्रशंसा प्रमाण-पत्र दिया गया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

- 13 अप्रैल, 2018 को कोलंबो (श्रीलंका) के प्रोफेसर भंते आनंद कीर्ति को डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई।
- यह पुरस्कार उन्हें 9-10 दिसंबर, 2018 के मध्य आयोजित होने वाले 34वें राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन में दिया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1995 में हुई थी।
- यह पुरस्कार किसी व्यक्ति/संस्था को सामाजिक परिवर्तन के लिए किए गए कार्यों हेतु दिया जाता है।

शॉर्नस्टेन पत्रकारिता पुरस्कार, 2017

- 16 अप्रैल, 2018 को 'द वायर' के संस्थापक सिद्धार्थ वरदराजन को वर्ष 2017 के लिए 'शॉर्नस्टेन पत्रकारिता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार प्रतिवर्ष स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वाल्टर एच. शॉर्नस्टेन एशिया-प्रशांत अनुसंधान केंद्र द्वारा दिया जाता है।

- उन्हें यह पुरस्कार संपादक के रूप में स्वतंत्र, वेब आधारित पत्रकारिता में उनकी अच्छी शोध रिपोर्ट और उनकी टिप्पणियों के लिए दिया गया।
- इस पुरस्कार हेतु घोषणा 1 मार्च, 2018 को हुई थी।

'सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य पुरस्कार', 2017

- 19 अप्रैल, 2018 को मध्य प्रदेश राज्य को 'सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य पुरस्कार 2017' प्रदान किए जाने की घोषणा की गई।
- इसकी घोषणा ज्यूरी के अध्यक्ष प्रसिद्ध फिल्म निर्माता रमेश सिप्पी द्वारा की गई।
- ज्यूरी ने इसमें भाग लेने वाले 16 राज्यों में से मध्य प्रदेश का चयन सर्वसम्मति से किया है।
- मध्य प्रदेश द्वारा अपने यहां फिल्मांकन में सहूलियत सुनिश्चित करने के प्रयासों को देखते हुए इस राज्य को 'सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य पुरस्कार' प्रदान किया गया।
- मध्य प्रदेश सुव्यवस्थित वेबसाइट बनाने और फिल्म अनुकूल बुनियादी ढ़ांचा स्थापित करने के साथ-साथ विभिन्न तरह के प्रोत्साहनों की पेशकश कर रहा है।
- उत्तराखंड राज्य को अपने यहां फिल्म अनुकूल परिदृश्य सुनिश्चित करने की दिशा में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों को ध्यान में रखते हुए 'विशेष उल्लेख प्रमाण-पत्र' प्रदान किए जाने की घोषणा की गई।
- यह पुरस्कार 3 मई, 2018 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा 65वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के वितरण के दौरान प्रदान किए जाएंगें।
- ज्ञातव्य है कि वर्ष 2016 का सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य पुरस्कार उत्तर प्रदेश को प्रदान किया गया था।

पुलित्जर पुरस्कार, 2018

- 16 अप्रैल, 2018 को कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क (अमेरिका) में वर्ष 2018 के पुलित्जर पुरस्कारों की घोषणा की गई।
- वर्ष 2018 के पुरस्कारों में पत्रकारिता के लिए 14 और साहित्य, नाटक, संगीत श्रेणी के अंतर्गत 7 पुरस्कारों की घोषणा की गई जो इस प्रकार हैं-

पत्रकारिता

- लोक सेवा-'द न्यूयॉर्क टाइम्स' एवं 'द न्यूयॉर्कर' अखबार को।
- दोनों अखबारों ने अपनी रिपोर्टिंग के जरिए हॉलीवुड के दिग्गज निर्माता हार्वे वीनस्टीन को कटघरे में खड़ा करते हुए अमेरिका के सबसे बड़े यौन उत्पीड़न मामले को उजागर किया।
- 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्टिंग जोडी कानटोर (Jodi Kantor) और मेगन टोही (Megan Twohey) और 'द न्यूयॉर्कर

की रिपोर्टिंग रोनन फैरो (Ronan Farrow) द्वारा की गई थी।

- ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग–'द प्रेस डेमोक्रेट', सांतारोसा, कैलिफोर्निया के स्टॉफ को।
- खोजी रिपोर्टिंग–'द वाशिंगटन पोस्ट' के स्टॉफ को।
- व्याख्यात्मक रिपोर्टिंग–'द एरिजोना रिपब्लिक' और 'यूएसए टुडे नेटवर्क' के स्टॉफ को।
- स्थानीय रिपोर्टिंग–'द सिनसिनाटी इन्क्यूरर' के स्टॉफ को।
- राष्ट्रीय रिपोर्टिंग–'द न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'द वाशिंगटन पोस्ट' के स्टॉफ को।
- अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग–रायटर्स के क्लेयर बाल्डविन, एंड्रयू आर.सी. मार्शल और मैनुअल मोगाटो को।
- फीचर लेखन–राचेल काडजी घनशाह (Rachel Kaadzi Ghansah), फ्रीलांस रिपोर्टर, जीक्यू (GQ) को।
- टिप्पणी (Commentary)– जॉन आर्चीबल्ड, अलाबामा मीडिया ग्रुप, बरमिंघम, एला (Ala)
- आलोचना–न्यूयॉर्क मैगजीन के जेरी साल्ट्ज को।
- संपादकीय लेखन–'द डेस म्वाइंस रजिस्टर' की एंडी डोमिनिक को।
- संपादकीय कार्टूनिंग–जेक हालपर्न (फ्रीलांस लेखक) और मिशेल स्लोन (फ्रीलांस कार्टूनिस्ट), द न्यूयार्क टाइम्स को।
- ब्रेकिंग न्यूज फोटोग्राफी–द डेली प्रोग्रेस के रेयन केली, चार्लोट्सविले, वा.
- समाचार एजेंसी रायटर्स के लिए फोटोग्राफी करने वाले दो भारतीयों को भी पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई।
- इसमें नई दिल्ली के दानिश सिद्दीकी और मुंबई के अदनान अबिदि शामिल हैं।
- जिन्हें फीचर फोटोग्राफी की श्रेणी में यह पुरस्कार मिला है।
- रायटर्स के इन दोनों फोटोग्राफरों को रोहिंग्या मामले में मार्मिक तस्वीरों के लिए पुलित्जर पुरस्कार दिया गया।
- साहित्य, नाटक, संगीत
- कथा (Fiction)– एंड्रयू सीन ग्रीर द्वारा लिखित लेस (स्मे) को।
- नाटक (Drama)– मार्टीना माजोक द्वारा लिखित कॉस्ट ऑफ लिविंग (ब्वेज वि स्पअपदह) को।
- इतिहास (History) & जैक ई. डेविस द्वारा लिखित 'द गल्फ: द मेकिंग ऑफ एन अमेरिकन सी' (The Gulf the Making of an Amerian Sea)।
- जीवन/आत्मकथा (Biography)–कैरोलिन फ्रेजर द्वारा लिखित 'प्रेयरी फायर्स: द अमेरिकन ड्रीम्स ऑफ लौरा इनगॉल्स

विल्डर' (Prairie Fires The American Dreams of Laura Ingalls Wilder)

- कविता (Poetry) फ्रैंक बिडार्ट द्वारा लिखित हॉफ लाइट: कलेक्टेड पोयम्स 1965–2016'।
- सामान्य गैर–कथा (Gereral Nonfiction)- जेम्स फोरमैन जूनियर द्वारा लिखित 'लॉकिंग अप अवर ओन: क्राइम एंड पनिशमेंट इन ब्लैक अमेरिका'
- इस वर्ष के पुरस्कारों में 'विशेष पुरस्कार एवं प्रशस्ति–पत्र' (ैचमबपंस ्रूतके ंदक ब्पजंजपवद) श्रेणी के अंतर्गत किसी पुरस्कार की घोषणा नहीं की गई।
- इन पुरस्कारों के इतिहास में पहली बार किसी रैप कलाकार को संगीत के पुलित्जर के लिए चुना गया।
- रैपर केंड्रिक लेमर को उनके एल्बम 'डैम' (Damn) के लिए यह पुरस्कार मिला।
- लेमर ने गैर शास्त्रीय और जैज से इतर रैप क्षेत्र में यह पुरस्कार हासिल किया।

दादा साहेब फाल्के एक्सीलेंस अवॉर्ड, 2018

- 8 अप्रैल, 2018 को दादा साहेब फाल्के उत्कृष्टता पुरस्कार समिति ने प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और अभिनेता रणवीर सिंह को वर्ष 2018 के 'दादा साहेब फाल्के एक्सीलेंस अवॉर्ड, 2018' से सम्मानित किए जाने की घोषणा की।
- अनुष्का शर्मा को यह अवॉर्ड 'पाथ ब्रेकिंग प्रोड्यूसर' के तौर पर मिलेगा।
- गौरतलब है कि उन्होंने अपने भाई के साथ प्रोडक्शन हाउस क्लीन स्लेट फिल्म्स की शुरूआत की थी।
- इस प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म वर्ष 2015 की 'NH 10' थी, जिसके बाद 'फिल्लौरी' और 'परी' भी बनाई गई।
- इस प्रोडक्शन द्वारा बनाई गई फिल्म 'सुई धागा' के लिए उन्हें पुरस्कृत किया गया।
- अभिनेता रणवीर सिंह को फिल्म 'पद्मावत' में खिलजी का शानदार अभिनय करने के लिए दादा साहेब फाल्के एक्सीलेंस अवॉर्ड 2018 का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया।

49वां दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, 2017

- 13 अप्रैल, 2018 को प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना को मरणोपरांत वर्ष 2017 के 49वें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई।
- मरणोपरांत इस पुरस्कार द्वारा सम्मानित होने वाले वह दूसरे अभिनेता होंगे। इसके पूर्व वर्ष 1971 में पृथ्वीराज कपूर को हिंदी सिनेमा में विशेष योगदान के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- 27 अप्रैल, 2017 को उनका निधन हो गया था।
- एक सफल अभिनेता के साथ–साथ वे एक राजनेता भी थे।

- वे पंजाब राज्य के गुरदासपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के सांसद थे।
- उन्होंने 140 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया था।
- वर्ष 1968 में 'मन का मीत' फिल्म के साथ उन्होंने अपने फिल्मी कैरियर की शुरूआत की थी।
- 'मेरे अपने', 'मेरा गांव मेरा देश','अमर अकबर एंथोनी','कुर्बानी', 'दयावान', 'इंकार', 'कच्चे धागे' एवं 'जुर्म' आदि उनकी कुछ यादगार फिल्मों में शामिल हैं।
- ध्यातव्य है कि दादा साहेब फाल्के पुरस्कार भारत सरकार द्वारा भारतीय सिनेमा की प्रागति और विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार का प्रारंभ दादा साहेब फाल्के के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 से हुआ था।
- पहला पुरस्कार अभिनेत्री देविकारानी को प्राप्त हुआ था।
- इस पुरस्कार के तहत एक स्वर्ण कमल, 10 लाख रुपये की नकद राशि और एक शॉल प्रदान किया जाता है।
- ज्ञातव्य है कि वर्ष 2016 का 48वां दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं अभिनेता कसीनथूनी विश्वनाथ को प्रदान किया गया था

बेगम अख्तर पुरस्कार, 2017-18

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त बेगम अख्तर पुरस्कार 2017-2018 का वितरण किया गया।
- वर्ष 2017-18 का बेगम अख्तर पुरस्कार हरमोनियम वादक एवं उपशास्त्रीय गायक पं. धर्मनाथ मिश्र एवं गजल गायक उस्ताद सखावत हुसैन को प्रदान किया गया।
- जबकि वर्ष 2018 का पुरस्कार उस्ताद सखावत हुसैन खां को प्रदान किया गया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों लोगों को अंगवस्त्र, प्रशस्ति-पत्र तथा 5-5 लाख रुपये की धनराशि प्रदान की।
- उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार 'मल्लिका ए-गजल' के नाम से प्रसिद्ध बेगम अख्तर (अख्तरी बाई फैजाबादी) की स्मृति में दिया जाता है।
- यह पुरस्कार दादरा, ठुमरी और गजल विधाओं में प्रतिभावान गायकों को प्रदान किया जाता है।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 129 महिलाओं व बच्चों को उ.प्र. रानी लक्ष्मीबाई वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया।
- उन्हें पुरस्कारस्वरूप अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं 1 लाख रुपये की धनराशि प्रदान की गई।

इंदु मल्होत्रा सुप्रीम कोर्ट में जज बनने वाली देश की पहली महिला वकील

- वरिष्ठ अधिवक्ता इंदु मल्होत्रा सुप्रीम कोर्ट में सीधे जज बनने वाली देश की पहली महिला वकील होंगी।
- सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने लगभग तीन महीने पहले उनका नाम सुप्रीम कोर्ट जज के लिए भेजा था। केंद्र सरकार ने कॉलेजियम की सिफारिश मान ली है।
- इस समय सुप्रीम कोर्ट में 24 जज हैं जिनमें सिर्फ एक ही महिला जज जस्टिस आर भानुमति हैं।
- इंदु के पदभार संभालने के बाद से वो दूसरी महिला जज होंगी।

विराट कोहली खेल रत्न, द्रविड़ द्रोणाचार्य और गावस्कर ध्यानचंद पुरस्कार के लिये नामित

- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को राजीव गांधी खेल रत्न दिए जाने की सिफारिश की गई। इसके साथ ही बीसीसीआई द्वारा भारतीय ए टीम के कोच राहुल द्रविड़ को द्रोणाचार्य और पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर को ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिये नामित किया गया।
- भारतीय क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों के कप्तान विराट कोहली को सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न देने की सिफारिश की गई है। बीसीसीआई द्वारा खेल रत्न के लिये वर्ष 2016 में विराट के नाम की सिफारिश की गई थी लेकिन उस वर्ष ओलंपिक वर्ष होने के कारण विराट की जगह दीपा करमाकर, पीवी सिंधू, जीतू राय और साक्षी मलिक को खेल रत्न से नवाजा गया था।

जुलियस माडा बिओ सियरा लियोन के नए राष्ट्रपति निर्वाचित

- सियरा लियोन के विपक्षी उम्मीदवार जुलियस माडा बिओ पश्चिमी अफ्रीकी देश सियरा लियोन के नए राष्ट्रपति निर्वाचित घोषित किए गए हैं। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने 04 अप्रैल 2018 को बिओ के निर्वाचन की घोषणा की।
- गत 31 मार्च को हुए चुनाव में सियरा लिओन पीपुल्स पार्टी के बिओ को 51.81 प्रतिशत वोट हासिल हुए। उन्होंने पूर्व विदेश मंत्री और सत्तारुढ़ ऑल पीपुल्स कांग्रेस के उम्मीदवार सामुरा कामरा को हराकर यह जीत हासिल की जिन्हें 48. 19 प्रतिशत वोट हासिल हुए।

❐❐❐